17- APR- K&C- MAIN- Pg- 1_page1.qxd 4/18/2024 12:54 AM Page 1

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, गुरुवार 18 अप्रैल 2024

सरोज ने कहा- जनता को परिवारवादी और निष्क्रिय नहीं, मुखर सांसद चाहिए

हरिभूमि न्यूज : रायपुर। छत्तीसगढ़ की सियासत में सुश्री सरोज पांडे को करिश्माई शख्सियत के रूप में देखा जाता है। एक ऐसा राजनीतिज्ञ जो गत ढाई दशक से आम जनता और पार्टी नेतृत्व दोनों की ही निगाहों में लगातार सराहा जाता रहा है। एक ही समय में महापौर, विधायक और सांसद बने रहने का करिश्मा कर दिखाने वाली भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडे का बतौर महापौर काम आज भी लोगों के जेहन में कौतूहल का विषय है। जनता की समस्याओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मान के मुद्दे

पर उनकी आक्रमक कार्यशाली ने उन्हें भीड़ से अलग पहचान दिलाने और जन नेता के तौर पर स्थापित करने में महती भूमिका निभाई। उन सरोज पांडे को भारतीय जनता पार्टी ने कोरबा संसदीय क्षेत्र से इस बार मैदान में उतारा है। किन उम्मीद के साथ वह मैदान में है इस पर हमने उनसे खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा जनता को परिवारवादी और निष्क्रिय नहीं मुखर सांसद चाहिए। सभी समाज और वर्ग के समर्थन को अपनी पूंजी करार देनी वाली सुश्री सरोज पांडे के साथ हुए चुनावी संवाद के प्रमुख अंश:-

कोरबा की भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय से हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी का चुनावी-संवाद

सवाल- ज्योत्सना महंत पर कुछ ज्यादती नहीं कर रही हैं आप?

जवाब- गैर राजनीतिक महिला को परिवारवाद के तहत राजनीति के मैदान में उतार दिया गया। यह कहां तक उचित है? कांग्रेस पार्टी के उन कार्यकर्ताओं का क्या, जो वर्षों से काम कर रहे हैं।

- जनजातीय समाज भी योजनाओं से खुश
- पहली बार भाजपा की मोदी सरकार गरीबों की सरकार
- अबकी बार 400 नहीं 400 से भी ज्यादा

चार माह में विष्णु सरकार ने मोदी की गारंटी को पूरा कर दिया

सवाल- सरकार के पिछले चार माह के काम को कैसे देखती हैं।

जवाब-छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री बने हैं । मोदी को गारंटी को बहुत कम समय में पूरा किया। आदिवासियों की योजनाओं को लागू किया जिससे कोरबा के क्षेत्र लोगों में खुशी है। यहां पर महतारी वंदन योजना, आवास योजना को कम समय में पूरा हुआ। यहां पर जनजातीय समाज भी उन योजनाओं से खुश है। वे उस व्यक्तित्व के साथ समाजिक रूप से जूड़े हैं।

सवाल- कोरबा क्षेत्र में किन समस्याओं शेष पेज 5 पर

मैं कोरबा की पालक सांसद रही हूं, यहां काम किया है

सवाल-आपने कोरबा क्षेत्र को ही क्यों चुना, यहां क्यों आ गई?

जवाब-कोरबा की मैं पालक भी सांसद रही। पालक सांसद रहते हुए काम किया अपनी सांसद निधि का उपयोग किया। मोदी की योजनाओं पर यहां पर काम किया। यहां की सांसद कहीं दिखाई नहीं देती। प्रत्याशी होने के बाद भी उन्हें कोई पहचानता तक नहीं। उन्होंने यहां पर जानकर भी कोई काम नहीं किया। भ्रष्टाचार को आलम चरम पर है, दो-दो कलेक्टर चले गए। डीएमएफ की बैठक में सांसद स्वयं उपस्थित रहती है और कहती है कि कांग्रेसी भ्रष्टाचारी है।

रामलला का 'सूर्य तिलक'

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

रामनवमी पर अयोध्या में रामलला का 'सूर्य तिलक' किया गया। सूर्य की किरणें श्रीराम की मूर्ति के माथे पर पहुंचीं। दोपहर 12 बजे रामलला का सूर्य तिलक किया गया। गर्भगृह के बाहर इंतजार कर रहे भक्तों ने 'सूर्य तिलक' के दौरान भगवान राम के नारे लगाए, जबकि पुजारी ने अंदर आरती की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने चुनाव प्रचार के दौरान 'सूर्य तिलक' देखा।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, नलबाड़ी की सभा के बाद मुझे अयोध्या में रामलला के सूर्य तिलक के अद्भुत और अप्रतिम क्षण को देखने का सौभाग्य मिला। श्रीराम जन्मभूमि का यह बहुप्रतीक्षित क्षण हर किसी के लिए परमानंद का क्षण है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक हैंडल 'एक्स' पर 'सूर्य तिलक' का एक वीडियो साझा किया। उन्होंने लिखा, सत्यसंधान, निर्वानप्रद, सर्वहित, सर्वगुण-ज्ञान-विज्ञानशाली। सघन-तम-घोर-संसार-भर-शर्वरी नाम दिवसेश खर-किरणमाली॥ उन्होंने कहा, सूर्यकुल भूषण श्री रामलला के ललाट पर सुशोभित भव्य 'सूर्य तिलक' आज अखिल राष्ट्र को अपने सनातन गौरव से आलोकित कर रहा है। जय जय श्री राम। सूर्य तिलक के लिए सूरज की रोशनी को श्रीरामलला की मूर्ति के माथे के बीचो-बीच पहुंचाने के लिए चार लेंस और चार शीशे की जरूरत पड़ी। अभी यह सिस्टम अस्थाई तौर पर लगा है। जब मंदिर की संरचना पूरी हो जाएगी, तब इस सिस्टम को स्थाई तौर पर लगा दिया जाएगा, ताकि हर साल रामनवमी पर श्रीराम के ललाट का तिलक होता रहे।

भाजपा नेता की घर में कुल्हाड़ी मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

■ नारायणपुर के दण्डवन उपसरपंच की नक्सलियों ने कर दी हत्या

नारायणपुर के दण्डवन उपसरपंच व भाजपा नेता की नक्सलियों ने कुल्हाड़ी से मारकर हत्या कर दी। भाजपा नेता पर पुलिस मुखबिर का आरोप लगाते हुए दिनदहाड़े बैनर पोस्टर चस्पा किया गया था। भाजपा नेता को पूर्व में भी नक्सलियों द्वारा हत्या की धमकी दी थी और वे नक्सलियों के टारगेट में थे।

नक्सलियों की पूर्वी बस्तर डिविजन कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी लेते हुए उपसरपंच व भाजपा नेता को की हत्या कर शहर के अंदर चुनाव बहिष्कार का बैनर पोस्टर लगाया है। दण्डवन पंचायत के उपसरपंच का नाम पंचमदास बताया जा रहा है, जिसे पूर्व में भी नक्सलियों द्वारा धमकी दी गई थी। बीती रात लगभग 11 बजे उसकी हत्या की गई। वहीं बैनर में बैनर में भाजपा नेता सागर साहू और रतन दुबे का जिक्र किया है, जिनकी पूर्व में हत्या कर दी गई थी। वहीं कांग्रेस नेता अमित भद्र और सरपंच बिसेल नाग को मौत की सजा देने की बात लिखी है।

नक्सलियों द्वारा नारायणपुर शहर के अंदर बैनर पोस्टर लगाए है। जिसमे लोकसभा चुनाव के बहिष्कार का उल्लेख है। साथ ही कांग्रेस नेता अमित भद्र और सरपंच बिसेल नाग को मौत की सजा देने की बात भी बेनर में लिखी है। बैनर में भाजपा नेता सागर साहू और रतन दुबे का भी जिक्र किया है जिनकी विधानसभा चुनाव से पहले नक्सलियो ने हत्या कर दी थी। इस बैनर पोस्टर में ट्रक परिवहन संघ और ट्रक वाहन चालकों को दी जान से मारने की धमकी दी गई है। शहर के भीतर अमित भद्र के घर के नजदीक बैनर पोस्टर चस्पा किया गया है। देर रात नक्सली उपसरपंच पंचम दास के घर पहुंचे और उसके घर का दरवाजा तोड़ा और कुल्हाड़ी से हमला कर पंचम दास को मार डाला। वारदात के बाद मौके पर नक्सली पर्चे भी फेंके गए हैं। जिसमें लिखा है कि उपसरपंच और बीजेपी नेता पंचम दास मानिकपुरी पुलिस के लिए गोपनीय सैनिक के रूप में काम कर रहा था इसलिए उसे मौत की सजा दी है। पूर्व में दी थी हत्या की धमकी जानकारी के मुताबिक पंचमदास मानिकपुरी जिले के दंडवन गांव शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

बस्तर सीट के लिए चुनाव प्रचार समाप्त, कल मतदान

रायपुर/जगदलपुर। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए छत्तीसगढ़ में बस्तर सीट के लिए पहले चरण का चुनाव प्रचार 17 अप्रैल की शाम को समाप्त हो गया। अब यहां 19 अप्रैल को मतदान होगा। इस सीट पर मतदान करवाने के लिए बुधवार को 100 मतदान दल हेलीकाप्टर से रवाना हो गए हैं। इन दलों में 583 मतदान कर्मी हैं, इन्हें कैंपों में सुरक्षित पहुंचाया गया है। बस्तर लोकसभा सीट के लिए 11 प्रत्याशी मैदान पर हैं। यहां मुख्य मुकाबला कांग्रेस और भाजपा के बीच होता दिख रहा है। कांग्रेस ने यहां से पूर्व मंत्री कवासी लखमा को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा से महेश कश्यप मैदान पर हैं। इनके अलावा बसपा सहित अन्य दलों के उम्मीदवार व निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं।

ट्रेलर के पीछे घुसी कार 10 लोगों की मौत

अहमदाबाद। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेस हाईवे पर बुधवार को नडियाद के पास एक भीषण हादसा हो गया। यहां एक कार ट्रेलर के पीछे जा घुसी, जिससे 10 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। इनमें से आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो ने अस्पताल में ही दम तोड़ दिया। मृतकों की संख्या अभी भी बढ़ने की आशंका है। घटना के बाद हाईवे पर जाम लग गया। कार वडोदरा से अहमदाबाद जा रही थी। हादसा होते ही 108 की दो एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं और साथ ही एक्सप्रेस हाईवे गश्ती दल भी मौके पर पहुंच गया।

यूपीएससी में चयन नहीं हुआ तो महिला ने दी जान

खिलचीपुर। राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में एक महिला फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। महिला का नाम दिव्या शर्मा है जो कि एसडीएम बनना चाहती थी। परिजन का कहना है कि दिव्या का एमपीपीएससी क्लियर नहीं हो पाया था जिससे वो काफी दुखी थी। वो अक्सर कहती थी कि वो सुसाइड कर लेगी और अब उसने अपनी जान दे दी। वहीं पिता ने ससुराल पक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा की ससुराल पक्ष के लोगों ने हमें गलत जानकारी देते हुए करंट लगने से मौत की बात बताई। वहीं जो सुसाइड नोट में भी जो राइटिंग है वह मेरी बेटी की नहीं है।

छात्रा की याचिका पर छुट्टी के दिन खुला हाईकोर्ट

लॉ विवि को सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने कहा गया

बिलासपुर। हिदायतुल्ला नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी की छात्रा की अर्जेंट अपील पर आज हाईकोर्ट ने अवकाश के दिन भी 17 अप्रैल बुधवार को सुनवाई की। दरअसल गुरुवार 18 अप्रैल को ही विषय की परीक्षा आयोजित होनी है इसलिए यह याचिका दायर हुई थी। डिवीजन बेंच ने विवि के कुलपति को याचिकाकर्ता का यह अंतिम वर्ष होने के कारण इस प्रकरण पर सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने कहा है।

वर्शुन भान मिस्कीन नवम सेमेस्टर अंतिम वर्ष में लॉ आफ एविडेंस की परीक्षा में गत 2 मई 2023 को नकल प्रकरण में शामिल पाई गई थी। छात्रा अपनी हथेली में कुछ जवाब लिखकर लाई थी। परीक्षकों ने इसे पकड़ लिया था और अनफेयर मीन्स कमेटी ने इसमें प्रकरण दर्ज कर नोटिस दिया। साथ ही विवि ने छात्रा को एक साल तक कोई भी परीक्षा देने से प्रतिबंधित कर दिया। इसके खिलाफ छात्रा ने हाईकोर्ट की शरण ली। एकल पीठ ने पिछले मंगलवार को हुई सुनवाई के बाद याचिका खारिज कर कोर्ट के हस्तक्षेप से इनकार कर दिया। सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ छात्रा ने अवकाश के दिन अर्जेंट रिट अपील दाखिल की। इस पर शेष पेज 5 पर

यूएई में बारिश का 75 साल का टूटा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) के अनुसार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मंगलवार को 75 वर्षों का बारिश का रिकॉर्ड टूटा है। यहां 1949 में हुई बारिश के बाद 2024 में सबसे अधिक बारिश हुई है। अल ऐन में बीते 24 घंटे में करीब 254 मिमी बारिश दर्ज की गई। अल ऐन में हुई बारिश लगभग दो साल की औसत बारिश के बराबर है। बता दें यूएई, अल ऐन, दुबई में सोमवार और मंगलवार को मूसलाधार बारिश हुई है। जिससे अलग-अलग क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालत बने हुए हैं। यहां उड़ानें और ट्रैफिक बाधित है। बुधवार को यूएई के सभी स्कूल बंद रहे। बताया जा रहा है कि यह क्लाउड सीडिंग के चलते ऐसा हुआ है। क्लाउड सीडिंग या कृत्रिम बारिश में वैज्ञानिक आसमान में सिल्वर आयोडाइड, ड्राई आइस और नमक को बादलों में छोड़ते हैं।

24 घंटे में करीब 254 मिमी बारिश दर्ज

टाइम्स मैग्जीन ने जारी की सूची

दुनिया की 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में आलिया और साक्षी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

टाइम्स मैग्जीन ने साल 2024 के 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों की लिस्ट जारी कर दी है। बुधवार शाम जारी की गई इस लिस्ट में दो भारतीयों के भी नाम हैं। ओलिंपिक मेडल विजेता साक्षी मलिक और अभिनेत्री आलिया भट्ट को टाइम्स मैग्जीन की लिस्ट में जगह मिली है।

कुश्ती में भारत की एकमात्र महिला ओलिंपिक पदक विजेता साक्षी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए इस सूची में जगह दी गई है, वहीं अभिनेत्री आलिया भट्ट को एक्टिंग के क्षेत्र के साथ-साथ जन हितैषी कार्यों में योगदान के लिए इस लिस्ट में जगह मिली है। इस लिस्ट में भारतीय मूल के हॉलीवुड अभिनेता देव पटेल का भी नाम शामिल है। देव पटेल इंडो-ब्रिटिश मूल के एक्टर हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला भी भारतीय मूल के शख्स हैं और उन्हें भी टाइम्स मैग्जीन की इस लिस्ट में जगह मिली है। लिस्ट में यूएस डिपार्टमेंट के लोन प्रोग्राम ऑफिस के डायरेक्टर जिगर शाह का भी नाम है। शाह का जन्म गुजरात के मोडासा में हुआ था।

भारतीय मूल के ये भी

टाइम्स मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में येल यूनिवर्सिटी की प्रॉफेसर प्रियमवदा नटराजन को भी जगह मिली है। तमिलनाडु के कोयंबटूर में जन्मीं प्रियंवदा नटराजन येल यूनिवर्सिटी में डिपार्टमेंट्स ऑफ एस्ट्रोनॉमी एंड फिजिक्स की प्रोफेसर हैं।

अजय बंगा और आसमां खान

बिजनेसमैन अजय बंगा ने भी टाइम्स मैग्जीन के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में जगह बनाई है। अजय बंगा वर्ल्ड बैंक के अध्यक्ष हैं और उनका जन्म महाराष्ट्र के पुणे में हुआ है। मशहूर शेफ आसमां खान को भी इस लिस्ट में जगह मिली है। कोलकाता में जन्मीं आसमां खान मशहूर शेफ हैं और वो लंदन के मशहूर रेस्तरां दार्जिलिंग एक्सप्रेस की मालिक भी हैं।

पांच पूर्व मुख्यमंत्रियों के सियासी करियर का भी होगा इम्तिहान

दांव पर होगी एक दर्जन से ज्यादा केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में 19 अप्रैल को 18वीं लोकसभा के लिए 21 राज्यों की 102 लोकसभा सीटों पर मतदान होगा। इन लोकसभा सीटों पर 134 महिलाओं समेत 1625 प्रत्याशी अपने राजनीतिक अस्तित्व की जंग लड़ रहे हैं। पहले चरण के चुनाव में जहां चार पूर्व मुख्य मंत्रियों के अलावा करीब डेढ़ दर्जन केंद्रीय मंत्रियों की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है, तो वहीं केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, विधायकों के अलवा प्रोफेसर से लेकर अधिवक्ता तक का राजनीतिक भविष्य दांव पर होगा। लोकसभा के लिए 19 अप्रैल को हो रहे पहले चरण में 21 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर चुनाव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं और चुनाव प्रचार भी बुधवार की शाम को थम गया है।

लोकसभा 2024

- पहले चरण का चुनाव कल 19 अप्रैल को
- 21 राज्यों की 102 सीटों पर 134 महिलाओं समेत 1,625 प्रत्याशी के सियासी भविष्य का फैसला करेंगे मतदाता

नितिन गड़करी

किरण रिजिजू

सर्वानंद सोनेवाल

फग्गन सिंह कुलस्ते

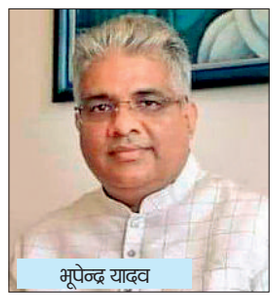
भूपेन्द्र यादव

सबसे ज्यादा निर्दलीय प्रत्याशी

लोकसभा के पहले चरण की 102 सीटों के लिए चुनाव मैदान में उतरे 1625 प्रत्याशियों में सबसे ज्यादा 885 निर्दलीय प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय दलों में बसपा सबसे ज्यादा 86, भाजपा 77, कांग्रेस 56 सीटों पर अपने प्रत्याशियों को चुनाव लड़ा रही है। इसके अलावा एडीएमके ने 36, डीएमके ने 22, समाजवादी पार्टी ने सात, डीएमडीके, सीपीआई(एम) और तृणमूल के पांच प्रत्याशी चुनावी जंग में हैं। राजद के चार, एनपीपी, सीपीआई और आप के दो-दो तथा एसडीएफ, एसकेएम के एक-एक प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं। इसके अलावा बाकी क्षेत्रीय, गैर मान्यता प्राप्त दलों के प्रत्याशी पहले चरण के चुनावी रण में हैं।

केंद्रीय मंत्रियों पर भाजपा का दांव

पहले चरण के लोकसभा चुनाव में राजनैतिक दिग्गजों की बात करें, तो उनमें महाराष्ट्र की नागपुर लोकसभा सीट पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गड़करी, अरुणाचल की पश्चिमी लोकसभा सीट से केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरण रिजिजू, असम की डिब्रूगढ़ से केंद्रीय जहाजरानी मंत्री सर्वानंद सोनेवाल, मध्य प्रदेश की मंडला सीट से इस्पात राज्यमंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते, मणिपुर इनर सीट से विदेश राज्यमंत्री डा. राजकुमार रंजन, राजस्थान की अलवर सीट से केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री भूपेन्द्र यादव, बीकानेर से केंद्रीय कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन सिंह मेघवाल के अलावा बाडमेर से कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी चुनाव मैदान में हैं। जबकि यूपी की मुजफ्फरनगर सीट से मत्स्य एवं पशुपालन डेयरी मंत्री डा. संजीव बालियान, पीलीभीत से यूपी सरकार के मंत्री जतिन प्रसाद, उत्तराखंड की नैनीताल-उधमसिंह नगर से केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट, पश्चिम बंगाल की कूच बिहार सीट से गृहराज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं।

पांच पूर्व मुख्यमंत्रियों का दांव

लोकसभा चुनाव में पांच पूर्व मुख्यमंत्री भी चुनावी मैदान में हैं। इनमें अरुणाचल पश्चिम सीट से से नबाम तुकी, छत्तीसगढ़ की राजनांदगांव से भूपेश बघेल, उत्तराखंड की हरिद्वार से त्रिवेन्द्र सिंह रावत, त्रिपुरा से बिप्लव कुमार देब और बिहार की गया सीट से जीतन राम मांझी भी लोकसभा सांसद बनने की जुगत में चुनाव मैदान में उतरे हैं। वहीं सांसद व पूर्व सांसद, पूर्व नौकरशाह के अलवा कई राज्यों की सरकार में मंत्री और विधायक व पूर्व विधायक भी पहले चरण के लोकसभा में अपनी सियासी किस्मत आजमा रहे हैं।

करोड़पति व दागी भी बने प्रत्याशी

पहले चरण के लोकसभा चुनाव की जंग लड़ रहे 1625 प्रत्याशियों में से 252 प्रत्याशी यानी करीब 16 फीसदी दागी हैं। इसमें से 161 के खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 15 प्रत्याशी अलग-अलग मामलों में दोषी भी ठहराए जा चुके हैं। वहीं पहले चरण में 450 यानी 28 फीसदी प्रत्याशी करोड़पति भी सियासत की जंग में हैं। इनमें सबसे अमीर प्रत्याशी मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ रहे नकुलनाथ हैं।

आमने/सामने

कांकेर में मारे गए नक्सली शहीद सुप्रिया श्रीनेत

कंगना रनौत के खिलाफ आपत्तिजनक बयान देकर पहले से ही आलोचनाओं में घिरी कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत फिर से विवादों में घिर गयी है। उन्होंने कांकेर नक्सली हमले में मारे गये नक्सलियों को शहीद बताया है। ना सिर्फ शहीद बताया, बल्कि उनके प्रति अपनी संवेदना भी जतायी है। उनके इस बयान पर बवाल मच गया है।

कांग्रेस ने बस्तर में इसी मानसिकता से कार्य किया अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने इस बयान पर तीखी आपत्ति जतायी है। उन्होंने कहा, कांग्रेस पार्टी का ये निकृष्ट बयान लोकतंत्र पर प्रहार है। सुरक्षा बलों के मनोबल और उनके पराक्रम पर प्रहार है। छत्तीसगढ़ और बस्तर की जनता पर प्रहार है। नक्सलियों को शहीद मानने वाली कांग्रेस ने 5 साल बस्तर में इसी मानसिकता से कार्य किया है।

कांग्रेस पर टिप्पणी कर बुरे फंसे केसीआर

चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में राजनीतिक दल चुनाव प्रचार करने में अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। पहले चरण की वोटिंग होने में केवल दो ही दिन का समय शेष है। नेता एक- दूसरे पर वार-पलटवार कर रहे हैं। इसी बीच, इलेक्शन कमीशन ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्टी के लिए अपमानजनक टिप्पणी करने पर भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष और तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को नोटिस जारी किया। कांग्रेस नेता जी निरंजन की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए चुनाव आयोग ने कहा कि केसीआर ने 5 अप्रैल को सिरसिला में अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया था। आयोग ने यह भी कहा कि केसीआर को उनके भाषण को लेकर पहले भी कई एडवाइजरी और निर्देश जारी किए गए थे।

त्रिपुरा में रैली

अगरतला। अगरतला, त्रिपुरा में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक रैली के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को अभिनंदन किया गया। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा भी नजर आ रहे हैं।

एनआरसी और यूसीसी किसी भी कीमत पर नहीं होगा लागू

टीएमसी ने अपने घोषणा पत्र में किया वादा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव को लेकर टीएमसी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। घोषणा पत्र में पार्टी ने दो टूक कहा है कि एनआरसी और यूसीसी को लागू नहीं होने देंगे। टीएमसी का कहना है कि अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो एनआरसी प्रक्रिया को रोक दिया जाएगा और यूनिफॉर्म सिविल कोड को भी लागू नहीं होने दिया जाएगा। इसके अलावा ऐलान किया गया है कि साल में बीपीएल परिवारों को मुफ्त में 10 एलपीजी सिलेंडर दिए जाएंगे। ममता बनर्जी की पार्टी ने ये ऐलान भी कर दिया है कि सरकार बनने पर दुआरे राशन स्कीम को राष्ट्रीय स्तर पर लागू कर दिया जाएगा, राशन कार्ड धारक को उसके घर पर ही पांच किलो राशन पहुंचाया जाएगा। 60 साल से ज्यादा उम्र वाले बुजुर्गों को 1000 रुपये महीने की पेंशन देने की भी तैयारी की गई है। इसके साथ-साथ सभी को आवास देने का ऐलान भी हुआ है।

पिछले अरसे से शिलांग में कांग्रेस, तो तुरा सीट पर संगमा परिवार का है कब्जा

सियासी वर्चस्व की चुनावी जंग में एनपीपी और कांग्रेस

लोकसभा चुनाव में पूर्वोत्तर के मेघालय की दो लोकसभा सीटों पर पहले चरण में ही 19 अप्रैल को मतदान कराया जा रहा है। राज्य की शिलांग लोकसभा सीट पर कांग्रेस का वर्चस्व रहा है, जबकि दूसरी तुरा लोकसभा सीट लंबे समय से संगमा परिवार का गढ़ रहा है। इस बार दोनों सीटों पर राज्य के सत्तारूढ़ दल भाजपा के समर्थन से शिलांग सीट पर लगातार तीन बार के सांसद एवं कांग्रेस प्रत्याशी विंसेंट पाला के खिलाफ महिला उम्मीदवार को उतारा है, लेकिन तुरा सीट पर मौजूदा सांसद अगाथा संगमा के सामने भी इस बार तृणमूल कांग्रेस का प्रत्याशी आने से कड़ी चुनौती होगी। मसलन मेघालय में लोकसभा चुनाव के मुकाबले दिलचस्प होने की संभावना है।

ओपी पाल ▶▶| नई दिल्ली

पूर्वोत्तर के राज्य मेघालय की दोनों सीटों पर इस बार बदले सियासी समीकरण की वजह से बहुकोणीय चुनाव की संभावना है। दरअसल राज्य की शिलांग लोकसभा सीट पर पिछले तीन दशक से कांग्रेस के कब्जे में है। भाजपा ने मेघालय की किसी भी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारा है। इसलिए कांग्रेस के खिलाफ चुनावी रणनीति के तहत दोनो सीटों पर सत्तारूढ नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी को समर्थन देने का ऐलान किया है। उसी रणनीति कके तहत शिलांग सीट पर एनपीपी प्रत्याशी के रुप में कॉनराड संगमा सरकार में मंत्री 58 वर्षीय माजेल अम्पारीन लिंगदोह को चुनाव मैदान में उतारा है। एनपीपी को चुनाव में मिल रहे भाजपा के समर्थन से उम्मीद है कि इस बार शिलांग सीट पर भी वह अपना परचम लहराएगी?

खास बातें

- मेघालय की शिलांग लोकसभा सीट पर पहली बार साल 1977 में चुनाव हुए थे। अब तक इस सीट पर 12 लोकसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें आठ बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की

चुनाव मैदान में दस प्रत्याशी

मेघालय में की दो लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव में इस बार 22,26,567 मतदाता अपने सांसदों का चुनाव करेंगे। दो लोकसभा सीटों पर दस उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिनमें प्रमुख रुप से शिलांग लोकसभा सीट से कांग्रेस के मौजूदा सांसद विंसेंट एच पाला, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी (यूडीपी) से रॉबर्टजुन खारजाह्निन और वॉय पार्टी ऑफ इंडिया से रिकी एजे सिंगकोन चुनाव मैदान में हैं। जबकि तुरा लोकसभा सीट पर कांग्रेस के सालेंग ए. संगमा, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) की अगाथा संगमा और अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जेनिथ संगमा चुनाव लड़ रहे हैं।

सीटों का इतिहास

असम से अलग होने के बाद मेघालय की शिलांग लोकसभा सीट पर पहली बार साल 1977 में चुनाव हुए थे। अब तक इस सीट पर 12 लोकसभा चुनाव हुए हैं, जिनमें आठ बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की। जबकि साल 1984 और 1996 में निर्दलयी उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी। इस सीट पर साल 1998 से अब तक लगातार कांग्रेस ही जीतती आ रही है। जबकि तुरा सीट पर लगातार संगमा परिवार का कब्जा रहा है, भले ही वह कसी भी दल से चुनाव लड़ा हो।

नागालैंड: तीन प्रत्याशियों में होगी लोकसभा चुनाव की जंग

लोकसभा चुनाव में 60 सदस्यीय विधानसभा वाले ईसाई बहुल नगालैंड राज्य की एक मात्र लोकसभा सीट पर 19 अप्रैल को होने वाले चुनाव में केवल तीन प्रत्याशियों के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। वैसे भी यहां यहां राष्ट्रीय दलों की तुलना में स्थानीय दलों का ही दबदबा रहता है। पिछला चुनाव भाजपा नेतृत्व वाले गठबंधन से एनडीपीपी के प्रत्याशी तोखेहो येपथोमी ने जीतकर लोकसभा में प्रवेश किया था। इस बार इस सीट पर एनडीपीपी प्रत्याशी के रुप में डॉ चुम्बेन मुरी को चुनाव मैदान में उतारा है, जिसे भाजपा का समर्थन मिल रहा है। जबकि कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष और पूर्व विधायक एस सुपोंगमेरेन जमीर पहली बार संसदीय चुनाव की जंग में हैं। इस सीट पर तीसरे उम्मीदवार के रुप में राज्य के एक सामाजिक कार्यकर्ता, राजनीतिज्ञ और उद्यमी हेइथुंग तुंगो लोथा निर्दलीय रुप से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिन्होंने पिछला चुनाव एनपीपी के टिकट पर लड़ा था। नागालैंड लोकसभा सीट पर कुल 13,08,848 वोटिंग करेंगे।

कांग्रेस पर किया जोरदार हमला

आजाद नहीं लड़ेंगे चुनाव, महबूबा को अनंतनाग में देने वाले थे टक्कर

एजेंसी ▶▶| जम्मू

गुलाम नबी आजाद ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया है, पहले वे अनंतनाग से चुनाव लड़ने वाले थे। महबूबा मुफ्ती के खिलाफ वे ताल ठोक रहे थे। लेकिन अब चुनाव से ठीक पहले आजाद ने चुनाव न लड़ने की घोषणा कर सबको चौंका दिया है। उन्होंने कुछ समय पहले ही अपनी खुद की पार्टी बनाई थी, कांग्रेस से उनका कई दशकों का रिश्ता खत्म हुआ था। वैसे आजाद प्रचार जारी रखने वाले हैं। कुछ दिन पहले ही उनकी तरफ से कांग्रेस पर हमला किया था, जोर देकर कहा था कि कांग्रेस ही बीजेपी को जीतने का मौका दे रही है। उन्होंने रामबन जिले में एक प्रचार कार्यक्रम के दौरान कठुआ रेप के आरोपियों का समर्थन करने वाले चौधरी लाल सिंह को टिकट दिए जाने पर बुधवार को घोर आपत्ति जताते हुए कहा कि ये तो बीजेपी से भी गए गुजरे हैं।

भाजपा से है खुद आजाद की नजदीकी

आजाद पर जयराम रमेश ने पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी से नजदीकियां तो किसी और की दिखती हैं। राज्यसभा में आजाद के आखिरी दिन को याद करे हुए जयराम रमेश ने कहा कि किस तरह से उनके रिटायरमेंट पर ड्रामा हुआ था, किस तरह से बाद में उन्हें प्रद्म भूषण सम्मान दिया गया, किस तरह से वे अभी भी अपने बंगलों में रुके हुए हैं।

लग्जरी कारें, दुबई-लंदन में अपार्टमेंट हैं पल्लवी के पास

भाजपा की महिला उम्मीदवार ने घोषित की 1400 करोड़ की संपत्ति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भाजपा ने दक्षिण गोवा निर्वाचन क्षेत्र से बिजनेसमैन श्रीनिवास डेम्पो की पत्नी पल्लवी डेम्पो को अपना उम्मीदवार बनाया है। पल्लवी ने मंगलवार को अपना नामांकन पत्र दक्षिण गोवा जिला कलेक्टरेट में जमा किया। इस दौरान गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत भी उनके साथ मौजूद रहे। रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष दाखिल किए गए 119 पन्नों के हलफनामे से पता चलता है कि उनके पति श्रीनिवास डेम्पो के साथ उनकी कुल संपत्ति लगभग 1,400 करोड़ रुपये है। डेम्पो ग्रुप का बिजनेस फ्रेंचाइज फुटबॉल लीग से लेकर रियल एस्टेट, जहाज निर्माण, शिक्षा और खनन कारोबार तक फैला हुआ है। पल्लवी के हलफनामे से पता चलता है कि उनके पास 255.4 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है।

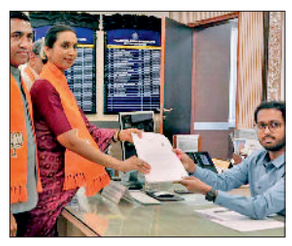

पल्लवी के पास 2.5 करोड़ की 4 गाड़ियां हैं

पल्लवी के हलफनामे के मुताबिक उनके पास अलग-अलग सीरीज की तीन मर्सिडीज बेंज कारें हैं, जिनकी कीमत क्रमशः 1.69 करोड़, 16.42 लाख, 21.73 लाख है। एक कैडिलैक कार है, जिसकी कीमत 30 लाख है। एक महिंद्र थार एसयूवी है जिसकी कीमत 16.26 लाख है। पल्लवी डेम्पो ने अपने एफिडेविट में जानकारी दी है कि उनके पास 5.7 करोड़ रुपये का सोना है। जहां पल्लवी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए 10 करोड़ रुपये का आयकर रिटर्न दाखिल किया, वहीं श्रीनिवास ने उसी वर्ष के लिए 11 करोड़ रुपये का रिटर्न दाखिल किया।

राजनीतिक इतिहास में यहां नहीं गलती राष्ट्रीय दलों की दाल

सिक्किम : लोकसभा सीट पर क्षेत्रीय दलों के बीच सियासी जंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

आम चुनाव में पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम की एक मात्र लोकसभा सीट पर सभी की नजरें टिकीं होंगी, जहां लोकसभा के साथ राज्य की 32 विधानसभा सीटों पर भी 19 अप्रैल को पहले चरण में चुनाव होगा। इस राज्य में भाजपा और कांग्रेस समेत छह राजनैतिक दल भले ही चुनाव की जंग में हैं, लेकिन अपने अस्तिव में आने के बाद सिक्किम लोकसभा सीट पर यहां के क्षेत्रीय दलों का ही वर्चस्व रहा है। इस बार सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की इस लोकसभा सीट पर एक बार फिर अपनी जीत को दोहराने के लिए अग्नि परीक्षा होगी। जबकि संसदीय सीट पर सबसे ज्यादा काबिज रहे सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट के सामने कड़े चुनावी संग्राम में वापसी करने की चुनौती होगी। सबसे खास बात ये है कि एक मात्र लोकसभा सीट पर सभी दल अकेले दम पर सियासी हुंकार भर रहे हैं। अब देखना यह है कि इस बार के चुनाव के नतीजों का ऊंट किस करवट बैठेगा, यह अभी भविष्य के गर्भ में हैं।

सांसद चुनेंगे 4.62 लाख मतदाता

सिक्किम लोकसभा की एक सीट व 32 विधानसभा सीटों पर होने वाले चुनाव में इसबार 4,62,456 मतदाता वोटिंग करेंगें, जिनमें 2,32,117 पुरुष, 2,30,334 महिलाएं और पांच ट्रांसजेंडर मतदाता हैं। इस मतदाता सूची में 3,856 दिव्यांग तथा 1,992 सर्विस मतदाता भी शामिल हैं। पिछले चुनाव की तुलना में इस साल 4,050 (0.88 फीसदी) मतदाताओं के नामों का इजाफा हुआ है।

लोकसभा चुनाव का इतिहास

पूर्वोत्तर की सिक्किम लोकसभा चुनाव के इतिहास पर नजर डालें, तो अस्तित में आए सिक्किम में 1977 में पहली बार हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस और 1980 के दूसरे चुनाव में सिक्किम जनता परिषद ने पलटवार करके क्षेत्रीय दबदबा बनाने की शुरुआत की। हालांकि बाद के दो चुनाव में इस सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी ने भी अपनी ताकत दिखाई। इस सीट पर दो बार सिक्किम संग्राम परिषद ने जीत दर्ज की। इसके बाद इस लोकसभा पर लगातार छह लोकसभा चुनाव में तीन दशक तक सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रंट(एसडीएफ) का कब्जा रहा है। पिछले 2019 के चुनाव में लोकसभा सीट पर पहली बार भाजपा के समर्थन से एसकेएम ने पलटवार करके जीत हासिल की, जिसने इस बार भी मौजूदा सांसद इंद्रा हांग सुब्बा को चुनावी जंग में

विधानसभा चुनाव: महिलाएं दिखाएंगी दम

सिक्किम लोकसभा सीट के साथ 19 अप्रैल को ही सिक्किम की 32 विधानसभा सीटों के लिए भी चुनाव होगा, जिनमें 12 सीट अनुसूचित जनजाति प्रत्याशी के लिए आरक्षित हैं। इन अनुसूचित जनताति में प्रमुख रुप से भूटिया, लेप्चा (शेरपा), लिम्बु, तमांग और अन्य सिक्किमी नेपाली समुदाय जैसी जातीय शामिल है। विधानसभा चुनाव में कुल मतदाताओं में आधे से अधिक 2.31 लाख से ज्यादा महिला मतदाता इस बार वोटिंग करके अहम भूमिका निभाएंगी। फिलहाल विधानसभा में तीन महिला विधायक है। विधानसभा चुनाव में विभिन्न दलों के कुल 132 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं।

बिलासपुर, गुरुवार 18 अप्रैल 2024 चैत्र शुक्ल पक्ष दशमीं, वर्ष : 24, अंक : 25, : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00*** haribhoomi.com

हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

ग्राउंड जीरो पर हरिभूमि-आईएनएच

...हर तरफ खून बांस के स्ट्रेचर

हापाटोला में मौत का मंजर, हर तरफ दहशत | यूनिफॉर्म के टुकड़े और खौफ में डूबा इलाका

1

2

3

हरिभूमि/आईएनएच से सुमित बड़ाई

छोटेबेठिया थाने से 25 से 30 किमी की दूर घने जंगल और पहाड़ों के बीच बसा है हापाटोला का छोटा सा कस्बा। कच्ची पगडंडियों, उबड़-खाबड़ और जानलेवा रास्तों पर हरिभूमि और आईएनएच की टीम आगे बढ़ी। कुछ दूर जाते ही खतरे का अहसास होने लगा। लगा जैसे बीते दिन की वारदात का असर फिजा में घुला हुआ है। सन्नाटा ऐसा कि किसी पेड़ पर बैठे परिंदे की आवाज भी गूंज रही थी। खौफ में डूबी खामोशी ऐसी कि गुजरते वक्त अगर कोई इंसान दिख जाए तो वह दूसरी तरफ दौड़ लगा देता। जो रुके उन्होंने हाथ जोड़ लिए...बोले, हमें कुछ नहीं पता, हम कुछ नहीं कहना चाहते। हापाटोला के रास्ते कुछ ऐसे लोग मिले जिन्होंने हमें चेतावनी जरूर दी। बोले-आप भी मत जाइए। जान खतरे में मत डालिए। हमने केवल घटनास्थल के बारे में पूछा-सबने हाथ जोड़ लिए। किसी ने रास्ता नहीं बताया। लेकिन हम पहुंच गए। सामने खौफनाक मंजर नजर आया। चारों तरफ खून के धब्बे जो मिट्टी में सनकर सूख चुके थे। नक्सलियों की वर्दियों के टुकड़े। गोलियों के निशान, जिनका निशाना बनकर 29 दुनिया से विदा हो गए। एनकाउंटर के बाद घायल जवानों और मरे हुए नक्सलियों के शवों को ढोने के लिए बनाए गए बांस के स्ट्रेचर। यह सब मंगलवार की घटना की गवाही दे रहे थे। बता रहे थे कि कितना खौफनाक मंजर रहा होगा।

नक्सलियों के लाल निशान

नक्सलियों के लाल गढ़ में हमें कलपार गांव के पास नक्सली स्मारक नजर आया। नक्सलियों के स्वागत के लिए बनाए गए स्वागत द्वार दिखे। यह सब सबूत हैं इस बात के कि इलाके में पूरी तरह नक्सलियों का ही राज चलता रहा है। उनके बिना यहां पत्ता नहीं हिलता था क्योंकि हमें सरकारी योजना नजर नहीं आई।

सबसे बड़े अटैक में मारे गए नक्सलियों में ज्यादातर हार्डकोर

मुठभेड़ स्थल पर बिखरे मिले संघर्ष के सबूत

देश में पहली बार एक ही बड़े अटैक में 29 नक्सलियों को मार गिराने वाले जवानों के हौसले बुलंद हैं। बस्तर, रायपुर से लेकर दिल्ली तक इस मुठभेड़ की गूंज रही। इधर, पुलिस फोर्स ने घटनास्थल पर बिखरे पड़े भीषण मुठभेड़ के सबूतों को समेटा। यहां से नक्सलियों के 22 हथियार बरामद हुए हैं। इनमें बंदूक, रायफल के साथ बम और लांचर भी शामिल हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ की जानकारी ली है। उन्होंने कहा, यह निर्णायक मोड़ और लड़ाई है। उन्होंने हौसलेमंद जवानों की सराहना की।

विजय पाण्डेय ▶▶| कांकेर

हरिभूमि लाइव

छोटेबेटिया थाना क्षेत्रांतर्गत बिनागुंडा एवं कोरोनार के मध्य हापाटोला के जंगल में हुई मुठभेड़ में 29 नक्सलियों के मारे जाने के उपरांत से पुलिस उनकी पहचान और पीएम करवाने के लिए दूसरे दिन दिनभर डटी रही। दिनभर कांकेर जिला मुख्यालय में हलचल रही। जिला अस्पताल में कलेक्टर, एसडीएम, सीएमएचओ के अलावा पुलिस के आला अफसर मौजूद रहे। एनकाउंटर में जिला पुलिस बल के डीआरजी व बस्तर फाईटर्स के अधिकारी सहित लगभग पौने दो से जवान और बीएसएफ की 20 की टुकड़ियां 15 अप्रैल की रात को निकली थी। बस्तर आईजी सुदंरराज पी, डीआईजी केएल ध्रुव, बीएसएफ डीआईजी व्हीएम लामा, 94 बटालियन के कमांडेट राघवेंद्र सिंह व सहायक कमांडेट मनोज कसाना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण एलीसेला ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि यह बड़ी मुठभेड़ रही और बीएसएफ व जिला पुलिस बल की संयुक्त आपरेशन से यह सफलता मिली है। नक्सलियों का टीसीओसी कार्यक्रम चल रहा है और हमारा भी आपरेशन चल रहा है। टीसीओसी के दौरान नक्सलियों का इतना नुकसान नक्सल इतिहास में पहली बार देखने को मिला है। नक्सलियों के 22 हथियार फोर्स को मिले, ▶▶|शेष पेज 5 पर

ये हथियार बरामद

नक्सलियों के 22 हथियार फोर्स को मिले, जिसमें एक नग एके 47, एक नग कबाईन, एक नग एसएलआर, दो नग इंसास, तीन नग थ्री नाट थ्री तीन, 10 नग 12 बोर की बंदूक, दो यूबीजीएल बंदूक, दो 9 एमएम पिस्टल, 6 यूबीजीएल जिसमें 04 जिंदा और 2 खोखे, कारतूस, एक नग कुकर बम, वर्दी, नक्सली साहित्य, सोलर प्लेट व खाने की सामग्री फोर्स के हाथ लगी।

शाह ने कहा- नक्सलियों का कर देंगे सफाया

बड़ा दावा

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार बहुत कम समय में देश से नक्सलियों का पूरी तरह से सफाया कर देगी। केंद्र सरकार आतंकवाद और नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है।

एक दिन में 14 का हो पाया पीएम

पीएम के पहले कलेक्टर अभिजीत सिंह व प्रशासन की टीम जिला अस्पताल के मरचुरी सुबह लगभग 8 बजे पहुँच गई थी और शव का निरीक्षण करने के उपरांत सभी शव का एक्सरें करवाने के बाद ही पीएम करवाने के लिए कहा। सभी शव का एक्सरे और पंचनामा करवाया गया। चिकित्सकों ने बताया कि 17 अप्रैल को अंधेरा होने के पहले केवल 14 शव का ही पीएम हो सका वहीं 18 अप्रैल को 15 शव का पीएम किया जाएगा।

जिस टीम ने एनकाउंटर किया उनके लीडर की जुबानी ...

रामेश्वर देशमुख | लक्ष्मण केवट

डीआरजी व बस्तर फाईटर्स टीम का नेतृत्व पखांजुर थाना के प्रभारी लक्ष्मण केंवट और बांदे थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख ने किया। बांदे थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख ने बताया कि सवा 12 बजे पहली गोली नक्सलियों ने चलाई और हम लोग पहाड़ की ओर चढ़ रहे थे। पहली गोली चलते ही हम लोगो ने जवाबी फायरिंग करते हुए पूरी टीम तीन दिशा में बंट गई। एक टीम का नेतृत्व मैं कर रहा था, दूसरी टीम का नेतृत्व लक्ष्मण केवट कर रहे थे, वहीं तीसरी टीम का नेतृत्व बीएसएफ के इंस्पेक्टर रमेश चंद्र चौधरी कर रहे थे। बिनागुंडा तरफ बीएसएफ की टीम थी, उसके बाजू से मै और कलपर की तरफ की कमान लक्ष्मण केंवट और सब इंस्पेक्टर रामचंद्र साहू ने संभाल रखा था। बिनागुंडा तरफ ही बीएसएफ की एक टुकड़ी थी, इसी ओर से नक्सली भागते हुए गोली चला रहे थे और बीएसफ के इंस्पेक्टर के पैर में गोली लगी, बीएसएफ के इंस्पेक्टर से बांदे थाना प्रभारी ने ने पूछा और कहा कि पीछे हो जाओं मैं कवर कर रहा हूँ, बोला ठीक है, पैर में गोली लगी है, उसके बार रामेश्वर और उसकी टीम ने अधाधुंध फायरिग किया, जिसमें मात्र 20 मीटर की दूरी पर कई नक्सलियों के शव ढेर हो गए और मेरी टीम लगातार आगे बढ़ती रही वहीं कलपर की ओर की टीम का नेतृव्त कर रहे लक्ष्मण केवट ने बताया इस ओर भागे नक्सलियो को हमारी टीम ने ढेर कर दिया। नक्सलियों से लगभग दो घंटे इनकाउंटर चला। उसके बाद सर्चिंग किया गया, सर्चिंग में नक्सलियों के 29 शव मिले और उसके बाद नक्सलियों के हथियार और सामग्री को बांधकर नीचे लाया गया।

5 किमी चैली में शव को कंधे में लादकर चले

डीआरजी व बीएसएफ के जवान नक्सलियों के शव को कंधो पर लादकर बिनागुडा व कलपर के दुर्गम पहाड़ से उतरकर लगभग 5 किमी. पैदल चले, उसके बाद पिकप वाहन से पखांजुर नक्सलियों के शव व नक्सली सामग्री को लाया गया। पाँच किमी. तक जवान चलकर चलकर बेचाघाट पहुँचे।

J D AUTONATION
Bilaspur: 7506078683, Mungeli: 8291144372,
Naila-janjgir: 9152102428, Sakti : 9167996597

SUNIL VEHICLES
Ambikapur: 7506018649, Baikunthpur: 8291141905, Balrampur: 8291142365,
Manendragarh: 9152102382, Surajpur: 8291146228, Pathalgaon: 8879179653

SS CARS
Raigarh: 9167986720, Sarangarh: 8291607236
Kharsiya: 9167986720, Jashpur: 8879184298

SHIVAM AUTOMOTIVE
Korba: 7506018714
Katghora: 8291176388

17- APR- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 4/17/2024 10:00 PM Page 1

चिंतन

प्रलय को आमंत्रित करना है प्रकृति से छेड़छाड़

लगातार बढ़ रही आबादी और आधुनिक जीवनशैली ने इंसान की जरूरतों में बेतहाशा वृद्धि कर दी है। इन्हीं जरूरतों को पूरा करने के लिए मानव प्रकृति से न केवल छेड़छाड़ कर रहा है, बल्कि उसे तहस नहस करने पर आमादा है। अपनी महत्वाकांक्षा में मानव इतना मगन हो गया है कि उसने प्रकृति की परवाह करना ही छोड़ दिया है। वनों का निरंतर काटा जाना और कंक्रीट के जंगलों का विस्तार, पहाड़ों का सीना चीरना हो या फिर रेगिस्तान में महल बनाना इसी के सबूत हैं। वन भूमि के कटाव को रोकते हैं और बाढ़ की संभावना को कम करते हैं। अब समय-असमय अनेक नदियों में बाढ़ आती है, इसका कारण यही है कि हमने अपने वनों को नष्ट कर दिया है तो नदियों का पानी भी अनियंत्रित हो गया है। ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पूरे विश्व के लिए काल बनी हुई है। इसका कारण भी मनुष्य द्वारा बनाए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों द्वारा उत्सर्जित हानिकारक गैसे हैं, जो वायुमंडल में एकत्रित होकर वायुमंडल के ताप को बढ़ा देती हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर निरंतर पिघलते जा रहे हैं। पहाड़ छोटे होते जा रहे हैं। शहरों में हरियाली कम होती जा रही है। वायुमंडल अस्वच्छ हो रहा है। समुद्र में असमय तूफान आ रहे हैं। इसका कारण भी यही है कि समुद्री जीव भी निरंतर कम होते जा रहे हैं, जो समुद्र के पर्यावरण को संतुलित करके रखते हैं। मनुष्य अपनी महत्वाकांक्षा में उन जीवों का या तो शिकार कर रहा है या फिर मनुष्य द्वारा किए गए कार्यों द्वारा उन जीवों को नुकसान पहुंच रहा है, इसलिए मनुष्य द्वारा प्रकृति से छेड़छाड़ के कारण प्राकृतिक आपदाएं हो रही है। प्रकृति से खिलवाड़ में एक नया शब्द जुड़ा है, क्लाउड सीडिंग। क्लाउड सीडिंग मौसम संशोधन तकनीक है, जो कुछ प्रकार के सबफ्रीज़िंग बादलों में छोटे बर्फ के नाभिकों को शामिल करके बारिश या बर्फ पैदा करने की बादल की क्षमता में सुधार करती है। ये नाभिक बर्फ के टुकड़े बनने के लिए आधार प्रदान करते हैं। क्लाउड सीडिंग होने के बाद, नवगठित बर्फ के टुकड़े तेजी से बढ़ते हैं और बादलों से वापस पृथ्वी की सतह पर गिरते हैं, जिससे स्नोपैक और स्ट्रीमफ्लो बढ़ जाता है और बरसात हो जाती है। कुछ सालों में रेगिस्तान वाले इलाकों में इस तकनीक से बरसात करवाई जा रही है। संयुक्त अरब अमीरात पृथ्वी पर सबसे गर्म और शुष्क क्षेत्रों में से एक में स्थित है। यह देश बारिश को बढ़ाने के लिए क्लाउड सीडिंग तकनीक का उपयोग करने में आगे है। इस तकनीक का मुख्य उद्देश्य बढ़ती आबादी और अर्थव्यवस्था की पानी की मांग को पूरा करना है, जो पर्यटन और अन्य क्षेत्रों में विविधता ला रही है। यूएई ने 2002 में अपना क्लाउड सीडिंग ऑपरेशन शुरू किया। इसमें खास अवधि के दौरान बादलों की संरचना पर ध्यान केंद्रित किया गया, जब इनमें अतिरिक्त वर्षा की संभावना सबसे अधिक होती है। हाल ही में सीडिंग के लिए विमानों को अल-एन हवाई अड्डे से भेजा गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि संयुक्त अरब अमीरात और उसके आस-पास के रेगिस्तानी इलाकों में मंगलवार को हुई भारी बारिश ने भयावह स्थिति बना दी। दुनिया के सबसे स्मार्ट शहरों में शुमार दुबई में हर तरफ पानी ही पानी नजर आने लगा। हालत यह हुई कि दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट को बंद करना पड़ गया। शहर के हाईवे पर गाड़ियां पानी में फंस गईं और शॉपिंग माल से लेकर मेट्रो स्टेशन तक पानी घुस गया। यूएई से पहले ओमान के अधिकारियों ने बाढ़ की चेतावनी दी थी और बताया था कि देश में पिछले 75 साल में सबसे ज्यादा बारिश हुई है। हालात ऐसे हो गए कि आसपास के देश भी बाढ़ की चपेट में आ गए। मौसम वैज्ञानिक इसे प्रकृति से ऐसी छेड़छाड़ को धरती के लिए विनाशकारी बता रहे हैं। अभी भी हालात बिगड़े नहीं हैं, लेकिन अगर यूं ही चलता रहा तो हमें प्रलय के लिए तैयार रहना होगा।

नारे जिन्होंने बदल दिया सियासत का भूगोल

विचार
डॉ. संजय शुक्ला

इन दिनों देश में आम चुनाव की सरगर्मियां तेज है तथा सड़कों से लेकर सोशल मीडिया में विभिन्न राजनीतिक दलों के चुनावी नारों का शोर है। देश में चाहे चुनाव हो या कोई आंदोलन सभी में नारों की भूमिका अहम मानी जाती है। जनमानस में नारों का व्यापक असर आजादी के संघर्ष से लेकर स्वातंत्र्योत्तर भारत के चुनावी राजनीति में रहा है। मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक नारे वन लाइनर पंचलाइन होते हैं जो मस्तिष्क पर गहरा असर डालते हैं जो लोगों को काफी समय तक याद रहते हैं। वहीं नारे धर्म, जाति और क्षेत्र के नाम पर बंटे हुए लोगों को एकसाथ लाने का कारगर जरिया भी है। नारों के इतिहास पर गौर करें तो देश के आजादी आंदोलन में महात्मा गांधी से लेकर पहली पंक्ति के नेताओं ने जनता को इस आंदोलन से जोड़ने के लिए अनेक नारे दिए जो आज भी इतिहास में अमिट हैं। इस आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान 'करो या मरो' का नारा दिया तो पं. जवाहरलाल नेहरू ने 31 दिसंबर 1929 को कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' और ' आराम हराम है ' का उद्घोष किया। इसी आंदोलन में शहीद भगतसिंह ने ' इंकलाब जिंदाबाद ' का आवाज बुलंद किया तो नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 'जय हिंद' और ' तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा ' नारे ने लाखों देशवासियों में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष का जज्बा भर दिया। इसी संघर्ष के दौर में बाल गंगाधर तिलक ने 'स्वराज मेरा जन्म सिद्ध अधिकार इसे मैं लेकर रहूंगा' का प्रण कर देशवासियों के मन में आजादी के प्रति प्रतिज्ञा का भाव जागृत कर दिया। अमर स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय ने 1928 में ब्रिटिश हुकूमत के साइमन कमीशन के खिलाफ मुंबई में 'साइमन गो बैक' का ऐलान कर सेनानियों में जोश भर दिया।

देश की आजादी के बाद राजनीतिक दलों के लिए नारे चुनावी वैतरणी पार करने का सशक्त माध्यम बन गया। देश के चुनावी राजनीति पर नजर डालें तो कोई भी चुनाव बगैर नारों के संपन्न नहीं हुआ बल्कि वर्तमान सोशल मीडिया के दौर में नारों को और भी ज्यादा विस्तार मिला है। मुल्क के सियासी इतिहास पर गौर करें तो कुछ नारों का जूनून लोगों के सर पर चढ़कर इतना बोला कि इसके चलते जनता ने सत्ता और नेता दोनों बदल दिया। पचास के दशक में पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू ने 'हिंदी-चीनी भाई-भाई ' का नारा दिया जो भारत के लिए विश्वासघाती साबित हुआ। साल 1952 के चुनाव में कांग्रेस ने'खरो रुपयो चांदी को, राज महात्मा गांधी को ' नारा दिया तो कम्युनिस्ट पार्टी ने ' देश की जनता भूखी है, यह आजादी झूठी है ' नारा दिया था। साल 1965 में भारत -पाक युद्ध के दौरान जब देश में खाद्यान्न की कमी हो गई तब पूर्व प्रधानमंत्री स्व लालबहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का आव्हान किया जिसने न केवल देश का मनोबल बढ़ाया बल्कि अगले चुनाव में कांग्रेस को जीत भी दिलाया। साल 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने इसी में शब्द जोड़ते हुए ' जय जवान,जय किसान,जय विज्ञान ' नारा दिया। साठ के दशक में प्रसिद्ध गांधीवादी और समाजवादी नेता डॉ. राममनोहर लोहिया ने नारा दिया ' समाजवादियों ने बांधी गांठ, पिछड़े पावे सौ में साठ ' इस नारे की प्रतिध्वनि आज इक्कीसवीं सदी में सुनाई पड़ रही है जब कांग्रेस सहित तमाम विपक्ष जातिगत जनगणना की मांग कर पिछड़ों की सियासत को आगे बढ़ा रहे हैं। 1971 के आम चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी ने 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया जिसने उस चुनाव में कांग्रेस पार्टी को 352 सीटों के साथ भारी जीत दिलाया। इसी कार्यकाल में सर्वोदय नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के खिलाफ 'संपूर्ण क्रांति ' का आगाज हुआ जिसकी परिणति 1975 के आपातकाल के रूप में हुई। इस क्रांति की ही उपज 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' जैसे नारे रहे हैं। जेपी आंदोलन के बाद देश में अनेक गैर राजनीतिक जन आंदोलन हुए जिसे नारों ने ही जन-जन तक पहुंचाया था। लोकपाल विधेयक की मांग को लेकर 2011 में अन्ना हजारे के अगुवाई में हुए आंदोलन को 'मैं भी अन्ना, तू भी अन्ना...' , और 'अन्ना नहीं आंधी है, देश का दूसरा गांधी है ' जैसे नारों के लिए याद किया जाएगा। इस आंदोलन के बाद 2012 में दिल्ली में निर्भया के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म और निर्ममता के विरोध में हुए 'निर्भया आंदोलन ' की आवाज को ' निर्भया अमर रहे....' और भारत माता की जय जैसे नारों ने सात समंदर पार पहुंचा दिया। गौरतलब है कि उक्त दोनों आंदोलनों ने तब के सत्ता की चूलें हिला दी।

अब सियासी नारों की ओर लौटें तो आपातकाल के दौरान ही कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष देवकांत बरुआ ने 'इंडिया इज इंदिरा, इंदिरा इज इंडिया ' नारा देकर नारों को व्यक्तिवादी बना दिया जो सिलसिला आज भी जारी है। इमरजेंसी के बाद जेपी की अगुवाई में 'जनता मोर्चा' का गठन हुआ जिसने 1977 के आम चुनाव में 'इंदिरा हटाओ, देश बचाओ' का नारा बुलंद कर पहली बार दिल्ली की सत्ता से कांग्रेस को रुखसत कर दिया। इसी दौर में 'सिंहासन खाली करो कि जनता आती है' और 'अंधकार में एक प्रकाश, देश का नेता जयप्रकाश ' जैसे नारों को जनता ने हाथों - हाथ लिया।

कांग्रेस ने इस चुनाव में ' जब तक सूरज चांद रहेगा इंदिरा तेरा नाम रहेगा ' तथा इंदिरा गांधी के भुवनेश्वर में दिए गए अंतिम भाषण ' मैं जीवित रहूं या न रहूं, मेरे खून का एक- एक कतरा इस देश के लिए अर्पित है' को ही इलेक्शन कैंपेन के मुख्य धुरी में रखा। इस चुनाव में कांग्रेस को अभूतपूर्व विजय मिली लेकिन अगले चुनाव के ठीक पहले पार्टी के वरिष्ठ नेता वीपी सिंह ने राजीव सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कांग्रेस छोड़ दिया। पार्टी छोड़ने के बाद पूरे देश में वीपी सिंह का स्वागत ' राजा नहीं फकीर है, देश की तकदीर है ' के नारे से किया गया। इस नारे ने 1989 के आम चुनाव में कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर दिया लेकिन वीपी सिंह की अगुवाई वाली सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई और अपनों के ही बोझ तले गिर गई। अलबत्ता इस दौर में ही बाद देश में मंडल और कमंडल की राजनीति का उदय हुआ लेकिन 1991 के मध्यावधि चुनाव में दोनों मुद्दे कुछ खास नहीं कर पाई और कांग्रेस की एक बार फिर वापसी हुई। इस चुनाव अभियान के दौरान ही एक आत्मघाती हमले में भारत ने इक्कीसवीं सदी के स्वप्नदृष्टा राजीव गांधी को खो दिया। इसके बाद कांग्रेस ने 'राजीव तेरा ये बलिदान, याद रखेगा हिंदुस्तान' दिया।

इस चुनाव के बाद देश की सियासत मंदिर और मस्जिद की दिशा में मुड़ गई और फिजां में 'जय श्रीराम', 'सौगंध राम की खाते हैं मंदिर वहीं बनाएंगे' और 'बच्चा-बच्चा राम का, रामजन्म भूमि के काम का' जैसे नारों ने धार्मिक वोटों के ध्रुवीकरण को बढ़ा दिया। 1996 के आमचुनाव में 'सबको देखा बारी-बारी, अबकी बार अटल बिहारी' नारे का भी आगाज हुआ। 2004 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने ' इंडिया शाइनिंग ' नारा दिया लेकिन यह फ्लॉप साबित हुआ और भाजपा के हाथ से सत्ता छीन गई। 2014 के आम चुनाव आते-आते चुनावों में सोशल मीडिया की भूमिका निर्णायक बन चुकी थी। भाजपा ने अपने प्रधानमंत्री प्रत्याशी नरेंद्र मोदी को बढ़त दिलाने के लिए इस मीडिया का भरपूर इस्तेमाल किया।आम चुनाव में भाजपा के 'अच्छे दिन आएंगे', 'बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार' जैसे नारे मतदाताओं के सर चढ़कर बोला तो कांग्रेस ने इसके मुकाबले में ' हर हाथ शक्ति,हर हाथ तरक्की' और 'कट्टर सोच नहीं, युवा जोश ' जैसे नारों को आगे बढ़ाया। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव के ठीक पहले सोशल मीडिया में 'मैं भी चौकीदार ' अभियान को आगे बढ़ाया तो चुनाव में ' मोदी है तो मुमकिन है ' और 'अबकी बार फिर मोदी सरकार ' पंचलाइन को चुनावी हथियार बनाया। कांग्रेस के 'चौकीदार ही चोर है', ' मोदी हटाओ, देश बचाओ ' और 'अब होगा न्याय ' जैसे नारे लोगों का भरोसा जीतने में नाकाम रही और मोदी सरकार फिर सत्ता में लौटी। साल 2019 में छत्तीसगढ़ के विधानसभा चुनाव में भूपेश बघेल की अगुवाई वाली कांग्रेस ने 'परिवर्तन' नरवा,गरवा,घुरूवा अऊ बारी, ऐला बचाना हे संगवारी ' और ' गढ़बो नवा छत्तीसगढ़ ' जैसे नारों ने राज्य के पंद्रह साल पुरानी भाजपा सरकार को सत्ता से रुखसत कर दिया। राज्य की राजनीति ने एक बार फिर से करवट ली और 2023 के विधानसभा चुनाव में पीएम मोदी के दिए 'बदलबो-बदलबो ऐ दारी कांग्रेस के सरकार ल बदलबो' नारे ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर भाजपा के हाथों राज्य की कमान सौंप दी। इस आम चुनाव में भाजपा ने ' तीसरी बार मोदी सरकार, अबकी बार चार सौ पार' जैसे नारे दिए हैं तो कांग्रेस ने ' हाथ बदलेगा हालात ....' का नारा देकर मोदी की गारंटी पर सवालिया निशान लगाने की कोशिश की है। अब देखना यह होगा कि देश के 97 करोड़ मतदाता आखिरकार किस नारे पर ऐतबार करते हैं ? अलबत्ता नारे महज चंद शब्द ही नहीं होते हैं बल्कि इन शब्दों में राजनीतिक भूगोल बदलने की भी ताकत होती है लिहाजा हर चुनाव में नारों का जोर और शोर रहेगा।

करेंगे दान तो बनेंगे समृद्ध और खुशहाल!

संकलित
दर्शन

एक विवेकशील प्राणी होने के नाते मनुष्य से त्याग की अपेक्षा स्वाभाविक है। वास्तव में मानव का पूर्ण विकास ही त्याग द्वारा संभव है। जो दूसरे के लिए जितना अधिक त्याग कर सकता है, वह उतना ही महान समझा जाता है।राजा हरिश्चंद्र को हम आज भी उनके त्याग के लिए ही तो स्मरण करते हैं। महर्षि दधीचि ने तो एक विराट लक्ष्य के लिए अपनी देह का ही त्याग कर दिया था। वास्तव में हमारे समृद्ध इतिहास में कई विभूतियां तो केवल अपनी त्याग भावना के लिए ही विख्यात हुई हैं। त्याग की भावना का विकास करने के लिए सभी धर्मों में दान की महिमा बताई गई है। कहा जाता है धन का दान करने से धन शुद्ध होता है। आवश्यक नहीं है कि मात्र धनी व्यक्ति ही दान करने में सक्षम हैं, क्योंकि उनके पास किसी वस्तु का अभाव नहीं है। दान की भावना जाग्रत होने पर आप पाएंगे कि आपके पास भी एक अक्षय भंडार है। मात्र धनदान या अन्नदान ही दान नहीं है। हो सकता है कोई व्यक्ति धनहीन हो, परंतु उसके पास एक स्वस्थ एवं निरोग शरीर हो। क्या ऐसे लोगों के लिए श्रमदान विकल्प नहीं है? उनके आसपास कितने अशक्त लोग मिल जाएंगे, जिनकी वे अपनी शारीरिक ऊर्जा से सेवा कर सकते हैं। किसी के कार्य में हाथ बंटा लेना भी श्रमदान है। विद्यादान या ज्ञानदान को तो उत्तम में सवरेत्तम माना गया है। किसी निर्धन बच्चे को निःशुल्क पढ़ा देना भी तो दान ही है। आप किसी भी प्रकार से अभावग्रस्त की सहायता कर सकते हैं, शरीर, मन, बुद्धि, धन और भाव सब उपकरण हैं।

अनुकरण अच्छा, अंधानुकरण नहीं

संकलित
प्रेरणा

एक गाँव में दो युवक रहते थे। दोनों में बड़ी मैत्री थी। जहाँ जाते साथ-साथ जाते। एक बार दोनों एक धनी व्यक्ति के साथ उसकी ससुराल गए। किसी धनी व्यक्ति के साथ रहने का यह पहला अवसर था, सो वे अपने धनी मित्र की प्रत्येक गतिविधि ध्यान से देखते रहे। गरमियों के दिन थे। रात में उक्त युवक के लिए शयन की व्यवस्था खुले स्थान पर की गई। पर्याप्त शीतलता बनी रहे इसके लिए वहाँ चारों तरफ जल छिड़का गया और रात को ओढ़ने के लिए बहुत ही हलकी मखमली चादर दी गई। अन्य दोनों युवकों ने इतना ही जाना कि इस तरह का रहन-सहन बड़प्पन की बात है। कुछ दिन बाद उन्हें भी अपनी-अपनी ससुराल जाने का अवसर मिला पर वे दिन गरमी के न होकर शीत के थे। नकल तो नकल ही है। दोनों ने अपना बड़प्पन जताने के लिए बिस्तर खुले आकाश के नीचे लगवाया, लोगों के लाख मना करने पर भी उन्होंने बिस्तर के आस-पास पानी भी छिड़कवाया और ओढ़ने के लिए कुल एक-एक चादर वह भी हलकी ली। रात को पाला पड़ गया सो दोनों को निमोनियाँ हो गया । चिकित्सा कराई गई तब कठिनाई से जान बची। इतनी कथा सुनाने के बाद गुरुजी ने शिष्य को समझाया–' तात ! उचित और अनुचित का विचार किए बिना जो औरों का अनुकरण करता है वह मूर्ख ऐसे ही संकट में पड़ता है जैसे वह दोनों युवक।' !

सुखद
रविशंकर

अर्थव्यवस्था को अच्छे मानसून से मिलेगी गति

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस साल भारत में 'सामान्य से ज्यादा' मानसून रहने की संभावना जताई है। अल नीना प्रभाव के चलते इस साल देश में मानसून अच्छा रहेगा। अगस्त-सितंबर में अच्छी बारिश होने का अनुमान है। दरअसल अर्थशास्त्री और नीति निर्माता भी मानसून का बेसब्री से इंतजार करते हैं और कामना करते हैं कि देश की अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए अच्छी बारिश हो। मौसम विभाग की भविष्यवाणी यदि सही होती है तो ये देश की अर्थव्यवस्था से लेकर खेती-किसानी के लिए रामबाण हो सकती है। कहा जा रहा है कि मानसून सामान्य रहा तो फसलों की पैदावार अच्छी होगी जो महंगाई को नीचे लाने का काम करेगी। इससे ग्रामीण मांग में भी सुधार आएगा जो अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने में मदद करेगी। अच्छी बारिश का असर खरीफ फसलों के उत्पादन पर पड़ता है, जिससे कुछ खास खाद्य पदार्थों के दाम घट सकते हैं। चावल, बाजरा, रागी, अरहर, मूंगफली, कपास, मक्का, सोयाबीन आदि खरीफ फसलें हैं और इनका उत्पादन अधिकतर अच्छे मानसून पर निर्भर करता है। एक अनुमान के मुताबिक मानसून पर 2 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था निर्भर करती है और कम से कम 50 प्रतिशत कृषि को पानी वर्षा के जरिए ही हासिल होता है। लगभग 800 मिलियन लोग गांवों में निवास करते हैं और वे कृषि पर ही निर्भर हैं, जो कि भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 14 है। अगर मानसून असफल रहता है तो देश के विकास और अर्थव्यवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। सामान्य से ऊपर मानसून रहने पर कृषि उत्पादन और किसानों की आय दोनों में बढ़ोतरी होती है, जिससे ग्रामीण बाज़ारों में उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलता है। अच्छी बारिश से उद्योग जगत में भी बहार आती है। खेत से लेकर खाने की टेबल तक एक बड़ी चेन जुड़ी होती है। ऐसे में कमजोर मानसून पूरी वैल्यू चेन को बिगाड़ सकता है। जब वर्ष 2024 में एक अच्छा मानसून संभावित है, तब सरकार को, किसानों को मुस्कराहट देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभप्रद बनाने के लिए रणनीतिक कदम आगे बढ़ाना चाहिए। माना जा रहा है कि चार महीने की मानसूनी बारिश अर्थव्यवस्था के लिए मरहम साबित हो सकती है। देश की आधे से ज्यादा फसलें इसी मानसूनी बारिश से लहलहाती हैं। फसलों की पैदावार से खाने-पीने की चीजों के दाम तय होते हैं। पैदावार बढ़िया रही तो खाद्य पदार्थों की कीमतें कम रहेंगी। इससे आम आदमी को राहत मिलेगी। मानसूनी बारिश से खरीफ फसलों को लाभ होता है। साथ ही रबी सीजन यानी सर्दियों में बोई जाने वाली फसलों के लिए भी मिट्टी को नमी मिल जाती है। बढ़िया बारिश से देश के जलाशयों में पानी भरता है, जिससे किसानों को खेती के लिए पानी मिल पाता है इतना ही नहीं आरबीआई ब्याज दरें तय करते समय मानसून के प्रदर्शन, खाद्य उत्पादन और महंगाई दर पर ध्यान देता है, इसलिए अच्छे मानसून से ब्याज दरों में भी गिरावट आती है और कर्ज सस्ता होता है। अच्छे मानसून से किसानों की फसल अच्छी होने से क्रयशक्ति बढ़ेगी और उनके बाजारों की तरफ जाने वाले कदम बाजारों की चमक बढ़ाएंगे। वर्तमान समय मे अगर बात करे तो देश के किसानों को खेती करना काफी महंगा पड़ रहा है। बीज, खाद और डीजल के दामों मे तेजी के बाद किसानों के लिए खेती करना बड़ा मुश्किल कर दिया है। किसानों का मानना है कि अब खेती से लागत भी निकलना असंभव सा हो रहा है। ऐसे में खराब मानसून से हालात और जटिल हो सकते हैं। कम पैदावार से अनाज, फल-सब्जी और दूध जैसी रोजमर्रा के इस्तेमाल की चीजों के दाम और बढ़ सकते हैं। लेकिन अच्छे मानसून के कारण जलाशय लबालब भर जाते हैं जो हाइड्रोपावर तथा सिंचाई के लिए अहम हैं। साफ है, जिस तरह मानसून देश की अर्थव्यवस्था के लिए बेहद अहम है उसी तरह कॉरपोरेट कंपनियों से लेकर आम कंज्यूमर तक हर किसी की पर्सनल इनकम और सेविंग्स पर भी इसका गहरा असर पड़ता है। यकीनन देश कीअर्थव्यवस्थाके साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक सुकून भरा परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। मॉनसून तो रूरल इकॉनोमी की रीढ़ ही है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अंतर्मन

आज की पाती

भगवान राम जी के आदर्श अपनाएं

हम भगवान श्री राम जी का जन्मदिन राम नवमी के रूप में मनाते हैं। जब-जब भी सृष्टि पर पाप बढ़ा है, असुरों के अत्याचार से प्राणी जाति संकट में आई है और सत्य, इनसानियत का पतन होने लगा है, तब-तब भगवान धरती पर किसी न किसी रूप में आए हैं। कभी राम बनके, तो कभी कृष्ण के रूप में। भगवान श्री राम जी ने सृष्टि को रावण के जुल्मों और अत्याचारों से मुक्त करवाया था तो भगवान श्री कृष्ण जी ने कंस के अहंकारवश किए जा रहे गलत कामों से। जब धरती पर रावण के अत्याचार बढ़ने लगे, रावण साधु-संतों को परेशान करने लगा, तब भगवान विष्णु जी ने चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र में भगवान राम जी के रूप में अवतार लिया था। राम नवमी का उत्सव हमें भगवान राम जी के आदर्श अपनाने की प्रेरणा देता है।

– संजय शर्मा, बिलासपुर

ट्रेंड

पीछे नहीं हटूंगा

सूडान के भविष्य के लिए सभी सूडानी लोगों के योगदान, भागीदारी और दूरदर्शिता की आवश्यकता है। मैं बंदूकों को शांत करने और शांतिपूर्ण और सुरक्षित भविष्य के लिए सूडानी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के अपने आह्वान में पीछे नहीं हटूंगा।

-एंटोनियो गुतरेस, यूएन महासचिव

एक और मिशन पूरा

डब्ल्यूएचओ और साझेदारों ने उत्तरी गाजा के लिए एक और मिशन पूरा किया। अपनी वर्तमान क्षमता का आकलन करने के लिए फिलिस्तीनी मेडिकल रिलीफ सोसाइटी मेडिकल व्हाइट, अल-शिफा अस्पताल और इंडोनेशियाई अस्पताल पहुंचे।

-डॉ टेड्रोस, डब्ल्यूएचओ महानिदेशक

शक्ति को व्यर्थ न जाने दें

18 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक नागरिक को इस मौलिक अधिकार और जिम्मेदारी का प्रयोग करना चाहिए ताकि वह यह तय कर सके कि अगले पांच वर्षों तक राष्ट्र को कौन आगे ले जाएगा। लोकतांत्रिक प्रक्रिया में निहित इस शक्ति को व्यर्थ न जाने दें या नोटा को चुनें।

-सद्गुरु, आध्यात्मिक गुरु

आप्रवासन के पक्ष में

केवल 3 वर्षों में 36 राज्यों की जनसंख्या से अधिक! मैं खुद एक आप्रवासी होने के नाते कानूनी आप्रवासन के पक्ष में हूं, लेकिन अमेरिका में अवैध रूप से लाखों लोगों को प्रवेश की अनुमति देना पागलपन है।

-एलोन मस्क, उद्योगपति

करंट अफेयर

ईरान पर कार्रवाई करने का निर्णय ले रहा इजराइल

ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड कैमरन ने बुधवार को कहा कि सप्ताहांत में ईरान द्वारा किए गए मिसाइल और ड्रोन हमले के जवाब में इजराइल 'कार्रवाई करने का निर्णय ले रहा है'। इस बीच, ईरान ने चेतावनी दी कि उसके क्षेत्र में किसी छोटे से हमले का भी कठोर जवाब दिया जाएगा। इजराइल ने ईरान के अभूतपूर्व हमले का जवाब देने का संकल्प लिया है लेकिन इस बारे में कुछ नहीं कहा है कि कार्रवाई कब और कैसे की जाएगी। गाजा में जारी युद्ध के चलते महीनों की अशांति के बाद नए घटनाक्रम से क्षेत्र में और अधिक अशांति की आशंका उत्पन्न हो गई है। ईरान के हमले को नाकाम करने में मदद करने वाले इजराइल के सबसे करीबी सहयोगी अमेरिका तथा ब्रिटेन हालात और खराब न होने देने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच, ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने वार्षिक सैन्य परेड को संबोधित करते हुए इजराइल को किसी भी जवाबी कार्रवाई को लेकर चेतावनी दी। संभवत: इजराइल की जवाबी कार्रवाई के डर से इस सैन्य परेड का टेलीविजन पर प्रसारण नहीं किया गया। ईरान की आधिकारिक इरना समाचार एजेंसी ने रईसी के हवाले से कहा कि शनिवार का हमला एक सीमित हमला था, और अगर ईरान बड़ा हमला करना चाहता तो इजराइल में कुछ भी नहीं बचता।

ऑफ बीट

हमें विलुप्त विशाल कंगारू की तीन नई प्रजातियां मिलीं

लाखों वर्षों से, विशाल जानवर या मेगाफ़ौना उन जगहों पर घूमते रहे हैं जो अब ऑस्ट्रेलिया और न्यू गिनी हैं। इनमें कई आधुनिक जानवरों के बहुत बड़े संस्करण थे। उदाहरण के लिए, मेगालानिया (वारानस प्रिस्कस) नामक चार मीटर का गोआना था, जो संभवत: अपने शिकार पर घात लगाकर हमला करता था। यह जानवर लगभग 40,000 साल पहले लाल कंगारू और खारे पानी के मगरमच्छ जैसे अवशेषों को छोड़कर लगभग सभी अन्य मेगाफौना के साथ गायब हो गया था। अब लुप्त हो चुकी कंगारू प्रजातियों में से कुछ काफी विशाल थीं। छोटे मुंह वाला कंगारू प्रोकोप्टोडोन गोलिया तीन मीटर तक लंबा था और इसका वजन 250 किलोग्राम से अधिक रहा होगा। विलुप्त कंगारूओं की एक और प्रजाति थी, प्रोटेमनोडोन, जिनके जीवन के बारे में बहुत कम जानकारी है। एक नए अध्ययन में, मैं और मेरे सहकर्मी इन लुप्त हो चुके मार्सुपियल्स की तीन नई प्रजातियों का वर्णन करते हैं – और इस बात पर कुछ प्रकाश डालते हैं कि वे कहाँ रहते थे और कैसे रहते थे। 150 साल की पहेली प्रोटेमनोडोन की पहली प्रजाति का वर्णन 1874 में ब्रिटिश प्रकृतिवादी रिचर्ड ओवेन द्वारा किया गया था।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

17- APR- COR- MAIN- Pg- 5 FULL PAGE_Layout 1 4/17/2024 8:50 PM Page 1

MARUTI SUZUKI
NEXA

IT'S UNBELIEVABLE.
IT'S STRONG HYBRID.

STRONG HYBRID

GRAND VITARA

1200+km
IN ONE FULL TANK#

INTELLIGENT ELECTRIC HYBRID

EV MODE

e-CVT

PANORAMIC SUNROOF

360 VIEW CAMERA

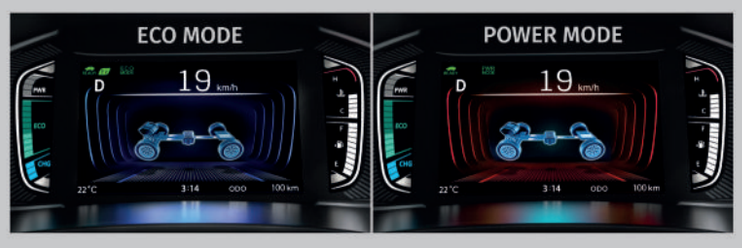

DRIVE MODES

"VISIT YOUR NEAREST NEXA DEALERSHIP TO GET EXCITING OFFERS UP TO ₹ 79 000*"

SCAN TO KNOW MORE
STRONG HYBRID

BILASPUR: NEXA AUTOPARK (SATYA AUTO PVT. LTD. PH: 7089888884), **RAIGARH: NEXA KOTRA ROAD** (M SQUARE MOTORS PH: 6269002140),
AMBIKAPUR: NEXA MG ROAD AMBIKAPUR (MAHAMAYA AUTOCARS PVT. LTD. PH: 7987898802),
KORBA: NEXA KORBA CENTRAL (SATYA AUTO PVT. LTD. PH: 9109134140).

Contact us at **1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA]** and visit **www.nexaexperience.com** to book online.

8 YEAR WARRANTY ON THE BATTERY^
Maruti Suzuki offers warranty of 8 year for Strong Hybrid battery.

*Terms & conditions apply. Black glass shade on the vehicle is due to the lighting effect. For details on functioning of safety features, including airbags, kindly refer to owner's manual. Car model and accessories shown may vary from the actual product and car colour may vary due to printing on paper. All offers are brought to you by NEXA dealers only. Offers may vary subject to the model and variant purchased. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th April'24 or till stocks last. Maruti Suzuki Subscribe available only in selected cities. #Fuel efficiency as certified by test agency under rule 115 of CMVR 1989, for Grand Vitara with Fuel Tank capacity of 45L, range is 1258.65 km (45L x 27.97km/l) and for Invicto with Fuel Tank capacity of 52L, range is 1208.48 km (52L x 23.24km/l). ^Maruti Suzuki offers warranty of ninety six (96) months or 1,60,000 kilometers (whichever occurs first) for Hybrid Electric Vehicle (HEV) battery from the date of invoice to the first owner.

haribhoomi.com

सेहत

हरिभूमि 4

बिलासपुर, गुरुवार

18 अप्रैल 2024

सुपर ब्रेकफास्ट है पौष्टिक दलिया

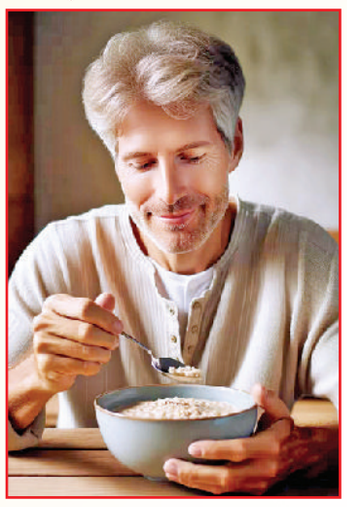

वैसे तो हर उम्र के लोग अपनी पसंद के अनुसार नाश्ता करते हैं। लेकिन दलिया एक ऐसा फूड आइटम है, जो हर उम्र के लोगों के लिए सुपर ब्रेकफास्ट की तरह होता है। इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स और इसके सेवन से होने वाले फायदों के बारे में आपको पता होना चाहिए।

डाइट सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

हर उम्र के लोगों के लिए अलग-अलग तरह के फूड्स का महत्व होता है। जैसे, 50 प्लस लोगों के लिए ऐसा फूड अच्छा माना जाता है, जो पौष्टिक होने के साथ आसानी से डाइजेस्ट भी हो जाए। इस लिहाज से दलिया महज सुविधाजनक फूड भर नहीं है बल्कि 50 प्लस लोगों के लिए सुपर फूड की तरह है। वे इसे चाहे नाश्ते में खाएं या डिनर में, उनके लिए इसके फायदे ही फायदे हैं। अगर 50 साल से ऊपर की उम्र के लोग सुबह नाश्ते में दलिया लेते हैं, तो उनके लिए यह बहुत फायदेमंद होता है। दलिया के सेवन से वे दिन भर एनर्जेटिक महसूस करते हैं और दलिया को पचाना भी उनके लिए बहुत आसान होता है।

सभी के लिए यूजफुल: यह सोचना सही नहीं है कि दलिया सिर्फ बूढ़ों का ही भोजन है। दलिया हर उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें भरपूर पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर आप युवा हैं लेकिन जरूरत से ज्यादा वजनदार हो गए हैं और वजन घटाना चाहते हैं तो आपके लिए भी दलिया का वही महत्व है, जो बूढ़ों के लिए है। दरअसल, दलिया में कैलोरी कम पाई जाती है, जबकि प्रोटीन और आयरन की मात्रा काफी ज्यादा होती है, इसलिए यह हेल्दी तरीके से वजन कम करने में मदद करती है।

फाइबर का भंडार: दलिया में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पेट को लंबे समय तक भरे होने का एहसास देता है। दलिया का फाइबर एक उत्कृष्ट किस्म के रेचक का काम करता है यानी, यह मानव आंतों के साथ-साथ मानव शरीर के पाचन तंत्र में जो विषाक्त पदार्थ अपशिष्ट के रूप में मौजूद होते हैं, उन्हें यह अपने साथ लपेटकर मल के रास्ते से बाहर करता है। इस तरह दलिया पेट की बहुत अच्छी तरह से सफाई कर देता है। यह सफाई इसमें फाइबर होने से होती है।

मांसपेशियां बनाए मजबूत: दलिया में मांसपेशियों को न सिर्फ मजबूत बल्कि उनकी वृद्धि की भी क्षमता होती है, क्योंकि दलिया में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है। साथ ही कई विटामिनों का भी यह स्रोत होता है। जाहिर है, इससे मांसपेशियों के निर्माण में मदद मिलती है। दलिया में मैग्नीशियम और आयरन भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो हीमोग्लोबिन की कमी पूरा करने के साथ मस्तिष्क के सही विकास के लिए जरूरी है। चूंकि दलिया में पाया जाने वाला मैग्नीशियम हमारी नसों को शांत रखने और स्वस्थ रखने में मददगार है, इसलिए रात के समय दलिया खाने से बेहतरीन नींद आती है।

कैल्शियम-विटामिन ई का भंडार: दलिया में फास्फोरस, मैग्नीज जैसे पोषक तत्वों के साथ-साथ भरपूर मात्रा में कैल्शियम भी पाया जाता है। जिस वजह से यह न सिर्फ हमारी हड्डियों को मजबूत बनाता है बल्कि इन्हें चिकना भी रखता है। इस कारण असमय होने वाले कई तरह के जोड़ों के दर्द से आप बचे रहते हैं। दलिया में प्रोटीन भरपूर होने के कारण यह मेटाबॉलिज्म की दर बढ़ाता है, नतीजतन ज्यादा कैलोरी बर्न होती है।

यह ब्रेन फूड भी है: डाइट एक्सपर्ट्स और प्रोफेशनल डाइटीशियन के अनुसार, दलिया एक ब्रेन फूड है, क्योंकि इसके नियमित सेवन से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है और जब भी हम किसी काम में खुद को लगाते हैं तो हमारी काम की गुणवत्ता बेहतर होती है। दलिया में मैग्नीशियम पाया जाता है और विटामिन-ई भी भरपूर मात्रा में होता है। मैग्नीशियम की वजह से शारीरिक दर्द में आराम मिलता है, वहीं विटामिन-ई हमारी त्वचा को मजबूत बनाने में मददगार होता है। कह सकते हैं दलिया सुपर फूड है। किशोर, नौजवान या किसी भी उम्र का व्यक्ति दलिया का सेवन करे, यह सबके लिए फायदेमंद है। *

डॉक्टर्स एडवाइस

स्पेशलः वर्ल्ड लिवर-डे, 19 अप्रैल

अनहेल्दी फूड हैबिट्स, इनएक्टिव लाइफस्टाइल और हेल्थ को लेकर लापरवाही बरतने की वजह से लोगों में लिवर रिलेटेड प्रॉब्लम्स बढ़ने लगी हैं। इस पर ध्यान ना देने से पूरा बॉडी सिस्टम बिगड़ जाता है और कंडीशन सीरियस भी हो सकती है। इसलिए बहुत जरूरी है कि आप उन वजहों के बारे में जानें, जिससे लिवर प्रॉब्लम्स होती हैं। साथ ही इसके लक्षणों और बचाव के उपायों के बारे में भी यहां बता रहे हैं।

बढ़ रही हैं लिवर रिलेटेड प्रॉब्लम्स

बचाव के लिए रहें कॉन्शस

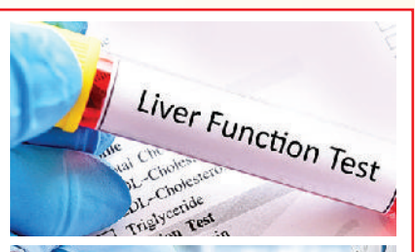

विश्व भर के लोगों में लिवर हेल्थ के प्रति अवेयरनेस बढ़ाने के उद्देश्य से हर साल 19 अप्रैल को वर्ल्ड लिवर डे मनाया जाता है। लिवर रोगों की गंभीरता, सही समय पर जांच कराने और रोकथाम के बारे में लोगों को शिक्षित करने की दृष्टि से वर्ल्ड लिवर-डे खास महत्व रखता है। आइए इस लेख में स्वास्थ्य विशेषज्ञों द्वारा जानते हैं कि लिवर से जुड़ी हुई प्रमुख समस्याएं कौन-कौन सी हैं, इनके लक्षण क्या हैं और लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए किस तरह की सावधानियां बरतने की जरूरत है-

लिवर रिलेटेड मेन डिजीजेज

लिवर से रिलेटेड कई तरह की प्रॉब्लम्स पूरी दुनिया के लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही हैं। इस बारे में नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम में सीनियर कंसल्टेंट एंड क्लीनिकल लीड-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, **डॉ. शिवानी देसवाल** कहती हैं, 'वैश्विक स्तर पर मुख्य रूप से, लिवर कैंसर और सिरोसिस गंभीर रूप से लोगों को प्रभावित करता है। सिरोसिस लिवर का एक गंभीर घाव होता है, जो सॉफ्ट और हेल्दी टिश्यूज को हार्ड टिश्यूज में बदल देता है। यह रोग इंफेक्शन, हृदय रोग या लगातार आघात से लंबे समय तक सूजन के कारण हो सकता है। ये लिवर कैंसर के लिए भी प्रमुख रिस्क फैक्टर माना जाता हैं। सिरोसिस से अलग लिवर कैंसर में लिवर के अंदर असामान्य और अस्वस्थ कोशिकाओं की वृद्धि होने लगती है। हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा, लिवर में होने वाले कैंसर का सबसे कॉमन प्रकार है। इसके अलावा लिवर में फैट जमा हो जाने के कारण फैटी लिवर की समस्या भी बढ़ जाती है। यह समस्या शराब से संबंधित फैटी लिवर (एएलडी) या नॉनअल्कोहलिक फैटी लिवर रोग (एनएएफएलडी) हो सकता है। अकसर लिवर में वायरल संक्रमण भी हो जाता है, जिससे लिवर में लालपन और सूजन आ जाती है। यह हेपेटाइटिस वायरस, हेपेटाइटिस- ए, बी, सी, डी और ई के कारण हो सकता है, जिनमें से हेपेटाइटिस-ए और बी को तो वैक्सीनेशन से रोका जा सकता है लेकिन हेपेटाइटिस-सी, सिरोसिस और हेपेटोसेल्यूलर कार्सिनोमा लिवर कैंसर का कारण भी बन सकता है। अगर इन बीमारियों का सही समय पर उपचार न किया जाए तो बाद में ये लिवर फेलियर का कारण भी बन सकती हैं। इसलिए इन रोगों के लक्षण नजर आने पर देर नहीं करनी चाहिए और जल्द से जल्द डॉक्टर से कंसल्ट करने के बाद ट्रीटमेंट करवाना चाहिए।'

लिवर रोगों के प्रमुख लक्षण

लिवर में होने वाले विभिन्न रोगों के लक्षणों के बारे में पूछे जाने पर धर्मशिला नारायणा हॉस्पिटल, दिल्ली के सीनियर कंसल्टेंट-मेडिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, **डॉ. महेश गुप्ता** बताते हैं, 'लिवर रोगों के सामान्य लक्षणों की बात की जाए तो शुरुआती स्तर में आपको पीलिया हो सकता है, जिसमें आंखें और त्वचा पीली दिखाई देने लगती हैं। त्वचा में खुजली होना, पेट में सूजन और दर्द महसूस होना भी लिवर रिलेटेड प्रॉब्लम के सिंप्टम्स हो सकते हैं। साथ ही टखनों और पैरों में सूजन आ जाना, यूरिन करते समय यूरिन का रंग गहरा पीला प्रतीत होना, लंबे समय तक थकान महसूस होना, मितली या दस्त आना, स्टूल का रंग हल्का होना और भूख न लगना जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं। ज्यादातर लिवर रोगों में जल्दी कोई संकेत या लक्षण नहीं दिखाई देते हैं, इसलिए अपने शरीर में होने वाले बदलावों पर ध्यान देते रहें और अगर आपको कोई भी लक्षण लगातार महसूस हो तो बिना लापरवाही किए तुरंत फिजिशियन या गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट डॉक्टर से संपर्क करें। लिवर रोगों की पुष्टि के लिए डॉक्टर लिवर फंक्शन टेस्ट, कंपलीट ब्लड काउंट, एमआरआई, अल्ट्रासाउंड और लिवर बायोप्सी का सुझाव दे सकते हैं। रोग की पुष्टि के बाद लिवर रोगों का उपचार लिवर की क्षति और बीमारी की कंडीशन को देखते हुए किया जाता है। इस बात का ध्यान रखें कि लिवर संबंधी रोगों में उपचार जल्द से जल्द शुरू होना सबसे जरूरी होता है।'

सही खान-पान का रखें ध्यान

लिवर के अनहेल्दी होने की वजहों और हेल्दी डाइट की इंपॉर्टेंस के बारे में श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट, नई दिल्ली में चीफ-गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, **डॉ. मोनिका जैन** डिटेल में बताती हैं। उनके अनुसार, 'जिस प्रकार से एक गाड़ी में सबसे महत्वपूर्ण भाग इंजन होता है, ठीक उसी प्रकार से हमारे शरीर में सबसे महत्वपूर्ण अंगों में से एक लिवर होता है। यदि आप लिवर के स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते तो इसका असर पूरे शरीर पर पड़ता है। लिवर खराब होने के कई कारण हो सकते हैं। जैसे, आजकल बढ़ता मोटापा इसका प्रमुख कारण है। इस कारण लिवर में सूजन होती है और फैटी लिवर होने लगता है। यदि इस पर ध्यान न दिया जाए तो आगे चलकर एकमात्र ट्रीटमेंट ऑप्शन लिवर ट्रांसप्लांट ही बचता है। आजकल लोग दवाइयों का अधिक सेवन कर रहे हैं, जिसका बुरा असर भी लिवर पर पड़ता है। इसलिए दवाइयों का सेवन बहुत ही सावधानी पूर्वक और कम करना चाहिए। फालतू की दवाइयों का सेवन अपने मन से ना करें, जब जरूरत हो तभी डॉक्टर से सलाह लेकर ही करें अन्यथा ना करें। इसके अलावा हमारे शरीर में कुछ ऑटोइम्यून प्रोसेसेस होते हैं, जिससे लिवर खराब होता है। इससे बचने के लिए शुरुआती स्तर पर ही ध्यान देने की आवश्यकता है। जब लिवर डिजीजेज के लक्षण पहचानने में अधिक लेट हो जाता है तो अंतिम विकल्प लिवर ट्रांसप्लांट ही बचता है।' *

प्रस्तुतिः सेहत डेस्क

लिवर डिजीज से बचने के उपाय

अगर आप कुछ बातों का ध्यान रखें और डाइट, लाइफस्टाइल से जुड़ी गलतियां ना करें तो लिवर डिजीजेज से काफी हद तक बचे रहेंगे।

- शराब के सेवन से दूर रहें।
- हेपेटाइटिस बी और सी की स्क्रीनिंग समय-समय पर करवाना बहुत जरूरी है।
- हेपेटाइटिस वैक्सीनेशन भी करवा सकते हैं।
- संक्रमित भोजन और पानी का सेवन ना करें।
- अगर आपको डायबिटीज है तो इसके लेवल को नियंत्रित रखना चाहिए।
- अपने मोटापे पर कंट्रोल करना चाहिए। इसके लिए अपने खान-पान में फैट या कार्बोहाइड्रेट रिच फूड्स का सेवन कम करें।

- अपनी डाइट में प्रोटीन की मात्रा बढ़ाएं।
- एक्सरसाइज को अपने डेली रुटीन में शामिल करें। इससे लिवर पर अच्छा असर पड़ता है। आपके लिवर का फैट भी एक्सरसाइज के माध्यम से धीरे-धीरे कम होता है।
- अगर आपके लिवर से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। *

हेल्थ सजेशन

डॉ. एल. तोमर

सीनियर डायरेक्टर-ऑर्थोपेडिक्स

मैक्स सुपर स्पेशिएलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली

फिटनेस से जुड़े मिथ कितने सच-कितने झूठ

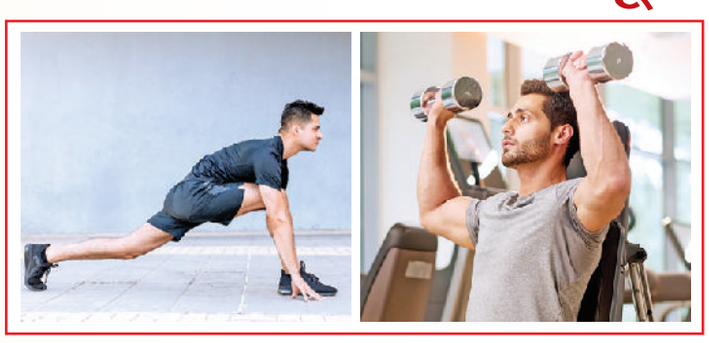

वर्कआउट स्वस्थ जीवनशैली का अनिवार्य हिस्सा है। हेल्दी और एक्टिव रहने के लिए लोग कई तरह के फिटनेस ट्रेंड अपनाते हैं। इसके लिए लोग कई तरह के नियमों का पालन करते हैं। आमतौर पर लोग फिटनेस से जुड़े कई मिथकों को सही मानते हैं, लेकिन एक्सपर्ट की राय इससे अलग है।

इसलिए फैलता है भ्रम: न्यूयार्क के लीमैन कॉलेज में एक्सरसाइज साइंस के प्रोफेसर ब्रैड स्कोनफेल्ड के अनुसार, फिटनेस की दुनिया गलतफहमियों से भरी हुई है। इसके लिए जिम्मेदार हैं सोशल मीडिया के फिटनेस इंफ्लुएंस और अनट्रेंड जिम ट्रेनर्स, जो लोगों में कई तरह के भ्रम पैदा कर रहे हैं। यहां दिए जा रहे हैं, फिटनेस से जुड़ी कुछ ऐसी धारणाएं, जिनमें से कुछ सही हैं, तो कुछ गलत भी साबित होती हैं।

वर्कआउट से पहले लंबी स्ट्रेचिंग जरूरी: यह सही है कि अगर वर्कआउट से पहले स्ट्रेचिंग न की जाए तो इससे शरीर की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं, इससे मसल टियर यानी मांसपेशियों में इंजरी की आशंका बढ़ जाती है। इससे बचाव के लिए वर्कआउट से पहले स्ट्रेचिंग जरूर करनी चाहिए इससे मसल इंजरी से बचाव होता है।

मसल्स बनाने के लिए भारी वजन उठाना जरूरी: जो लोग नियमित रूप से जिम जाते हैं, उनके मन में यह धारणा विकसित हो जाती है कि मसल्स बनाने के लिए भारी वजन उठाना जरूरी है। लेकिन, मांसपेशियों की वृद्धि का अध्ययन करने वाले डॉ. ब्रैड स्कोनफेल्ड कहते हैं, 'कई शोध यह बताते हैं कि चाहे आप 30 किलोग्राम जैसा भारी वजन उठाएं या 5 से 12 किलो जैसे हल्के वजन उठाएं, मांसपेशियों और ताकत के निर्माण में दोनों ही बराबर प्रभावी होते हैं। यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है कि आप कितना वजन उठाना चाहते हैं। बेहतर यही होगा कि अचानक ज्यादा वजन उठाने के बजाय धीरे-धीरे कम से ज्यादा वजन की ओर बढ़ें और अपनी क्षमता के अनुसार ही वजन उठाएं। वेट लिफ्टिंग का कार्य हमेशा कुशल जिम ट्रेनर के निर्देशों के अनुसार ही करना चाहिए।'

ज्यादा दौड़ने से घुटने खराब हो जाते हैं: यह धारणा गलत है। ऐसा माना जाता है कि ज्यादा दौड़ने से ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या हो जाती है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। वैज्ञानिक डॉ. गोल्डमैन के अनुसार पहले लोगों में यह गलत धारणा प्रचलित थी कि घुटने कार की टायर की तरह होते हैं, जिस तरह ज्यादा कार चलाने से टायर खराब हो जाते हैं, वैसा घुटनों के साथ भी होता है। लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। दरअसल, हमारा शरीर गतिशील होता है और हमारे जोड़ खुद को पुनर्जीवित कर सकते हैं, खासतौर पर जब हम नियमित रूप से सक्रिय रहते हैं। नियमित रूप से दौड़ने से हमारे घुटनों के कार्टिलेज मजबूत हो जाते हैं इसलिए ज्यादा दौड़ने से घुटने खराब नहीं होते, लेकिन यह बहुत जरूरी है कि अचानक ज्यादा दौड़ने के बजाय नियमित रूप से धीरे-धीरे दौड़ने की गति बढ़ानी चाहिए।

प्रतिदिन 10 हजार कदम चलना आवश्यक : 1960 से यह मिथ प्रचलित है, जब एक जापानी घड़ी निर्माता ने बड़े पैमाने पर पैडोमीटर का उत्पादन किया था। उस पैडोमीटर का नाम था 10 थाउजेंड स्टेप्स पैडोमीटर। उसके बाद से यह मिथक पूरी दुनिया में लोकप्रिय हो गया, लेकिन अमेरिकन काउंसिल ऑफ एक्सरसाइज के अध्यक्ष सेड्रिक ब्रायंट एक साल पहले इसे गलत साबित कर चुके हैं। उनका कहना है कि लगातार 4 हजार कदम चलना भी पर्याप्त है, 10 हजार कोई जादुई नंबर नहीं है। अगर पांच दिनों की एक्सरसाइज के साथ रोजाना साढ़े सात हजार कदम चला जाए तो यह काफी होगा। इसलिए दस हजार कदम चलने के लिए तनाव ना लें। *

प्रस्तुतिः विनीता

घरेलू औषधि/ संजीव कुमार आलोक

कई रोगों से बचाए गेहूं के जवारे का रस

अपने देश में अधिकांश लोग मुख्य भोजन के रूप में गेहूं का प्रयोग करते हैं। गेहूं के पौधे में ऐसे कई गुण होते हैं, जो हमें स्वस्थ रखते हैं। वनस्पतिविदों द्वारा किए गए गेहूं के रासायनिक विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ है कि इस पौधे में अन्य वनस्पतियों की तुलना में अधिक शक्तिवर्धक, रोगनाशक गुण मौजूद होते हैं। इसमें कई विटामिन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट जैसे तत्व प्रचुर मात्रा में होते हैं। इतना ही नहीं, दूध, घी, अंडा, बादाम आदि पौष्टिक पदार्थों की तुलना में गेहूं के पौधों का रस अधिक शक्तिवर्धक होता है।

जवार सेवन के फायदे: गेहूं के छोटे पौधे को 'जवार' के नाम से जानते हैं। इस पौधे का रस निद्रानाश, पांडुरोग, चर्म रोग, एलर्जी, जोड़ों के दर्द, प्रदर रोग, बालों का असमय गिरना, कैंसर, आर्थराइटिस, मोटापा, जुकाम, पीलिया और पथरी आदि रोगों में प्रभावी दवा साबित हो चुका है। प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार यदि हम इसके रस का निरंतर सेवन करें, तो अनेक रोगों से बचा जा सकता है। रस का सेवन करने से पूर्व और उसके एक घंटे बाद तक कुछ खाना-पीना ठीक नहीं होता है। वैसे तो यह रस शरीर में उत्पन्न कई दोषों को दूर करने में सक्षम होता है। लेकिन सेवन से पहले किसी आयुर्वेद विशेषज्ञ से सलाह अवश्य कर लें। *

ठेकेदारों की लापरवाही, गड्ढों को समतल करने 3 इंच ढलाई कर रहे, बारिश में धंसेगी सड़क

पाइप लाइन बिछाने खोदी गई सड़कों को समतल करने में बरती जा रही लापवाही

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

अमृत नल-जल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने खोदी गई सड़क को रेत-गिट्टी से ढलाई कर समतल करने का कार्य नवा रायपुर के कई गांवों में चल रहा है। इन कामों में अब ठेकेदारों की मनमानी और बड़ी लापरवाही देखने को मिल रही है। खोदी गई सड़क को मिट्टी से पाटने के बाद उसे समतल करने 2 से 3 इंच ही ढलाई की जा रही है, जिससे सड़क को मजबूती नहीं मिल पा रही। परिणाम स्वरूप बारिश के दिनों में इस सड़क पर गाड़ियों के गुजरते ही इसके धंसने की पूरी संभावना है। इधर इस मामले में जिला पंचायत के अधिकारी का कहना है कि नल-जल योजना में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर कोई ठेकेदार सड़क को समतल करने में लापरवाही बरत जा रहा है, तो इसकी जांच कराकर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

नवा रायपुर के ग्राम चेरिया सहित आसपास के कई ग्रामों में अमृत नल जल योजना के तहत घर-घर पानी पहुंचाने के लिए पाइप लाइन बिछाई गई है। इस पाइप लाइन को बिछाने के लिए यहां सड़कों की खुदाई हुई थी। इन गड्ढों में पाइप लाइन बिछाये कई महीने बीत चुके हैं, वहीं गड्ढों को समतल करने का काम अब जाकर शुरू हुआ है। सूत्रों के अनुसार इन गड्ढों को समतल करने के लिए क्षेत्र के पीएचई विभाग के असिस्टेंड इंजीनियर के मार्गदर्शन में संबंधित ठेकेदार कार्य कर रहे हैं। गड्ढों को समतल करने से पहले पहले मिट्टी से पाटा गया है, जिसे अब रेत, गिट्टी व सीमेंट से ढलाई कर इसे समतल किया जा रहा है। गांव के लोगों ने बताया कि गड्ढों को समतल करने का काम खानापूर्ति है, क्योंकि इन गड्ढों में सिर्फ 2 से 3 इंच ही ढलाई की जा रही है, जिससे सड़क बहुत कमजोर बन रही है। इस ढलाई के बाद सड़क कभी भी धंस सकती है। गांव में बड़ी गाड़ियों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में ढलाई मजबूत नहीं होने के कारण सड़क कभी भी धंस सकती है। खासकर बारिश के दिनों में सड़क के धंसने की ज्यादा संभावना है। ऐसा हुआ तो सड़क फिर गड्ढों में तब्दील हो जाएगी।

ग्रामीण दे चुके हैं पीएचई विभाग को जानकारी

ग्रामीणों ने बताया कि ठेकेदारों के लापरवाही पूर्वक सड़क के समतलीकरण किए जाने की जानकारी पीएचई विभाग के अधिकारियों को दे चुके हैं, लेकिन इसके बाद भी अधिकारी गड्ढों को समतल करने के किस तरह से कार्य चल रहा है, इसका निरीक्षण करने तक नहीं पहुंचे हैं। इसके कारण ठेकेदार अपना लाभ देखते हुए इन गड्ढों को समतल करने का काम कर रहा है।

अभनपुर, तिल्दा, आरंग क्षेत्र के कई गांव में बरती जा रही लापरवाही

नवा रायपुर के साथ अभनपुर, तिल्दा, आरंग ब्लाक के कई गांव में पाइप लाइन बिछाने खोदी गई सड़क को समतलीकरण का काम चल रहा है। इन क्षेत्रों में भी कई गांव में खोदी गई सड़क को समतल करने में लापरवाही बरती जा रही है।

सड़क धंसी तो बारिश में ग्रामीण होंगे परेशान

ठेकेदारों की लापरवाही का दुष्परिणाम ग्रामीणों को आगामी दिनों में भुगतना पड़ सकता है। आगामी महीनों में बारिश का सीजन शुरू होगा। ऐसे में अगर समतल की गई सड़कें धंसेंगी तो इससे ग्रामीणों की परेशानी बढ़ जाएगी। बारिश के दिनों में वैसे ही सड़कों का काम नहीं होता। ऐसे में ग्रामीणों को सीजनभर गड्ढों के कारण परेशान होना पड़ेगा।

लापरवाही दिखी तो करेंगे कार्रवाई

जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में नल-जल योजनाओं के तहत पाइप लाइन बिछाने के बाद गड्ढों को भरकर सड़क को समतल करने का काम चल रहा है। ग्राम चेरिया में सड़क समतल करने में ठेकेदार लापरवाही बरत रहा है, इसकी जानकारी मिली है। संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए हैं जांच कर कार्रवाई करे।

- विश्वदीप, सीईओ, जिला पंचायत रायपुर

प्रथम पृष्ठ का शेष

सरोज ने कहा- जनता को...

को आपने देखा जिन्हें पूरा करने पर जोर देंगी।

जवाब-यहां पर मूलभूत सुविधाएं नहीं है। डस्ट की समस्या है। स्वास्थ्य के तौर पर यहां पर और सुविधाएं होनी चाहिए। प्रदेश में पर्यटन की काफी संभावनाएं हैं, उन्हें विकसित करना चाहिए। यहां पर जिन क्षेत्रों को जिला बनाया गया उन्हें जिले के रूप में विकसित कर सुविधाएं देने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र को आदर्श क्षेत्र के रूप में विकसित करने का प्रयास करूंगी। यहां पर आवासीय पट्टे के रूप में छह माह में सुविधा देने का प्रयास होगा।

कांग्रेस में एका नहीं है कांग्रेस कमजोर है

सवाल- कैसे जीतेंगे, कोरबा में कांग्रेस को जिताने भूपेश बघेल भी आए थे। कांग्रेस में एका दिखता है।

जवाब-कांग्रेस में एका होगा यह दिखता नहीं। महंत जी ने राजनांदगांव में प्रधानमंत्री पर भद्दी टिप्पणी की। यहां पर भूपेश दोस्ती यारी निभा रहे हैं। कांग्रेस में एका हो यह दिखता नहीं। कोरबा में भी कांग्रेस की काफी कमजोर हालत है।

सवाल-कांग्रेसियों को भाजपा में लाने आपका मन क्यों तैयार रहता है।

जवाब-पूरे देश में जो कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आना चाहते हैं उनका हम स्वागत करते हैं। जो राष्ट्रवाद के मुद्दे पर हमारे साथ भाजपा के साथ आना चाहते हैं, तो उनका स्वागत करते हैं।

सवाल-भाजपा को इस बार के चुनाव में बहुमत मिलेगा, इसका भरोसा है आपको?

जवाब- अबकी बार 400 नहीं 400 से भी ज्यादा। प्रधानमंत्री ने जो नारा दिया है, वह पूरा होगा। जिस प्रकार पूरे देश में प्रधानमंत्री की नीतियों को लेकर जो वातावरण है। प्रधानमंत्री ने पिछले 10 साल में जनता का काम किया है। मोदी जी ने रिकार्ड समय में गरीबों और जनता का काम किया है।

सवाल- कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी बता रहे हैं कि गरीबी से देश को मुक्ति क्यों नहीं दिलाना चाहती।

जवाब-पिछली बार कांग्रेस की सरकार थी, महिलाओं को 500 रुपए देने की बात कहीं, पांच साल में नहीं दिया। भाजपा ने सालाना 12000 देने का वादा किया उसे जनता ने विश्वास किया। राहुल गांधी की बातों में कोई गंभीरता नहीं है। एक लाख कांग्रेस नहीं दे सकती है उनकी बातों में कोई गंभीरता नहीं है। उनको थोड़ा अध्ययन करना चाहिए। गरीबी का नारा कितनी वर्षों से चल रहा है। अब पहली बार भाजपा की मोदी सरकार गरीबों की सरकार है।

एक पारिवारिक महिला को राजनीति में लाई कांग्रेस

सवाल-ज्योत्सना महंत पर कुछ ज्यादती नहीं कर रही हैं आप?

जवाब-एक पारिवारिक महिला को राजनीति में उतार दिया। यह परिवारवाद का बड़ा उदाहरण है। उनकी निष्क्रियता का बड़ा उदाहरण है। मुझे नहीं लगता कि चरणदास महंत भी सामने होते तो कोई चुनौती होते। इस क्षेत्र के पहले सांसद रहे चरणदास महंत ने क्षेत्र की जनता के साथ न्याय नहीं किया। वैसे भी कांग्रेस अब अपना अस्तित्व को खोज रही है। पिछली बार यहां कांग्रेस की सरकार थी, वे विधानसभा अध्यक्ष थे, क्षेत्र को क्या लाभ मिला। लोग इसे समझ रहे हैं और मैं उसी आधार पर कह रही हूं कि हम बड़े अंतर से जीतेंगे।

विपक्ष के आधे लोग जेल में हैं आधे जेल जाने वाले हैं

सवाल-मोदी के खिलाफ सारे विपक्षी दलों ने मोर्चा खोल रखा है उनकी कोशिशें चुनाव में परवान नहीं चढ़ेगी?

जवाब-इन दलों के आधे लोग जेल में हैं। आधे जेल जाने वाले हैं। जिन्होंने जैसा काम किया हे वो डर रहे हैं। पहली बार लोकतंत्र में अपने पापों का जवाब देना पड़ रहा है। सबका अपना डर है अतः सब एकत्रित हो रहे हैं। भाजपा राष्ट्रवाद पर चलती है। बाकी दल परिवार वाद से उपर नहीं उठ पा रहे हैं।

भाजपा नेता की...

के रहने वाले थे। लंबे समय से बीजेपी के कार्यकर्ता के रूप में काम कर रहे थे। वर्तमान में संगठन ने इन्हें शक्ति केंद्र सह प्रभारी का जिम्मा दिया था। बताया जा रहा है कि पिछले कई दिनों से नक्सलियों के टारगेट पर थे। उन्हें पहले भी जान से मारने की धमकी नक्सलियों द्वारा दिया गया था। नक्सल संगठन की पूर्व बस्तर डिविजन कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

लॉ यूनिवर्सिटी को...

जस्टिस एन के व्यास और जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने सुनवाई की। कोर्ट ने याचिकाकर्ता छात्रा का यह अंतिम वर्ष होने के कारण हिदायतुल्ला विवि को मामले में सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लेने का निर्देश देते हुए बिना पूर्वाग्रह के छात्र का मामला निर्धारित करने को कहा है। छात्रा को भी ईमेल या अन्य इलेक्ट्रॉनिक के जरिए अपना रिप्रेजेंटेशन विवि भेजने निर्देशित किया है।

सबसे बड़े अटैक में ....

जिसमें एक नग एके 47, एक नग कबाईन, एक नग एसएलआर, दो नग इंसास, तीन नग थ्री नाट थ्री तीन, 10 नग 12 बोर की बंदूक, दो यूबीजीएल बंदूक, दो 9 एमएम पिस्टल, 6 यूबीजीएल जिसमें 04 जिंदा और 2 खोखे, कारतूस, एक नग कुकर बम, वर्दी, नक्सली साहित्य, सोलर प्लेट व खाने की सामग्री फोर्स के हाथ लगी। पुलिस को मिले दस्तावेज से कई अहम सबूत मिलने की संभावना है।

नौ नक्सलियों की हुई पहचान-

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण एलेसेला ने बताया कि प्रथम दृष्टया 29 नक्सलियों में से 9 नक्सली की पहचान हुई है जिसमें डीवीसी शंकर राव, डीवीसी ललिता (रामदेर की पत्नी), डीवीसी शंकर राव की पत्नी मेढ़की एलजीएस की सदस्य रजिता, मेढ़की एलओएस कमांडर रूपी (विजय रेड्डीश की पत्नी), माधवी, बड़गांव एलजीएस सदस्य जुगनी उर्फ मालती कवाची (दर्शन पद्दाप की पत्नी), रमशीला, सुकलाल, श्रीकांत की पहचान हो पाई है, अन्य नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

घायल को लेने पहुंची दूसरी टीम-

पखांजुर एएसपी प्रशांत शुक्ला ने बताया कि मैं एक टीम के साथ छोटेबेठिया में था और बीएसएफ इंस्पेक्टर के घायल होने पर बीएसएफ के 25 जवान और थाना से 5 जवान की टीम लेकर मोटर सायकल से और साथ में एंबुलेंस लेकर पहुँचे। घटनास्थल पहाड़ के नीचे इंतजार कर रहे घायल जवान को एंबुलेंस के माध्यम से पखांजुर लाया गया, वहीं सर्चिंग कर रही पहाड़ से एक घंटे बाद टीम लगभग 900 मीटर चलकर नीचे उतरी। सर्चिंग टीम के साथ बेचाघाट तक पहुँचे और यहाँ पर पिकप को पहले से बुलाया लिया गया था। पिकप में नक्सली शव, नक्सली सामग्री व हथियार लेकर रात साढ़े 9 बजे पखांजुर पहुँचे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलिसेला के निर्देश पर सभी सामान व शव को लेकर रात दो बजे कांकेर पहुँचे।

पहली लोकेशन पर नहीं मिले नक्सली-

डीआरजी व बीएसएफ की टीम नक्सलियों की लोकेशन पर पहुँची, परंतु नक्सलियों की टीम रात को बताए गए लोकेशन से जा चुकी थी। टीम ने उच्च अधिकारियों से मार्गदर्शन लिया और उसके बाद गश्त पर निकली टीम को बताया गया कि पहली लोकेशन से 5 किमी. दूर दूसरे पहाड़ पर है। फोर्स्र उस पहाड़ की ओर निकल पड़ी और यह इनकाउंटर हुआ, जिसमें यह सफलता मिली।

ज़ी एंटरटेनमेंट ने संगठन में किए फेरबदल गोयनका के पास प्रभार

नई दिल्ली। मीडिया कंपनी जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने बुधवार को एक सुव्यवस्थित संगठनात्मक संरचना की घोषणा की जिसमें प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत गोयनका को घरेलू प्रसारण समेत महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्रों का सीधा प्रभार सौंपा गया है। कंपनी के निदेशक मंडल से अनुमोदित नए संगठनात्मक ढांचे के अनुरूप जी एंटरटेनमेंट का संचालन चार प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों- प्रसारण, डिजिटल, फिल्म एवं संगीत के रूप में किया जाएगा। जी एंटरटेनमेंट ने अप्रैल की शुरुआत में अपने 15 प्रतिशत कर्मचारियों की छंटनी की प्रक्रिया शुरू की थी। इस दौरान खुद पुनीत गोयनका के पारिश्रमिक में भी 20 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की गई। पुनर्गठन के तहत पुनीत गोयनका के भाई अमित गोयनका को अंतरराष्ट्रीय प्रसारण, उद्यम प्रौद्योगिकी, प्रसारण संचालन एवं इंजीनियरिंग खंड का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

हरिभूमि पाठक पुरस्कार योजना-2023 के विजेताओं के नाम

नौवा पुरस्कार (कैटल बॉक्स 280 नग) **रायपुर संस्करण** - 1. केशव देवांगन पिता/ पति हेमलाल देवांगन, बिरगांव रायपुर, (छ.ग.) 2. राम शरण कश्यप पिता/ पति श्री रामेश्वर प्रशाद कश्यप, बालाजी प्रिंटर्स, तात्यापारा चौक रायपुर, (छ.ग.) 3. लक्ष्मी यादव पिता/ पति डी.के.यादव, कटोरा तालाब रायपुर, (छ.ग.) 4. तारकेश्वर कश्यप पिता/ पति श्री कोदू राम कश्यप, उरकुरा रायपुर, (छ.ग.) 5. तानिया परमार पिता/ पति नन्द कुमार, लक्ष्मी नगर रायपुर, (छ.ग.) 6. सोहन खूटे पिता/ पति श्री रामकुमार खूटे, ग्राम सिवनी अभनपुर, (छ.ग.) 7. श्रीमती सोनाली वैष्णव पिता/ पति श्री लक्ष्मी कान्त वैष्णव, RDA. कॉलोनी रायपुर, (छ.ग.) 8. भगत देशलहरे पिता/ पति एल.आर.देशलहरे, माना कैम्प रायपुर, (छ.ग.) 9. प्रणव उपाध्याय पिता/ पति श्री प्रफुल्ल उपाध्याय, शंकर नगर रायपुर, (छ.ग.) 10. निशा यादव पिता/ पति किशोर कुमार यादव, राजातालाब गली न.2 रायपुर, (छ.ग.) 11. निशा तिवारी पिता/ पति के एन तिवारी, मलसाय तालाब कुशालपुर रायपुर, (छ.ग.) 12. मोहनी साहू पिता/ पति जीवन साहू, राधा कृष्णा मंदिर के पीछे डंगनिया रायपुर, (छ.ग.) 13. अजय कुमार निषाद पिता/ पति स्व,रामावतार निषाद, सूरज नगर लभांडी रायपुर, (छ.ग.) 14. महेंद्र निषाद पिता/ पति बंशीलाल निषाद, कन्हेरा टेकारी अभनपुर, (छ.ग.) 15. पी. मुरली पिता/ पति स्व. पी.रामाराव, शिवानन्द नगर से.-2 श्री नगर खमतराई रायपुर, (छ.ग.) 16. नोहर लाल साहू पिता/ पति मेघनाथ साहू, काशी राम नगर से.1 एच- 38 रायपुर, (छ.ग.) 17. मन्नूदास मानिकपुरी पिता/ पति अटलदास मानिकपुरी, इन्द्रप्रस्थ बी एस यु पी कॉलोनी रायपुर, (छ.ग.) 18. श्रीमती देवला दीवान पिता/ पति पुष्कर कुमार दीवान, EWS -59 सेक्टर -04 दीनदयाल उपाध्याय नगर रायपुर, (छ.ग.) 19. वेद प्रकाश मोंगरे पिता/ पति स्व.ओम प्रकाश मोंगरे, चंगोरा भाठा रायपुर, (छ.ग.) 20. दुर्गेश यादव पिता/ पति लखन लाल यादव, बंधवा पारा पंचमुखी हनुमान मंदिर के पास रायपुर, (छ.ग.) 21. शांति पटेल पिता/ पति भारत पटेल, छत्तीसगढ़ नगर रायपुर, (छ.ग.) 22. मधु यदु पिता/ पति यशवंत यदु, गोगांव रायपुर, (छ.ग.) 23. निधि यदु पिता/ पति यशवंत यदु, बड़ा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर, (छ.ग.) 24. सुभाष कुमार कनौज पिता/ पति स्व. सोहनलाल कनौज, शांति विहार कॉलोनी डंगनिया रायपुर, (छ.ग.) 25. महेश कुमार दहरिया पिता/ पति लालबहादुर, ईडब्लूएस बी.-03, आर-36 हिमालयन हाईट रायपुर, (छ.ग.) 26. चूड़ामणि ठाकुर पिता/ पति दिलीप कुमार ठाकुर, पुलिस कॉलोनी अमलीडीह ब्लाक 14 ए, 401 रायपुर, (छ.ग.) 27. विष्णु प्रसाद देवांगन पिता/ पति पुरुराम देवांगन, गोंदवारा रोड कोमल टेलर के पीछे, एकता नगर गुढ़ियारी रायपुर (छ.ग.) 28. नरोत्तम कुमार धीवर पिता/ पति लल्लू राम धीवर, विधान सभा रोड आमासिवनी रायपुर (छ.ग.) 29. महर्षि सदाफल देव आश्रम पिता/ पति स्व.रतनलाल, महर्षि सदाफल देव आश्रम रायपुर (छ.ग.) 30. सुमन बाई साहू पिता/ पति धनीराम साहू, गाँधीनगर पंडरी रायपुर, (छ.ग.) 31. जय प्रकाश वर्मा पिता/ पति खोमन लाल वर्मा, बिरगांव जागृति नगर रायपुर, (छ.ग.) 32. हनुमान सिंह बैस पिता/ पति स्व.फ़क़ीर सिंह, ब्राह्मण पारा टेकारी (जुलुम)रायपुर, (छ.ग.) 33. एम.आर. देवांगन पिता/ पति स्व.समारू राम देवांगन, अयोध्या नगर चंगोरा भाटा रायपुर, (छ.ग.) 34. एस.के. देवांगन पिता/ पति एम.एल.देवांगन, सेक्टर 4 कमल विहार रायपुर, (छ.ग.) 35. प्यारे लाल साहू पिता/ पति स्व.मोती लाल साहू, युवा अंकुश चौक सतनामी पारा छावनी भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 36. गीता साहू पिता/ पति केशव राम साहू, उफरा झींट पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 37. रेवा राम यादवपिता/ पति कनहर यादव, करहीडीह वार्ड 15, जिला दुर्ग (छ.ग.) 38. भारत सिंह राजपूत पिता/ पति गंगा सिंह राजपूत, सुभाष नगर कसारीडीह, जिला दुर्ग (छ.ग.) 39. माया दुबे पिता/ पति रामबहादुर दुबे, राजीव नगर गया नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) 40. श्रेया चंद्राकर पिता/ पति खूबचंद चंद्राकर, E.W.S. पद्मनाभपुर, जिला दुर्ग (छ.ग.) 41. रघुनाथ देशमुख पिता/ पति स्व.सुकालूराम, पिसेगांव, जिला दुर्ग (छ.ग.) 42. मधुसुदन यादव पिता/ पति जतन लाल यादव, लुचकी पारा वार्ड न.-7, जिला दुर्ग (छ.ग.) 43. हेमकुमार यादव पिता/ पति राम सहाय यादव, त्रिशूल चौक बैगा पारा वार्ड न.-6, जिला दुर्ग (छ.ग.) 44. अवतार सिंह खालसापिता/ पति गुरुदीप सिंह, सिन्धी मोहला झूले लाल मंदिर के पास भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 45. कृष्णा दासपिता/ पति बाबु लाल, नूतन चौक भिलाई -3, जिला दुर्ग (छ.ग.) 46. मिलिंद राऊत पिता/ पति भजन दास राउत, गया नगर वार्ड न. -4 दुर्ग, जिला दुर्ग (छ.ग.) 47. भूपेन्द्र कुमार सोनी पिता/ पति पन्ना लाल सोनी, सोनी ज्वेलर्स बोरी, जिला दुर्ग (छ.ग.) 48. चन्द्रकला यादव पिता/ पति महेंद्र यादव, वार्ड नंबर- 33 शिव पारा, जिला दुर्ग (छ.ग.) 49. जगन्नाथ सोनी पिता/ पति विनायक लाल सोनी, दीपक नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) 50. निजामुद्दीन देवनद्या पिता/ पति अलाद्दीन देवानद्य, केला बाड़ी बीरबल बाड़ा, जिला दुर्ग (छ.ग.) 51. नूर सिंह साहू पिता/ पति स्व. नीलकंठ साहू, सी -5 न्यू नेहरू नगर उमर पोटी पुराई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 52. येनु वर्मा पिता/ पति स्व. श्री संतोषी कुमार वर्मा, पदनाभपुर एल आई जी -४७, जिला दुर्ग (छ.ग.) 53. नारायण कुमार देवांगन पिता/ पति स्व. शंकर लाल देवांगन, हाउसिंग बोर्ड कोहका भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 54. पूर्णिमा बाई साहू पिता/ पति गोविन्द साहू, माडल टाउन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 55. मोहम्मद कुदुस अंसारी पिता/ पति मोहम्मद बकरीद अंसारी, न्यू भारत टायर टी.पी. नगर हथखोज भिलाई, जिला दुर्ग (छ.ग.) 56. मनजीत सिंह सप्पल पिता/ पति दलीप सिंह सप्पल, कृष्णा नगर कॉलोनी नयापारा वार्ड भाटापारा, जिला बलौदाबाज़ार (छ.ग.) 57. नन्द कुमार जोशी पिता/ पति मोहन लाल जोशी, मुड़तराई, कोपरा, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 58. दयालु राम पिसदा पिता/ पति कल्याण सिंह पिसदा, रामनगर, जिला कवर्धा (छ.ग.) 59. मनोज कुमार निषाद पिता/ पति केशवराम निषाद, सरकंडा पांडुका, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 60. राम लाल साहू पिता/ पति रामा साहू, कुल्हाड़ी, जिला धमतरी (छ.ग.) 61. गंगा पिता/ पति पूनम कुमार, पचपेड़ी, जिला धमतरी (छ.ग.) 62. रक्षा तिवारी पिता/ पति सी. पी. तिवारी, लालपुर वार्ड न.-6 बागबाहारा, जिला महासमुंद (छ.ग.) 63. दक्षा भारती साहू पिता/ पति लक्ष्मी नारायण साहू, हाटकेश्वर वार्ड न.-01, जिला धमतरी (छ.ग.) 64. ईश्वर साहू पिता/ पति बिसहन राम साहू, माँ कर्मा ट्रेडर्स, जिला धमतरी (छ.ग.) 65. टिकेन्द्र कुमार साहू पिता/ पति यशवंत कुमार साहू, पीपर छेडी भोथली, जिला धमतरी (छ.ग.) 66. सुरेन्द्र प्रसाद तिवारी पिता/ पति राम नारायण तिवारी, गुजरा डोमा, जिला धमतरी (छ.ग.) 67. यशवंत कुमार अग्रवाल पिता/ पति चंद्रहास अग्रवाल, लिमतरा, जिला धमतरी (छ.ग.) 68. रामरतन कंवर पिता/ पति स्व. सुकचंद कंवर, बरपारा सोरिद नगर, जिला धमतरी (छ.ग.) 69. भानु प्रताप पिता/ पति गुहा राम रामटेके, संबलपुर, जिला धमतरी (छ.ग.) 70. यशोदा बाई पिता/ पति सिया राम साहू, गोकुल पारा वार्ड नो., जिला धमतरी (छ.ग.) 71. कु. भारती साहू पिता/ पति कोमल सिंह, राजीव नगर गंगरेल, जिला धमतरी (छ.ग.) 72. नीता इन्दोरिया पिता/ पति कार्तिक राम इन्दोरिया, भिरावाही, जिला कांकेर (छ.ग.) 73. आशीष श्रीवास्तव पिता/ पति जे.एल.श्रीवाश्तव, शोभना इलेक्ट्रोनिक्स, मंझापारा पुराना देना बैंक रोड, जिला कांकेर (छ.ग.) 74. मंगल राम निर्मलकर पिता/ पति स्व.श्री पारख दास निर्मलकर, कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.) 75. हरीश कुमार ध्रुव पिता/ पति भगोली राम ध्रुव, बांस पारा धमतरी, जिला धमतरी (छ.ग.) 76. ज्ञानचंद सिन्हा पिता/ पति सुन्दर लाल सिन्हा, बठेना वार्ड, जिला धमतरी (छ.ग.) 77. रामचंद देवांगन पिता/ पति स्व.शिव राम देवांगन, आमदी, जिला धमतरी (छ.ग.) 78. राधे श्याम साहू पिता/ पति स्व.थनवार साहू, चर्रा कुरूद, जिला धमतरी (छ.ग.) 79. हितेंद्र कुमार साहू पिता/ पति केजूराम साहू, नगरी, जिला धमतरी (छ.ग.) 80. महेंद्र चौहान पिता/ पति जयंतीलाल चौहान, बालाजी वार्ड, कपूर टेंट के पीछे बलराम प्रेस, जिला जगदलपुर (छ.ग.) 81. प्रेमनारायण सोनी पिता/ पति मनराखन लाल सोनी, मेघा मगरलोड, जिला धमतरी (छ.ग.) 82. दिनेश कुमार यदु पिता/ पति लालाराम यदु, खम्हरीया अर्जुनी, जिला बलौदाबाज़ार (छ.ग.) 83. हरिशंकर नेताम पिता/ पति स्व.भोलाशंकर नेताम, आर.ई.एस कोलोनी, जिला कोंडागांव (छ.ग.) 84. संजय ठाकुर पिता/ पति अमर सिंह ठाकुर, दुल्ला, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 85. ममता पटेल पिता/ पति लक्ष्मण पटेल, नर्रा, जिला महासमुंद (छ.ग.) 86. राजेश चंद्राकर पिता/ पति स्व.भोला राम चंद्राकर, वार्ड न.-13 पंजाबी पारा, जिला महासमुंद (छ.ग.) 87. इंदल कुमार पटेल पिता/ पति धनवार पटेल, करकरा, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 88. लुकेंद्र कुमार श्रीवास पिता/ पति एच. एल. श्रीवास, विनायक नगर फिंगेश्वर, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 89. हरखराम विश्वकर्मा पिता/ पति सुखचंद विश्वकर्मा, पाटसिवनी, जिला गरियाबंद (छ.ग.) 90. यशवंत कुमार सप्रे पिता/ पति ईतवारी राम सप्रे, बेमेतरा, जिला बेमेतरा (छ.ग.) 91. जनक राम टंडन पिता/ पति परस राम टंडन, परसद राजीम, जिला गरियाबंध (छ.ग.) 92. बी.एस. तिवारी पिता/ पति स्व. आर. एल. तिवारी, काली मंदिर के सामने केदार बाड़ी वार्ड न.-3 डोंगरगढ़, जिला राजनादगांव (छ.ग.) 93. चम्मन लाल साहू पिता/ पति मानसिंह साहू, विजय लक्ष्मी नगर डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 94. मनीषा साहू पिता/ पति संतराम, बसंतपुर वार्ड न.-46 बैद्यनाथ कॉलोनी राजनादगांव, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 95. समीर पिता/ पति के.एम श्रीवास्तव, प्यारे लाल चौक चिखली वार्ड न.6, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 96. मानिकलाल वर्मा पिता/ पति कुम्भ लाल वर्मा, फत्तेपुर सिंगारपुर, खैरागढ़, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 97. कुशाल राम सोनी पिता/ पति स्व. छबिलाल सोनी, ग्रामीण बैंक के पीछे डोंगरगांव, जिला राजनांदगांव (छ.ग.) 98. जे.के. ढाके पिता/ पति स्व. नारायण सिंह, तथागत प्रोविजन आमापारा बालोद, जिला बालोद (छ.ग.) 99. भगवन्त कुमार देवांगन पिता/ पति बनवारीलाल देवांगन, संजय नगर वार्ड न.-12 डोंडी लोहारा, जिला बालोद (छ.ग.) 100. परसराम साहू पिता/ पति भजनसिंह साहू, दियाबाती गुरुर, जिला बालोद (छ.ग.), **बिलासपुर संस्करण** - 101. विनोद यादव, पड़ावपारा कोटा वार्ड नं. – 2 (छ.ग.), 102. शिवकुमार तिवारी, महामाया नगर तिफरा (छ.ग.), 103. सुरेश कुमार त्रिपाठी, बिरकोना रोड आशाबंध खमतराई बिलासपुर (छ.ग.), 104. ज्योति शर्मा, अरविंद नगर बिलासपुर (छ.ग.), 105. श्रीमति ममता सोनी, श्याम बाजार बलौदा (छ.ग.), 106. किशन निर्मलकर, कतियापारा दुर्गा चौक बिलासपुर (छ.ग.) 107. गुलशन आरा, आर- 3, भारतीय नगर, बिलासपुर (छ.ग.), 108. मीनाक्षी दुबे, नेशनल कारवांश, टैगोर चौक, बिलासपुर (छ.ग.), 109. बलवंत श्रीवास, बिहारी टाकीज के सामने (छ.ग.), 110. नितेश कुमार श्रीवास्तव, राजकिशोर नगर (छ.ग.), 111. श्री मनोज कोरी, कुम्हारपारा सकरी (छ.ग.), 112. चिलबुल बन्सोड़, संजय नगर, तालापारा, वार्ड – 26 (छ.ग.), 113. उमाशंकर कौशिक, सिंचाई कालोनी सकरी (छ.ग.), 114. कुसुम देवी साही, कुदुदण्ड, शिव चौक के पास (छ.ग.) 115. प्रकाश माहुरकर, भातखंडे संगीता महाविघालय गली नं. - 2, दयालबंद (छ.ग.), 116. देव प्रसाद श्रीवास, घुरू अमेरी बिलासपुर (छ.ग.), 117. पियुष साहू, देवनगर कोनी बिलासपुर (छ.ग.), 118. श्रीमति प्रियंका यादव, किलावार्ड जूना बिलासपुर (छ.ग.), 119. कु. तान्या राके, शिव घाट सरकण्डा बिलासपुर (छ.ग.) 120. संतोष यादव, जरहाभाठा (छ.ग.), 121. विक्रम राठौर, स्कूल चौक खोखरा जांजगीर (छ.ग.), 122. अंकिता अग्रवाल, कुबेरपारा, नैला (छ.ग.), 123. मलिक राम खरे, 168 शिव मंदिर के पास, बाजार मोहल्ला चण्डीपारा, पामगढ़ (छ.ग.), 124. धनंजय सिंह, नेताजी चौक, जांजगीर (छ.ग.), 125. श्रीमति कविता तिवारी, एम.एल.टी कॉम्पलैक्स, जांजगीर (छ.ग.), 126. अशोक गोयल, नैला जांजगीर चांपा (छ.ग.), 127. जयनंदन नामदेव, भाठापारा नैला जांजगीर (छ.ग.), 128. अंजली तिवारी, तरौद नरियरा बस्तीपारा तरौद (छ.ग.), 129. राजेन्द्र जायसवाल, राजमहल के नीचे, लोहारपारा चांपा (छ.ग.), 130. किशोर कुमार सोनी, वार्ड नं. - 08, सोनारपारा बलौदा (छ.ग.) 131. दीपक कुमार श्याम, कर्रानारा शिवपुर सिल्ली पाली कोरबा (छ.ग.), 132. नसीब खान, मकान नं.-191, सामुदायिक भवन के पीछे, हाउसिंग बोर्ड बाल्को कोरबा (छ.ग.), 133. डेविड राज, शांतिनगर बाल्को (छ.ग.), 134. शिव प्यारी मिश्रा, एल.आई.जी. -43, शारदा विहार, कोरबा (छ.ग.) 135. मालिक राम यादव, सिंचाई कालोनी दर्री थाना के सामने (छ.ग.), 136. श्रीमति पुष्पा भगत, बिरसा मुण्डा नगर वार्ड क्रं.- 31 (छ.ग.), 137. केदारनाथ श्रीवास, गजरासाईड बांकी मोंगरा कोरबा (छ.ग.), 138. मनोज कुमार देवांगन, बुधवारी बाजार सब्जी मंडी कोरबा (छ.ग.), 139. रूबेन प्रकाश, आनंद नगर, भैरोताल कोरबा (छ.ग.), 140. भूमिका यादव, वार्ड क्रं.- 26, मुड़ापारा कोरबा (छ.ग.), 141. मनसुर पेन्टर, खरसिया नाका अंबिकापुर (छ.ग.), 142. अवियान्श दुबे, शिवमंदिर मायापुर अंबिकापुर (छ.ग.), 143. राकेश सिंह, नमनाकला, अंबिकापुर (छ.ग.), 144. जीवर्धन सिंह सिदार, बलरामपुर (छ.ग.), 145. श्रीमति सीमा ठाकुर, मां लक्ष्मी चाय सेन्टल, नमनाकला, अंबिकापुर (छ.ग.), 146. अंजू वर्मा, केदारपुर अंबिकापुर (छ.ग.), 147. खुश्बू ठाकुर, शांतिपारा अंबिकापुर (छ.ग.), 148. दिलेश कुमार वर्मा, हाउिंसग बोर्ड नमनाकला, अंबिकापुर (छ.ग.), 149. शब्बीर आलम, आई.टी.आई कालोनी अंबिकापुर (छ.ग.), 150. प्रीति तिर्की, पण्डोपारा बिशुनपुर (छ.ग.), 151. शिवकुमार दुबे, शंकरनगर धाँगर डीपा, रायगढ़ (छ.ग.), 152. शैलेष कुमार पटेल, दरोगापारा पटेल पारा रायगढ़ (छ.ग.), 153. युधिष्ठिर चौधरी, एल.आई.जी. - 19/20, दिनदयाल कालोनी फेस - 1 रायगढ़ (छ.ग.), 154. श्रीमति रानू रॉय, कोतरा रोड, न्यू विकास नगर, गली नं.- 2 रायगढ़ (छ.ग.), 155 सीताराम चौहान, मामा दुकान बड़े रामपुर (छ.ग.), 156 विजय बहादुर सिंह, केशरवानी हीरो एजेंसी के बगल में जनकपुर, कोरिया (छ.ग.), 157 नरेश कुमार, वेस्ट चिरमिरी पोड़ी कालरी (छ.ग.), 158 रितेश गुप्ता, बाजारपारा, बैकुंठपुर (छ.ग.), 159 शिवम कुमार बैगा, झुमका कालोनी, बैकुंठपुर, कोरिया (छ.ग.), 160 रवि कुमार, हिरीगीर हल्दीबाड़ी, (छ.ग.), 161 गजेन्द्र कुमार दिलीप, वार्ड क्रं. -15, हकीमनगर पंचायत सरगांव मुंगेली (छ.ग.), 162 अतुल वाजपेयी, महामाया वार्ड, सोनारपारा मुंगेली (छ.ग.), 163 रीतिका श्रीवास, बरेला, तखतपुर (छ.ग.), 164 आनंद कुमार आडिल, बिल्हा केशला (छ.ग.), 165 कमाल खान, मरवाही (छ.ग.) **भोपाल संस्करण** - 166. रंजना घोरसे पिता श्याम जी घोरसे, 3/65, अशोका गार्डन, भोपाल (म.प्र.), 167. अशोक साहु पिता नंदकिशोर साहु ग्राम खजूरीकला भोपाल (म.प्र.), 168. शुभम राठौर पिता राजु राठौर, मकान नं. 69 कैलाश नगर, सेमरा, भोपाल (म.प्र.), 169. मोहम्मद नौशाद पिता मोहम्मद शमशुल मकान नं. 165/2, शांति नगर बरखेड़ा पठानी (म.प्र.), 170. हीरापाल पिता ऋषि कुमार पाल मकान नं. 767, नया दशहरा मैदान टी.टी. नगर, भोपाल (म.प्र.), 171. कृष्णदयाल पिता शम्भू दयाल, 24, फाइन एवेन्यु, फेस नं.-1, नयापुरा भोपाल (म.प्र.), 172, गायत्रीबाई पिता मोहन सिंह, 443, ज्योतिबा फुले नगर भोपाल (म.प्र.), 173. जगन्नाथ प्रसाद पिता लक्ष्मण प्रसाद, एच-167, प्रियदर्शिनी नगर, संजीवनी क्लीनिक के पास, चार इमली (म.प्र.), 174. श्रीमती मार्गेट नाथन पति पी.के.नाथन, 185, भारत जे.के.रोड इंद्रपुरी, भोपाल (म.प्र.), 175. एम.एस. ठाकुर पिता मोहन सिंह, ई-3/328, अरेरा कॉलोनी (म.प्र.), 176. सिद्धार्थ बानखेड़े पिता काशीनाथ, मकान नं. 1101, झरनेश्वर मंदिर भोपाल (म.प्र.), 177. प्रेमशंकर कोरी पिता दुर्गाप्रसाद कोरी, एच-26, बागमुगलिया 16 एकड़ भोपाल (म.प्र.), 178. चंद्रप्रकाश मित्तल पिता राधामोहन मित्तल, बंगला 85, बैरसिया रोड (म.प्र.), 179. मुन्नूलाल मिश्रा पिता छेदीलाल मिश्रा, रिलायन्स टॉवर के पास, वार्ड नं. 17, बैरसिया (म.प्र.), 180. ब्रजगोपाल राय पिता भवानीदीन राय, मकान नं. 11, प्रियदर्शिनी नगर, नर्मदा भवन के सामने (म.प्र.), 181. पन्नालाल कोरी पिता श्री भमरलाल कोरी, वार्ड नं. 10, मेला ग्रांउड, अशोकनगर (म.प्र.), 182. आयुष जैन पिता अनूप कुमार जैन, धर्मशाला के सामने ईसागढ़ (म.प्र.), 183. श्रीमती निर्मला जैन पति राजेन्द्र जैन, सुभाषगंज राजा महाराजा साड़ी (म.प्र.), 184. पंकज रघुवंशी पिता गोपाल सिंह, भगत सिंह मार्ग, वार्ड नं.19 (म.प्र.), 185. कल्याणमल सौगानी पिता श्री हरकचंद सौगानी, बजरिया रोड, अशोकनगर (म.प्र.), 186. श्रीमती शकुन्तला अग्रवाल स्व श्री राजकुमार अग्रवाल, बिलाला मिल रोड, अशोक नगर (म.प्र.), 187. पंकज पिता घनश्याम मौर्य, पुरानी तहसील के पीछे, पारायण चौक, राजगढ़ (म.प्र.), 188. भगवान सराठे पिता एन.एल.सराठे, शोभापुर (म.प्र.), 189. ब्रजेश सिंह दांगी, बंटी नगर विदिशा (म.प्र.), 190. श्रीमती हेमलता जाटव, 63, कुम्हारगली विदिशा (म.प्र.), 191. श्रीमती रानी सोलंकी, राजीव नगर, हीरापुर (म.प्र.), 192. श्रीमती सरला चौधरी, चौधरी भवन, विदिशा (म.प्र.), 193. सुरेश कुमार तनवानी पिता सूमागल तनवानी, त्यौंदा रोड, सिंधी कॉलोनी, गंजबासौदा (म.प्र.), 194. बालमुकुन्द रिछारिया पिता रघुवर प्रसाद रिछारिया, लक्ष्मी नारायण मंदिर गली कालाबाग, गंजबासौदा (म.प्र.), 195. मनोज कुमार चौबे पिता संतोष कुमार, वार्ड नं.8, हनुमानगंज कुरवई (म.प्र.), 196. संतोष मित्तल पिता दामोदर मित्तल, मिल रोड, श्योपुर (म.प्र.), 197. गौरव मित्तल पिता लक्ष्मीनारायण मित्तल, गुरूद्वारे के पीछे नियर माता मंदिर, शिवपुरी (म.प्र.), 198. नंदिनी मंगल पति नीलेश मंगल, केशव नगर, ब्लॉक, वार्ड नं. 7, श्योपुर (म.प्र.), 199. कनक टाण्डेल पिता गोविंद टाण्डेल, वार्ड नं. 13, सिरोंज रोड आरोन (म.प्र.), 200. अंजुम बेगम पिता नौशाद खान, ढोगापुरा केंट गुना (म.प्र.), 201. सुरेशचंद्र शर्मा पिता प्रेमनारायण शर्मा, भटट मोहल्ला, बजरंगगढ़, वार्ड नं. 9 जिला गुना (म.प्र.), 202. राजू मेर पिता पन्नाला मेर, मेर मोहल्ला वार्ड नं. 5, चाचौड़ा गुना (म.प्र.), 203. सरोज जैन पिता विनोद कुमार जैन, दादाबाड़ी गुना (म.प्र.), 204. जसवंत सिंह लोधा पिता श्री नारायण लोधा, साई सिटी कॉलोनी, पुरा पोसर रोड, गुना (म.प्र.), 205. दिनेश कुमार शर्मा पिता नंदकिशोर शर्मा पचोर रोड तलेन (म.प्र.) **जबलपुर संस्करण** - 206. रामप्रकाश हल्दकार, गुलवारा (म.प्र.), 207. सृष्टी जैन, संतनगर कटनी (म.प्र.), 208. राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, पहरूआ (म.प्र.), 209. प्रमोद कुमार मिश्रा, विश्राम बाबा कटनी (म.प्र.), 210. आनंद बर्मन, छकोडी लाल बर्मन, बिजयराघवगढ़ (म.प्र.), 211 अरविंद कुमार अग्रवाल, स्व. धनु लाल अग्रवाल, धनपुरी बाजार, आजाद चौक, धनपुरी (म.प्र.), 212. दीपक कुमार गुप्ता, श्री जवाहरलाल गुप्ता, वार्ड नंबर 9, चरण तलैया ब्यौहारी (म.प्र.), 213. श्रीमती जयंती दास, स्व. अजय कुमार दास, पोस्ट बिरसिंहपुर पाली जिला उमरिया (म.प्र.), 214. नंदिनी द्विवेदी, श्री महेंद्र द्विवेदी, लहसुई कैंप, वार्ड क्रमांक 13, कोतमा (म.प्र.), 215. रामकृष्ण तिवारी, श्री लक्ष्मी प्रसाद तिवारी, बारा पत्थर बलिया रोड सिवनी (म.प्र.), 216. महिमा सोनी, श्री मनोज सोनी, शक्ति चौक गाडरवारा (म.प्र.), 217. मोहम्मद राशिद, दुवाली खां, जामा मस्जिद के पास, करेली (म.प्र.), 218. महेश सिंह वरकड़े, श्री गंगा सिंह वरकड़े, रनगिरी पो. चौरई कला, कुण्डम (म.प्र.), 219. देवदत्त बबेले, स्व. सूरत प्रसाद बबेले, गुरु मोहल्ला पाटन वार्ड क्रमांक 7 (म.प्र.), 220. इंद्र कुमार रैकवार, स्व. श्री मिट्ठूलाल, खेरमाई रोड देवरी पनागर (म.प्र.) **रोहतक संस्करण** - 221. धीरज चुटानी सुपुत्र सुंदर चुटानी 2700 सेक्टर 15 पंचकुला (हरियाणा), 222. दिव्या सुपुत्री जगदीश धर्मवीर कॉलोनी जैन स्कूल के पास, घरोंडा, करनाल (हरियाणा), 223 रामदेवी पत्नी रामनिवास रिफाइनरी टाऊनशिप पानीपत (हरियाणा), 224 रविंद्र सुपुत्र श्री किशनलाल कच्चा बेरी रोड, रोहतक (हरियाणा), 225. रूड़मल बंसल सुपुत्र श्री रामप्रताप बंसल सुरेश बुक डिपो गांव व डा. नांगल चौधरी, नारनौल, महेंद्रगढ़ (हरियाणा), 226. दिनेश कुमार सुपुत्र जगत राम, जाखौली (कैथल) (हरियाणा), 227. कृतिका सुपुत्री सुनिल कुमार गां. व डा. फरीदपुर तहसील उकलाना जिला हिसार (हरियाणा), 228. दिपांशी सुपुत्री अमत बागड़ी सुनारिया रोहतक (हरियाणा), 229. जसबींद्र सुपुत्र श्री ताराचंद गांव खांडा खेड़ी, हांसी हिसार (हरियाणा), 230. भूप सिंह सुपुत्र दूली चंद गांव व डा. बलंभा तहसील महम, रोहतक (हरियाणा), 231. साहिल शर्मासुपुत्र भगवत दयाल 1909 अशोक विहार विजय पब्लिक स्कूल के पास आजाद नगर, हिसार (हरियाणा), 232. सुशीला देवी पति अजीत सिंह, इ- 507, गुलमोहर सिटी कैथल, सेक्टर-29, (हरियाणा), 233. उमेश राजपूत सुपुत्र श्री वेदप्रकाश, दीप नगर, कैंची चौक, म.नं. 7 रायपुर रोड, हिसार (हरियाणा), 234. रामिबलास बंसल श्री कन्हैया लाल बंसल रामिवलास किरयाणा स्टोर, नहेला पावड़ा रोह, भूना फतेहाबाद (हरियाणा), 235. बलबीर सिंह सुपुत्र स्व. श्री सूरजभान गांव व डा. कनीना तहसील कनीना महेंद्रगढ़ (हरियाणा), 236. महेंद्र पुरूथी सुपुत्र ज्ञानचंद 914/15 पाडा मोहल्ला रोहतक (हरियाणा), 237. कपिल सुपुत्र अशोक गांव कादमा बाढ़ड़ा, चरखी दादरी (हरियाणा), 238. नवरतन डेयरी मोहल्ला नियर पानी बूस्टर रोहतक (हरियाणा), 239. हरिंद्र सिंह सुपुत्र होशियार सिंह, न्यू विजय नगर रोहतक (हरियाणा), 240. रामनिवास शर्मा पुत्र श्री दियाली राम, डी-1064 रिफाइनरी टाउनशिप पानीपत (हरियाणा), 241. जयिकशन अत्री सुपुत्र श्री रामचंद्र गां. व डा. किलोई दो पाना, रोहतक (हरियाणा), 242. प्रतिभा पत्नी श्री शिव कुमार को.को. बगड़ी, मैन बाजार, जींद (हरियाणा), 243. सतपाल सुपुत्र खैरातीलाल मैन बाजार, घरोंड़ा, करनाल (हरियाणा), 244. उमेश कुमार सुपुत्र राजकुमार, पताः कतबपुर, दीवाल (कैथल) (हरियाणा), 245. मुन्शी राम सुपुत्र पुर्ण पताः रणजीत ऑटो इलेक्ट्रिक वर्क्स, नागंल चौधरी, 246. रोहताश मलिक सुपुत्र नूरा फैमिना टेलर रेलवे रोड, सफीदों, जींद, 247. नरेश कुमार सुपुत्र रणसिंह गणेश कॉलोनी, नसीबपुरा नारनौल, महेंद्रगढ़, 248. सुरेंद्र सिंह सुपुत्र दयानंद सिंह म.नं. 169/1 सैनिक कॉलोनी रोहतक (हरियाणा), 249. तनीषा शर्मा सुपुत्री श्री विरेंद्र शर्मा रामनगर गली नं. 10, नरवाना जींद, 250. ऊषा देवी पत्नी रोहतास गांव व डा. गतौली तहसील जुलाना, जींद, 251. अनिल कुमार सुपुत्र मान सिंह फौजी ढाणी कुम्हारों वाली, हांसी, हिसार, 252. सचिन कुमार सुपुत्र राजेंद्र कुमार गांव तोवड़ा, अटेली, महेंद्रगढ़, 253. नीरज सुपुत्र राजकुमार शास्त्री नगर गली नं. 10 भिवानी, 254. रामबीर सिंह सुपुत्र श्री महासिंह गांव व डा. सुन्दरपुर रोहतक, 255. नेहा देवी सुपुत्री श्री जसविंदर सिंह, वी.पी.ओ पबनावा तहसील ढांड, 256. सुबेसिंह सुपुत्र श्री सदारा राम गांव व डा. भौंगरा तहसील उचाना, जींद, 257. आनंद मित्तल सुपुत्र साधु राम, वार्ड न. 1 सीता नगर, रेलवे रोड कलायत, 258. कमलेश शर्मा धर्मपत्नी राजकुमार शर्मा208/19 एकता कॉलोनी, रोहतक, 259. चंचल गुप्ता सुपुत्री गीता देवी म.नं. 3448 सोमदत्त सैकट्री, बड़ा तालाब रेवाड़ी, 260. श्याम सुंदर सुपुत्र श्री गोपाल राम रेलवे रोड, कॉपरेटिव बैंक के पास महेंद्रगढ़, 261. धर्मबीर सुपुत्र श्री मान सिंह म.नं. 8 मेहम खाण्ड की मंडी रोहतक, 262. रघवीर सिंह सुपुत्र श्री धूप सिंह गांव राखी खास, खेड़ी लोचब, हिसार, 263. रोहताश सुपुत्र श्री रामचंद्र गांव दौलतपुर तहसील उकलाना जिला हिसार, 264. श्री अशोक कुमार सुपुत्र श्री रामानंद अरम नगर, पो. धारन, तह. बावल, रेवाड़ी, 265. श्रीमति ललिता देवी पत्नी श्री सतीश कुमार, 194/16, ब्रह्म नगर, विशाल नगर गली नं. 1, सोनीपत, 266. श्री ओमप्रकाश सुपुत्र श्री महाबीर प्रसाद, मोहित साड़ी शोरूम, तह. अटेली, महेन्द्रगढ़, 267. श्री धर्मपाल मलिक सुपुत्र श्री दरियाव सिंह, शास्त्री नगर, गली नं. 4, गोहाना रोड, सोनीपत, 268. श्री रामनिवास सोनी सुपुत्र श्री मांगेराम, मकान नं. 2012, सेक्टर-14, हिसार, 269. श्री राहुल सुपुत्र श्री विजय, गांव व डा. मेहड़ा, तह. चरखी दादरी, भिवानी, 270. श्री नरेश कुमार सुपुत्र श्री ताराचंद, गांव पाली, रेवाड़ी, 271. श्री नरेंद्र सिंह सुपुत्र श्री महेन्द्र सिंह, कोंल रोड, गली नं. 4, शांति नगर, भिवानी, 272. श्री मनीष सुपुत्र श्री इंद्र सिंह, म. नं. 828/29, गली नं. 1, देव नगर, सोनीपत, 273. श्री राजकुमार सुपुत्र श्री राधेश्याम, गांव मो. पालतीयान नीयर गुरुद्वारा. तह. नारनौल, महेन्द्रगढ़, 274. श्री अनुराधा खैरवाल सुपुत्र श्री ईश्वर सिंह, गांव खेड़ा, तह. कनीना, महेन्द्रगढ़, 275. श्री हुकम चन्द सुपुत्र श्री लाल सिंह, गांव जाहिदपुर, तह. कोसली, रेवाड़ी, 276. श्री जॉनी भाटिया सुपुत्र श्री विशम्बर दास, मकान नं. 159, लाजपत नगर, हिसार, 277. श्री राधेश्याम सुपुत्र श्री हजारी लाल, गांव व पोस्ट नंदराम पुरबास, तह. धारूहेड़ा, रेवाड़ी, 278. श्री पारस मेहत्ता, दीपा मेहत्ता, सुपुत्री श्री दर्शन लाल मेहत्ता, वार्ड नं. 12, रामचौक, तह. खरखौदा, सोनीपत, 279. पंडित बिजेन्द्र सिंह सुपुत्र पंडित शेर सिंह, गांव बडवासनी, काद्याण पाना, सोनीपत, 280. श्री सोमवीर सुपुत्र प्रभाती राम, गांव व पो. टिगराना, भिवानी।

शेष विजेताओं की सूची अगले अंक में देखें

17- APR- K&C- MAIN- Pg- 8 CLASSI-VAYPAR_Layout 1 4/18/2024 12:33 AM Page 1

छत्रपति शिवाजी ने भारत के स्वाभिमान को जगाया

हरिद्वार। शक्ति, मर्यादा व साधना का महापर्व चैत्र नवरात्रि व रामनवमी के उपलक्ष्य में वेदधर्म व ऋषिधर्म के संवाहक परमपूज्य योगऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज के 30वें संन्यास दिवस के पावन अवसर पर परम पूज्य स्वामी श्री गोविन्ददेव गिरि जी महाराज के श्रीमुख से हिन्दवी स्वराज के प्रणेता छत्रपति शिवाजी महाराज की यशोगाथा "छत्रपति शिवाजी महाराज कथा'" का समापन पतंजलि विश्वविद्यालय के सभागार में हुआ। पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज व श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने सभी देशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएँ दीं और व्यासपीठ को प्रणाम करते हुए पूज्य गोविन्ददेव गिरि जी महाराज से कथा प्रारंभ करने का अनुरोध किया। "छत्रपति शिवाजी महाराज कथा" के समापन अवसर पर पूज्य स्वामी गोविन्द देव गिरि जी महाराज ने कहा कि रामायण और महाभारत के सभी गुणों को एकत्र करने पर जो समुच्चय बनता है, वह शिवाजी महाराज हैं। एक हजार वर्ष को गुलामी के पश्चात छत्रपति शिवाजी महाराज पहले व्यक्ति थे जिन्होंने भारत के स्वाभिमान को जगाया, अखिल भारत का विचार किया। उनका दृष्टिकोण था कि हमारे सभी तीर्थ मुक्त होने चाहिए और हिन्दुत्व का स्वाभिमान हम सबके भीतर जगना चाहिए। उनके द्वारा स्थापित हिन्दवी सामाज्य के 350 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं और मेरी वर्षों की इच्छा थी कि रामायण, भागवत आदि कथाओं की भाँति छत्रपति शिवाजी महाराज की भी कथा होनी चाहिए ताकि लोगों को सदाचार, पुरुषार्थ और राष्ट्रीय भावना का निरंतर संदेश मिलता रहे। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज को कथा के आयोजन के लिए स्वामी रामदेव जी व पतंजलि परिवार का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हिन्दु सामाज्य वर्ष को 350 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं जिसका वर्ष भर उत्सव चलेगा, इसका आरम्भ छत्रपति के अंश बने स्वामी रामदेव जी के द्वारा पतंजलि योगपीठ से होने पर हमें गर्व है। कार्यक्रम में स्वामी रामदेव जी महाराज ने कहा कि इस कथा का उद्देश्य शिवाजी महाराज ने जो शौर्य, पराक्रम तथा प्रचण्ड पुरुषार्थ किया वही प्रचण्ड पुरुषार्थ देश के लोगों में गौ-माता, भारत माता की रक्षा व अखण्ड भारत के निर्माण के लिए जगे।

हाथी ब्रांड कच्ची घानी तेल के नये गोदाम का शुभारंभ

रायपुर। बीपी ऑयल मिल (हाथी मार्का मस्टर्ड ऑयल) ने अपने सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के ग्राहकों एवं डीलरों को और बेहतर सेवा देने हेतु डूमरतराई (जिला-रायपुर) में अपने नये गोदाम का शुभारंभ पूरे विधि-विधान से किया। इस अवसर पर आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बी.पी.ऑयल मिल के निदेशक राघव भगत ने बताया कि हाथी मस्टर्ड ऑयल अपने साथ पीढ़ियों की विरासत और बिना समझौते के गुणवत्ता का वादा करता है। इसे बेहतरीन क्वॉलिटी के मस्टर्ड से पूरी देखभाल और सटीकता से तैयार किया जाता है। श्री राघव भगत ने हाथी मस्टर्ड ऑयल में हमारा मिशन हमेशा अपने ग्राहकों को बेहतरीन और सबसे प्रामाणिक उत्पाद प्रदान करना रहा है, खासकर इस त्यौहारी/शादियों के सीजन के दौरान हर किसी की स्वस्थ जीवनशैली का हिस्सा बनाना हमारा मकसद है। उन्होंने बताया कि कच्ची घानी सरसों का तेल वैज्ञानिक अनुसंधान द्वारा प्रमाणित है। हाथी ब्रांड कच्ची घानी सरसों का तेल मोनोअनसैचुरेटेड फैटी एसिड के प्रचुर भंडार के रूप में कार्य करता है, जो एलडीएल (खराब) कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने, रक्त में वसा के स्तर को प्रबंधित करने और रक्त परिसंचरण को बढ़ावा देने में सहायक है। सरसों के तेल के नियमित सेवन से हृदय स्वास्थ्य में काफी सुधार हो सकता है और हृदय संबंधी बीमारियों का खतरा कम हो सकता है।

*** नई दिल्ली।** उद्योगपति गौतम अदाणी के परिवार ने अंबुजा सीमेंट्स में अतिरिक्त 8,339 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे कंपनी में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 70.3 प्रतिशत हो गई। इस कदम से सीमेंट कंपनी की विनिर्माण क्षमता को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि अदाणी परिवार ने इससे पहले 18 अक्टूबर 2022 को कंपनी में 5,000 करोड़ रुपये और 28 मार्च 2024 को 6,661 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है।
आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे हैं?
चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo- 9826782100

Education
INSTITUTIONS
SACHDEVA NEW R.T. COLLEGE
RAIPUR : 0771-4080090
BHILAI : 0788-2261687
FREE* CRASH COURSE
NEET/PAT
JEE
EFFECTIVE STUDY MATERIAL
BEST RESULTS
BEST FACULTY
MEDIUM : ENG./HINDI
SUMMER/REGULAR COURSE
X-XI-XII
CBSE/CG BOARD

आवश्यकता है

आवश्यकता है-ऑफिस में टेलीकॉलिंग में कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है उम्र 18 से 35वर्ष तक सैलरी 5000 से 20000 तक सुनहरा अवसर सम्पर्क करें- बिलासपुर 6266328817, 62649 79081 **(33777)**

आवश्यकता है-हार्डवेयर दुकान में कार्य हेतु दो स्थानीय मेहनती नवयुवकों की आवश्यकता है जो मन लगाकर काम कर सकें सम्पर्क करें- शंकर आयरन B-8 काशी परिसर सीएमडी कॉलेज के पास बिलासपुर **(33764)**

आवश्यकता है-महिला-कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) पुरुष- मेडिकल मशीन सेल्स सर्विस इंजीनियर (अनुभव अनिवार्य नहीं), गार्ड रात+ 1 डॉग हेतु। वेतन 12000- 25000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम, भरत निवास, MIG-70, नेहरू नगर, बिलासपुर 79747 48697 **(33767)**

आवश्यकता है-JCB मशीन आपरेटर की यदुनन्दन नगर तिफरा बिलासपुर में लोकल कार्य हेतु डेली या मासिक वेतन पर रखना है सम्पर्क करें- रविन्द्र पाटनवार 9753311111 **(33766)**

आवश्यकता है-दुकान में काम करने हेतु लड़के चाहिए पता- रश्मि बैग हाउस होटल अजीत के पीछे, मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा, बिलासपुर एवं तेलीपारा मेन रोड, ICICI बैंक के पास, बिलासपुर 9300098123, 9669780002 **(33768)**

आवश्यकता है-कपड़े शोरूम में कार्य हेतु लड़के लड़कियां चाहिए लड़कियों हेतु आफिस टाइम काम करने की सुविधा वेतन 6000 से 9000 पता-न्यूलुक कलेक्शन बृहस्पति बाजार चौक के पास, बिलासपुर 7489046421 **(33567)**

आवश्यकता है-मेडिकल एजेंसी में दवा निकालने और सप्लाई करने हेतु वर्कर (पुरुष) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9926817848 , 99268 19833 **(33776)**

आवश्यकता है-स्कूल में ऑफिस बॉय एवं प्यून की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 9बजे से दोपहर 2बजे तक संस्कार स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र के सामने, बाजार के पास, उसलापुर, बिलासपुर 96912 59615, 7440549466 **(33769)**

आवश्यकता है-सिविल कार्य हेतु अनुभवी साइट सुपरवाइजर इंजीनियर चाहिए सम्पर्क करें- दोपहर 1 से 2बजे, मोबाइल से सुबह 10 से शाम 6बजे, रियल हैवेन्स साइट आफिस मंगला चौक बिलासपुर 99930 67464, 9111853000 **(33774)**

आवश्यकता है-दुकान कार्य हेतु सेल्समेन एवं माल पैकिंग कार्य हेतु लड़के लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- कैलाश श्रेड हाउस सरजू बगीचा रोड तेलीपारा एवं काली मंदिर के पास खपरगंज रोड तेलीपारा बिलासपुर **(33770)**

आवश्यकता है-रायपुर रोड, भोजपुरी टोल नाका के पास ग्राम मोहदा मोड़ (बिलासपुर) में स्थित 2 एकड़ के फार्म हाउस में कार्य करने के लिए किसान परिवार की आवश्यकता है जो खेती एवं सब्जी उगाने के कार्य के अच्छे जानकार हो। रहने हेतु घर बिजली पानी की सुविधा। सम्पर्क करें- 8305231923, 7987797768 **(33752)**

आवश्यकता है-दवाई दुकान में काम करने के लिए लडको एवं लड़कियों की आवश्यकता है समय सुबह 9:30 से रात 8:30 सम्पर्क करें- 78697 97088 **(33780)**

आवश्यकता है-ट्रेन्ड नर्स व कम्पाउन्डर की आवश्यकता है संपर्क करें जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड, नं.-2 बिलासपुर 99819 70583 **(33750)**

आवश्यकता है-निष्कर्ष पैथोलैब में रिसेप्शनिस्ट/ कम्प्यूटर ऑपरेटर चाहिए। सम्पर्क समय 1 से शाम 6बजे प्रथम तल, डॉ. अग्रवाल एक्स-रे क्लीनिक के ऊपर, जूनीलाइन, संतोष लॉज के बगल में, बिलासपुर 90988 68625, 8817674253 **(1509)**

आवश्यकता है-ग्वालियर में रहकर ऑफिस कार्य, टेलीकालिंग हेतु 20 से 30वर्ष के लड़के चाहिए सैलरी 7000+ कमीशन+ बोनस से कमाए 15000 से 20000 पता- हरिओम कालोनी मुरार ग्वालियर (म.प्र.) 95751 23961, 7024944405 **(33778)**

आवश्यकता है-होलसेल दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़के की आवक्सकता है सम्पर्क करें- के. एस. एजेन्सीज मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर **(3142)**

आवश्यकता है-घर में रहकर तीन साल की बच्ची की देखभाल करने के लिए योग्य एवं अनुभवी लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- उसलापुर बिलासपुर 93003 32030 **(33765)**

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर, रायगढ़ में सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर, गनमैन की आवश्यकता है PF, ESIC, मेडिकल आवास सुविधा फ्री पता- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी सर्विस राजेंद्र नगर बिलासपुर 9300803366, 9109930584 **(33773)**

Vacancy-At Real Estate Bilaspur Project Manager-2 (Exp 10-15 yrs) Sr. Engineer-4 (Exp 8-10 yrs) Jr. Engineer-6 (Exp 4-5yrs) Supervisor-6 (Exp 2-5yrs) (BE/ B.Tech/ Diploma in Civil) Contact- 7970010958 **(33772)**

आवश्यकता है-फुटवियर शॉप हेतु अनुभवी, शिक्षित, सेल्समेन सेल्सगर्ल की काम सेल्समैनशिप, एकाउंट (टैली, बिजी) हेतु बॉयोडाटा सहित सम्पर्क- चरण स्पर्श शूमॉल रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने बिलासपुर 93003 00333, 07752407333, 9171171700 **(33771)**

आवश्यकता है-कार शोरूम बिलासपुर में इच्छुक गार्ड कार्य करने हेतु गार्ड की आवश्यकता है जिनकी उम्र 35 से 50 के बीच हो संपर्क करें- 99816 30084 **(2674)**

आवश्यकता है-फैक्ट्री हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 12000 से 19000 तक PF+ ESI+ Bonus+ रहना फ्री, मेस की सुविधा 8वीं से स्नातक वेतन प्रतिमाह 7तारीख को संपर्क करें- शिव सेक्युरिटी सर्विस, शॉप नं.-28, प्रथम तल कमला सुपर बाजार, तेलघानी नाका चौक, रायपुर 07714036689, 8120957510, 97703 04037 **(1185)**

SURYA PRAKASH MEMORIAL PUBLIC SCHOOL, SANAWAL
DIST. BALRAMPUR-RAMANUJGANJ
WALK IN INTERVIEW
TEACHERS -TGT&PGT 9TH TO 12TH CLASSES
For Eng./Phy./Chem./Maths/ Accounts/ Social Sci. Comp.Sci./ Sports Teacher M.A/M.Com/M.Sc/B.Sc CS/ BCA Degree or Diploma in Music /B.PED /M.PED or equivalent degree
Librarian /Lab Instructor
B.Lib.Sc./Certi.or Diploma in Lab technique,
Office Clerk
Graduate and Diploma in Computer Application,
Security Guard/ Sweeper/ Gardner-10th /12th- Pass
Teaching staff must be proficiency in English, persuing B.Ed can also apply. Interested candidate attend Walk-in-Interview on 11-5-2024, Saturday at School Campus at 11-30 AM with passport size photo, photocopy of mark-sheet along with all Originals Certificates. Min. 03 year work experience . Ph.: 9617770543, 9827979297, email id: spmphs2008@gmail.com

आवश्यकता है-मूर्ति दुकान में काम करने हेतु चार मेहनती युवक एवं एक कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- जयपुर मूर्ति भंडार संजोग वाटिका के पास अशोक नगर सरकंडा बिलासपुर **(33761)**

आवश्यकता है-ईरिक्शा चलाने के लिए पढ़े लिखा ड्राइवर एवं दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- भारत बैग हाउस में रोड तेलीपारा बिलासपुर **(33756)**

आवश्यकता है-टेलीकॉलिंग हेतु लड़कियों की आश्यकता है वेतन 10000 से 20000 कमाने का अवसर सम्पर्क करें- जोरा तालाब, अथर्व हॉस्पिटल के पास सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 6267043274 **(33762)**

आवश्यकता है-पेंट्स दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी एवं फ्रैशर लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- शुभ्रा सेल्स सीपत चौक सरकण्डा बिलासपुर 8839270894 **(33759)**

आवश्यकता है-अकाउंटेंट की आवश्यकता है जिसे टैली/ बिजी चलाना आता हो सम्पर्क करें- संजय अपार्टमेंट, ICICI बैंक के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर 9179991222 **(379)**

आवश्यकता है-फील्ड में कार्य करने के लिए (केवल पुरुष) स्टाफ की आवश्यकता है। समय- सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक वेतन- 8000/- सम्पर्क करें- सीएमडी चौक बिलासपुर 9695644325, 7389504106 **(33751)**

आवश्यकता है-नया दवाई दुकान खोलने के लिए जिसे फार्मासिस्ट की आवश्यकता हो सम्पर्क करें- 9926127230 अशोक कुमार चंचलानी **(33757)**

आवश्यकता है-रेडिमेड (मेन्स वियर) दुकान में काम करने के लिए हेल्पर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- शगुन मेन्स वियर सिम्स के सामने मेनरोड बिलासपुर **(33737)**

आवश्यकता है-चुस्की चाय में पैकिंग कार्य हेतु लेडिस/ लड़कियों की और लेबर कार्य हेतु पुरुष की जरूरत है। संपर्क करें एसबीआई एटीएम के सामने आकृति विहार अम्लीडीह रायपुर सम्पर्क करें- 7469980000, 077140 75490 **(1189)**

Required-Teachers Required A renowned private school at Lormi requires teachers for A. Maths 2post, B. English 3post Fluency in English is must. C. Librarian 1post (M Lib)D. Commerce 1post E. Sanskrit 1post Salary is no bar for deserving candidates. Contact- 62639 34034, 8349506457 **(33710)**

आवश्यकता है-एरिया ऑफिसर, सुरक्षा सुपरवाइजर, सुरक्षागार्ड, वेतन 13500 से 20000 तक PF+ ESIC+ Room पता- फ्लाइंग ग्रुप सिक्योरिटी सर्विसेज अवधपुरी भाटागांव रायपुर 9826133839, 96856 71717, 9755784756 **(2669)**

आवश्यकता है-ऑल छत्तीसगढ़ ऑफिस कार्य वेल्डर, कटर, फीटर हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, ड्राइवर, इलेक्ट्रीशियन, चपरासी, गार्ड, सुपरवाइजर, स्टोर कीपर न्यूतम योग्यता 5वीं वेतन 12000 से 40000 परमानेंट कंपनी हेतु सम्पर्क- सीपत 9111965184 **(33736)**

आवश्यकता है-छत्तीसगढ़ से बाहर आगरा में रहकर आफिस कार्य हेतु 10/12वीं ग्रेजुएट 18-28 वर्ष के अविवाहित लड़के चाहिए वेतन 7000+कमीशन+ बोनस रहना खाना पता- जयपुर हाउस कॉलोनी आगरा यूपी 9759466366 **(33779)**

आवश्यकता है-आर्टिफिशयल ज्वेलरी शॉप में कार्य करने हेतु सेल्सगर्ल/ सेल्समेन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- संध्या ज्वेलरी एण्ड कास्मेटिक, पानी टंकी के पास श्रीराम क्लाथ मार्केट, अग्रसेन चौक बिलासपुर 9691083080, 79874 23847 **(33684)**

आवश्यकता है-रेडीमेड सलवार सूट, साड़ी शोरुम में अनुभवी सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, फोल्डर, कम्प्यूटर आपरेटर (बिजी साफ्टवेयर) चाहिए। वेतन 5000 से 20000 सम्पर्क करें- प्रकाश डिजाइनर स्टूडियो, श्रीराम मार्केट, बिलासपुर 8319134866, 7869448240 **(33680)**

आवश्यकता है-कम्प्यूटर ऑपरेटर (हिन्दी, इंग्लिश टाइपिंग, ऑनलाइन टेन्डर संबंधी कार्य का 2वर्ष अनुभवी) सुरक्षागार्ड, खाना बनाने वाली चाहिए। पता- एक्सपर्ट सिक्युरिटी सर्विस, जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 9301186703, 8253010291, 8815151982 **(33546)**

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित प्रतिष्ठित कम्पनी में स्कॉर्पियो तथा अन्य फोर व्हीलर चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है योग्यता 10वीं, 12वीं, ड्राइविंग लाइसेंस के साथ सम्पर्क करें- 9589000671 **(15930)**

आवश्यकता है-दुकान में काम करने, सामान पैक करने, लाने लेजाने हेतु डिलीवरी ब्वाय चाहिए योग्यता 12वीं, वेतन 8000, पता- मातुश्री ट्रेडिंग कम्पनी, गुम्बर पेट्रोल पम्प के सामने, व्यापार विहार रोड, बिलासपुर **(0022)**

आवश्यकता है-हेल्थ सेक्टर में करियर बनाएं 8/10/12वीं फेल लड़कों/ लड़कियों ना हो निराश मेडिहब्स होम हेल्थ केयर से जुडकर कमाएं 8000 से 25000 प्रतिमाह+ रहना फ्री रजिस्ट्रेशन हेतु सम्पर्क करें- ऑफिस रायपुर 77720 111224 **(3919)**

आवश्यकता है-शॉप में कार्य हेतु मेहनती लड़का चाहिए योग्यता 12वीं समय सुबह 10 से रात 8.30 तक सम्पर्क करें- मोटवानी होटल एंड किचन वेयर्स नियर दीनदयाल गार्डन व्यापार विहार बिलासपुर 9329477657 **(33749)**

आवश्यकता है-सेल्स कार्य के लिए पढ़े लिखे युवक की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- बजाज स्टोर्स, मदीना मस्जिद गली, गोल बाजार सिन्धी धर्मशाला के पास बिलासपुर **(33744)**

आवश्यकता है-2 लड़के की आवश्यकता है 1 टेली एवं शेयर मार्केट में कार्य का अनुभव हो) 2 आफिस कार्य के लिये सम्पर्क करें- बहतराई रोड 7089666594, 88010 39000 **(33738)**

आवश्यकता है-मेट्रोमोनी में टेलीकॉलिंग कार्य हेतु 18 से 35वर्ष की लड़कियां, महिलाएं चाहिए वेतन 5000, ट्रेनिंग पश्चात 20000 तक कमाने का अवसर,अनुभवी एवं फ्रेशर दोनों सम्पर्क करें- व्यापार विहार बिलासपुर 74703 28986 **(33748)**

आवश्यकता है-आफिस कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्कता है योग्यता 10वीं, 12वीं पास सम्पर्क करें- दुकान नम्बर सी-9, वृन्दावन प्लाजा पोस्ट ऑफिस के पास नेहरू चौक बिलासपुर 93400 01980 9907990408 **(33760)**

आवश्यकता है- वेटर/ झाड़ पोछा सफाई कर्मचारी की तत्काल आवश्यकता है वेतन 8000 या योग्यता अनुसार ग्रामीणों को रहना खाना निःशुल्क। सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 9406390898 **(33667)**

आवश्यकता है-घरेलु कार्य करने हेतु कम से कम 5वर्ष अनुभवी वाला परिवार पति पत्नी (जिनके बच्चे साथ में न रहते हो) या अकेले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8448107841, 93027 08416 **(3960)**

आवश्यकता है-बुकिंग में कार एवं इनोवा चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। न्यूनतम अनुभव पांच वर्ष। वेतन 11000+ 100 रुपये भत्ता+ 100 रुपये नाईट। सम्पर्क करें- सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स, बिलासपुर 9755440437 **(33694)**

आवश्यकता है-रायपुर लिमिटेड कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर हेतु हाईट 5फीट 6इंच, 4फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहना, खाना फ्री वेतन 10000 से 15000 सम्पर्क करें- 8109070600, 7869230888 **(2628)**

आवश्यकता है-UTN Shop में मार्केटिंग कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 8000 से 12000 पता-FS16, प्रथम तल, सीएलसी प्लाजा, मंगला चौक बिलासपुर 79995 94790, 7806007192 **(33690)**

बेचना

बेचना है-टू-व्हीलर वाहन ट्रक से उतारने के लिए लोहे का रेम्प बेचना है सम्पर्क करें- गुप्ता डेयरी सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 9039688888 **(33763)**

बेचना है-गणेश वैली से लगे मां शारदा विहार कालोनी मोपका में 40×60 का सर्व सुविधा युक्त डाइवर्टेड प्लाट 30 फीट सीसी रोड पर बेचना है। ब्रोकर क्षमा। सम्पर्क करें- 7999323663, 79993 19004 **(33682)**

बेचना है-यदुनंदन नगर में 3bhk, सर्व सुविधा युक्त नया मकान रेडी में, मोपका बाई पास बिरला स्कूल नगोई मुख्य मार्ग से 50 मीटर साईड रोड पर एक एकड़ प्लाट, व यदुनंदन नगर सेक्टर- डी 80 फिट रोड में कॉमर्शियल एवं आवासीय सर्व सुविधा युक्त प्लाट, एवं सैदा में 0.76 एकड़ प्लाट बेचना है। संपर्क- 72411 11402, 917489244588 **(2672)**

बेचना है- उषा लता काम्प्लेक्स में किम्स हॉस्पिटल के सामने फर्स्ट फ्लोर फ्रंट साइड 650 फुट एवं नीचे दुकान नं.-3 साइज 200 फुट बेचना है सम्पर्क करें- 7582982000, 89649 80000 **(33706)**

बेचना है-नवरात्री पर्व पर विशेष छूट पर प्लाट बसन्ती विहार कॉलोनी नूतन चौक सरकण्डा बिलासपुर में बेचना है कृपया खरीददार ही सम्पर्क करें- 6263908006, 70005 89595 **(33740)**

बेचना है-जेपी विहार मंगला 2100 वर्गफुट प्लाट एरिया में भूतल प्रथम तल पर 2400 वर्गफुट निर्माण, श्रीराम पार्क तिफरा 1350 वर्गफुट प्लाट में 2बीएचके मकान बेचना है 8120175970 **(33775)**

बेचना है-राजेन्द्र नगर सिटीमेन टेलर के सामने गली में तीन मंजिला मकान बेचना है (इसमें प्रतिमाह 25000/- किराया आ रहा है) केवल लेनदार ही सम्पर्क करें- 7489388833, 86021 03730 **(33753)**

बेचना है-DPS स्कूल, बस स्टैण्ड बिलासपुर से 1.5km, GST Office से लगा। 80' चौड़ी घुरु अमेरी रोड पर नवनिर्मित वीनस अपार्टमेंट में सर्वसुविधायुक्त 2/3BHK फ्लैट्स सेल/रेंट पर उपलब्ध, सम्पर्क- 9340090620, 7898918151 **(33424)**

बेचना है-बिलासपुर मंगला धुरीपारा Govt इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास मेनरोड से आधा किमी की दूरी पर सर्वसुविधायुक्त 3बीएचके डुप्लेक्स मकान 26लाख में बेचना है प्लॉट साइज 25×50 सम्पर्क करें- 7415087900, 9329940681 **(2606)**

बेचना है-विनोबा नगर में टिप टॉप कंडीशन में फर्स्ट फ्लोर में सर्व सुविधा युक्त फ्लैट अति शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9827938236, 9131452265 **(33746)**

बेचना है- नगर निगम में 8लाख में मंगला में T&C RERA प्लॉट, 3BHK मकान नेचर सिटी में 52लाख, आसमा सिटी-1 सकरी रेडी मकान 34लाख, 95% बैंक लोन सुविधा। सम्पर्क करें- 7000297197, 91794 34551 **(33605)**

बेचना है-सकरी शहर के मध्य पक्की रोड से लगी हुई 12x18 की ग्राउंड फ्लोर में 2-दुकान, 12x18 की फर्स्ट फ्लोर में 2दुकान तथा 10x14 एवं 10x8.5 कुल 225 का खुला प्लॉट बटालियन चौक, नया बाजार के पास सकरी में बेचना है संपर्क करें- क्रांतिलाल साहू 9329646270 **(2667)**

शैक्षणिक

मेडिकल प्रवेश-12वीं पास (बायो) विद्यार्थियों व जनरल प्रैक्टिशनल चिकित्सको के लिए छत्तीसगढ़ नर्सिंग एक्ट के तहत पंजीयन व छत्तीसगढ़ शासन में पंजीयन के लिए मान्यता प्राप्त कोर्स में प्रवेश प्रारंभ है संपर्क करें- संजीवनी कॉलेज ओम परिसर, आर्य नगर दुर्ग (छ.ग.) 07884 060006, 9893579048 **(6059)**

किराया

किराया-अल्का एवेन्यू उसलापुर स्थित सर्वसुविधा युक्त स्वतंत्र 2BHK मकान किराए से देना है। शासकीय/ अर्ध शासकीय कर्मचारी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 7999323663, 799931 9004 **(33681)**

किराया-मोपका चौक में 7000 वर्गफुट का प्लाट बाउंड्री वाल युक्त मार्बल/ कार/ स्टील के कार्य हेतु उपयुक्त एवं मसानगंज सरजू बगीचा में मकान किराये से देना है सम्पर्क करें- 9893470141 **(33758)**

ज्योतिष

ज्योतिष-नारायण शास्त्री फ्री सेवा घर बैठे समाधान 73472 59119 प्यार में धोखा, वशीकरण, सौतन दुश्मन छुटकारा लव मैरिज, रूठें मनाना, ग्रह कलेश, किया कराया, दवाई ना लगना, कारोबार, प्रेमी पति संतान अनबन (समस्या कैसी भी जड़ से खत्म) 7347259119 **(12599)**

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि मे प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जांच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये गये किसी भी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

MedicareSpecialists

हर्पिस रोग एक लाईलाज बीमारी
इस समय सभी उम्र के स्त्री पुरुषो में एक न्यूरोट्रापिक हर्पिस वायरस देखे जा रहे है, रोग अधिक बढ़ जाये तो यह शरीर के अंग को लकवा मारने जैसा अपंग या सूत्र कर देता है। इसे कोई साधारण गोली दवा मोबाइल इत्यादि देख कर डॉ. के बिना खुद ईलाज ना करें। स्त्री-पुरुष के गुप्तांग (योनि एवं इन्द्रिय) मे दाने छाले फून्सी, लाल होना फटना, जलन व दर्द योनि मे खुजली एवं सफेद लाल व बदबूदार पानी, बुखार जैसा लगते रहना मुँह में छाले, शरीर में पानी भरे फफोले दर्द एवं जलन, गुप्तांग से पीप (पस) जाना शरीर में खुजली होते हो तो यह हर्पिस रोग होने की संभावना है। अतः खुन से हर्पिस रोग की जाँच कराये समझ मे ना आये तो तुरंत संपर्क करे। इसकी स्थायी चिकित्सा केवल रस रसायन मे ही है। अंग्रेजी दवा से यह ठीक नहीं हो सकता।
यौन समस्या :
इन्द्रीय का शिथिल होना वीर्य का पतलापन या नहीं बनना मधुमेय जन्य नपुंसकता, नसों की सिकुडन, इरेक्टाइल डीसफंक्शन, लिंग का लकवा (पेनाइल पैरालाइस) शीघ्र पतन, स्वप्न दोष, उत्तेजना की कमी, हस्तमैथुन जन्य नपुंसकता, मूत्र मार्ग से सफेदी जाना, जलन ऐसे होते हो तो ध्यान रहें उपरोक्त बीमारियों का स्थाई ईलाज केवल आयुर्वेद के रस रसायन में ही है।
बायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर सेंटर आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच.सी.अग्रवाल (एम.डी.)
डॉ. वी. के. अग्रवाल
(बीएएमएस, आयुर्वेद विज्ञान विशेषज्ञ)
निशांत अग्रवाल
फार्मा साईंटिस्ट
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरुप टाकीज के सामने, बजाज(गोल्ड) फाइनेंस के पीछे दुर्ग। 9425555659, 9617789223, 9303948500,,9303242200
समय शाम 4 -7 बजे तक।
अपाईंटमेंट फोन से (गुरूवार अवकाश)

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

गुप्त रोगी स्वयं मिले
शादी से घबराहट गुप्त रोग
शीघ्र पतन से शारीरिक कमजोरी
शारीरिक एवं मानसिक नपुंसकता
लिंग में ढ़ीलापन, छोटापन, पतलापन
लिंग में टेढ़ापन
वीर्य में शुक्राणु की कमी
बढ़ती उम्र में सेक्स की कमी
पेशाब में धातु जाना
शुगर से सेक्स में आई हुई कमजोरी
मशीनों द्वारा जांच
अचूक दवाओं का सम्पूर्ण मिश्रण आपकी परेशानी का मात्र 1 दिन में सम्पूर्ण ईलाज
संपर्क डॉ. अहमद
जे.जे. हॉस्पिटल
होटल आशीष इंटरनेशनल जी.ई.रोड पॉवर हॉऊस बस स्टैण्ड, भिलाई
प्रतिदिन: सुबह 9 से शाम 7 बजे
रविवार 9 से 4 बजे तक
9098889899

17- APR- K&C- MAIN- Pg- 9 SODKU-KHEL_Layout 1 4/18/2024 12:24 AM Page 1

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	7	6	1	12
कोलकाता	6	4	2	8
चेन्नई	6	4	2	8
हैदराबाद	6	4	2	8
लखनऊ	6	3	3	6
गुजरात	6	3	3	6
पंजाब	6	2	4	4
मुंबई	6	2	4	4
दिल्ली	6	2	4	4
बेंगलोर	7	1	6	2

ऑरेंज कैप

विराट कोहली
361 रन
बेंगलोर

पर्पल कैप

युजुवेन्द्र चहल
12 विकेट
राजस्थान

बाउंड्री मीटर

938 चौके

546 छक्के

पेरिस ओलंपिक की 100 दिनों की उलटी गिनती शुरू, खेलों की विरासत बनाए रखने पर जोर

एजेंसी ▶▶| पेरिस

पेरिस ओलंपिक के शुरू होने में 100 दिन बचे हैं और इसके आयोजक इन खेलों के जरिए ऐसी विरासत तैयार करना चाहते हैं जिससे ओलंपिक के लिए बनाई गई सुविधाओं का इस्तेमाल लंबे समय तक स्थानीय बच्चे और युवा कर सकें।

फ्रांस की राजधानी में एक सदी से अधिक समय के बाद हो रहे ओलंपिक खेलों का मूल्यांकन केवल इसके व्यापक होने के आधार पर नहीं किया जाएगा। एक और पैमाना पेरिस के आसपास के शहरों पर इसका सकारात्मक प्रभाव होगा। इस ओलंपिक के मेजबान के मुताबिक ये खेल सामाजिक रूप से सकारात्मक होने के साथ ही कम प्रदूषणकारी और कम बर्बादी वाले होंगे।

सेनी-सेंट डेनिस में ओलंपिक गांव का निर्माण

फ्रांस के सबसे पिछड़े इलाकों में से एक 'सेनी-सेंट डेनिस' क्षेत्र को इस ओलंपिक से काफी उम्मीदें हैं। प्रवासियों से भरे इस क्षेत्र के लोगों को नस्लीय भेदभाव और अन्य तरह की रुकावटों का सामना करना पड़ता है। इसी क्षेत्र में ओलंपिक गांव का निर्माण हुआ है जिसमें 10,500 से ज्यादा ओलंपिक और 4,400 से ज्यादा पैरालंपिक खिलाड़ी रहेंगे। यह स्थान ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा के साथ रग्बी और समापन समारोह की मेजबानी करेगा।

लंबे समय तक मिले फायदा

आयोजन समिति की विरासत निदेशक मैरी बार्साक ने एक साक्षात्कार में कहा, 'हम वास्तव में उस तरह की सुविधाओं का निर्माण नहीं करना चाहते थे जिनकी भविष्य में जरूरत नहीं होगी।' सेवरान के मेयर स्टीफन ब्लैंचेट ने कहा, 'इन ओलंपिक खेलों की महत्वाकांक्षा यह है कि इससे लंबे समय तक सभी को फायदा हो सके।'

कम खर्च में होगा आयोजन

एक आकलन के मुताबिक पेरिस खेलों का खर्च पिछले तीन ओलंपिक मेजबानों (2020-टोक्यो, 2016- रियो और 2012-लंदन) से कम होगा। इसके साथ ही आयोजक लगभग आधी रकम को प्रायोजकों, टिकट और गैर-सार्वजनिक वित्तपोषण से हासिल कर लेंगे जिससे देश के करदाताओं पर कम बोझ पड़ेगा।

अमेरिका और चीन रहेंगे शीर्ष पर

अमेरिका और चीन के स्वर्ण पदक और कुल पदकों की संख्या के मामले में 100 दिन में शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक में शीर्ष दो में रहने की उम्मीद है। अमेरिका के 39 स्वर्ण सहित कुल 123 पदक जीतने का अनुमान है। चीन के 35 स्वर्ण सहित 89 पदक जीतने की संभावना है। तीन साल पहले महामारी के कारण विलंब से हुए टोक्यो ओलंपिक में भी ये दोनों देश स्वर्ण पदक और कुल पदक के मामले में शीर्ष दो में रहे थे। यह पूर्वानुमान नीलसन के ग्रेसनोट स्पोर्ट्स द्वारा लगाया गया है जो दुनिया भर की खेल लीग के लिए सांख्यिकीय विश्लेषण प्रदान करता है। मेजबान देश की पदकों की संख्या में हमेशा इजाफा होता है और टोक्यो में कुल 33 पदक जीतने वाले फ्रांस को पेरिस में 55 पदक मिलने का अनुमान है। फ्रांस ने टोक्यो में 10 स्वर्ण पदक जीते थे और पेरिस में उसे इससे लगभग तीन गुना 28 पदक मिलने का अनुमान लगाया गया है। टोक्यो में जापान ने भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 27 स्वर्ण सहित कुल 58 पदक जीते थे।

खबर संक्षेप

अय्यर पर लगा 12 लाख रुपए का जुर्माना

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। केकेआर की टीम मंगलवार को यहां रॉयल्स से दो विकेट से हार गई जिसमें जोस बटलर ने 60 गेंद में नाबाद 107 रन बनाए। आईपीएल ने विज्ञप्ति में कहा, 'आईपीएल की न्यूनतम ओवर गति से संबंधित आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सत्र का पहला अपराध था इसलिए अय्यर पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।'

नारायण को फैसला वापस लेने मनाएंगे पावेल

कोलकाता। वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पावेल ने कहा है कि फॉर्म में चल रहे सुनील नारायण को इस साल के टी20 विश्व कप के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास से वापसी करने के लिए मनाने की कोशिशें की जा रही हैं। लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स के इस स्टार खिलाड़ी ने अब तक उन सभी लोगों को 'ब्लॉक' कर दिया है जिन्होंने उनके बात करने की कोशिश की है।

अब से हर अभ्यास सत्र अहम : हरमनप्रीत

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बुधवार को कहा कि पेरिस ओलंपिक के लिए 100 दिन बचे हैं और ऐसे में हर दिन, हर अभ्यास और प्रशिक्षण सत्र का इस्तेमाल इसकी तैयारियों को बेहतर करने के लिए किया जाएगा।

आईपीएल : 89 रन के लक्ष्य को कैपिटल्स ने चार विकेट पर हासिल कर लिया

सिर्फ नौ ओवर में छह विकेट से जीती दिल्ली गुजरात ने बनाया सत्र का सबसे छोटा स्कोर

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

दिल्ली कैपिटल्स ने कप्तान ऋषभ पंत और गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को यहां कम स्कोर वाले इंडियन प्रीमियर लीग मैच में गुजरात टाइटन्स को छह विकेट से शिकस्त दी। दिल्ली कैपिटल्स ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला करते हुए गुजरात टाइटन्स को 17.3 ओवर में 89 रन पर ढेर कर दिया जो इस सत्र में किसी भी टीम का सबसे कम स्कोर है। गुजरात टाइटन्स का यह आईपीएल में अब तक का सबसे कम स्कोर भी था। दिल्ली कैपिटल्स ने यह लक्ष्य महज 8.5 ओवर में चार विकेट पर 92 रन बनाकर हासिल कर लिया। पिछले कुछ मैचों में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाज असरदार नहीं रहे थे लेकिन आखिरकार इस मैच में जलवा दिखाने में सफल रहे। मुकेश कुमार सबसे ज्यादा सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 14 रन देकर तीन विकेट झटके जबकि इशांत शर्मा ने आठ रन देकर दो और ट्रिस्टन स्टब्स ने अपने एक ओवर में दो विकेट हासिल किए। गुजरात टाइटन्स की बल्लेबाजी काफी खराब रही, उसके लिए केवल तीन खिलाड़ी दोहरे अंक तक पहुंचे जिसमें से राशिद खान ने सबसे ज्यादा 24 गेंद में 31 रन बनाए जिन्होंने टीम की पारी का एकमात्र छक्का भी लगाया।

पंत मैच के हीरो

पंत की कप्तानी लाजवाब रही, जिन्होंने सही समय पर गेंदबाजों को लगाने के अलावा स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन किया और फिर 11 गेंद में नाबाद 16 रन बनाकर जीत दिलाई। यह विकेटकीपर बल्लेबाज विकेट के पीछे काफी फुर्तीला रहा, उन्होंने विकेट के पीछे कैच लपकने के अलावा शानदार स्टंपिंग भी की और टी20 विश्व कप को देखते हुए उनका प्रदर्शन भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए जेक फ्रेजर मैकगुर्क ने 20 रन, शाई होप ने 19 रन और अभिषेक पोरेल ने 15 रन का योगदान दिया।

दिल्ली की लंबी छलांग

सत्र में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली टीम की 7 मैचों में ये तीसरी जीत है। इस टीम ने अब तक 4 मैच हारे हैं। इस जीत के बाद दिल्ली कैपिटल्स ने पॉइंट्स टेबल में लंबी छलांग लगाई। ये टीम 9वें से छठवें नंबर पर पहुंच गई है। दूसरी ओर शुभमन गिल की कप्तानी वाली गुजरात टीम ने अब तक 7 में से 3 ही मैच जीते और 4 हारे हैं। इस हार के बाद गुजरात को एक पायदान का नुकसान हुआ है। यह टीम पॉइंट्स टेबल में 7वें नंबर पर पहुंच गई है।

खास खबर

पैरा तीरंदाज शीतल ने सक्षम खिलाड़ियों के बीच जीता रजत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई पैरा खेलों की स्वर्ण विजेता शीतल देवी ने खेलो इंडिया एनटीपीसी राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में सक्षम खिलाड़ियों के बीच रजत पदक जीता। वह हरियाणा की एकता रानी के बाद दूसरे स्थान पर रहीं जो जूनियर विश्व चैंपियन हैं। डीडीए यमुना खेल परिसर में आयोजित प्रतियोगिता में 17 वर्षीय शीतल ने सक्षम जूनियर तीरंदाजों के साथ प्रतिस्पर्धा की और व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा के फाइनल में एकता से 138-140 से हार गईं।

इस साल की शुरुआत में हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों में दो स्वर्ण और एक रजत पदक जीतने के लिए अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित शीतल का जन्म फोकोमेलिया नामक एक दुर्लभ बीमारी के साथ हुआ था। वह पहली और एकमात्र अंतरराष्ट्रीय पैरा तीरंदाज हैं जिनकी बांह नहीं है। शीतल का मानना है कि खेलो इंडिया प्रतियोगिता में उनके प्रदर्शन से उन्हें आगे की चुनौतियों के लिए तैयार होने में मदद मिलेगी। एकता को स्वर्ण पदक जीतने के लिए 50 हजार रुपए की पुरस्कार राशि मिली जबकि शीतल को 40 हजार रुपए मिले। टूर्नामेंट तीन श्रेणियों - सीनियर, जूनियर और सब जूनियर रिकर्व तथा कंपाउंड वर्ग में आयोजित किया गया था। इस प्रतियोगिता में 87 तीरंदाजों ने भाग लिया।

किनवेन ने स्टुटगार्ट में कर्स्टी को हराया मारिया का स्वियाटेक से होगा सामना

एजेंसी ▶▶| स्टुटगार्ट

चीन की झेंग किनवेन ने लंबे सफर के बाद पोर्श ग्रां प्री टेनिस टूर्नामेंट के पहले दौर में सोराना कर्स्टी को सीधे सेट में शिकस्त दी। दुनिया की सातवें नंबर की खिलाड़ी झेंग ने 76 मिनट में 6-2, 6-3 से जीत दर्ज की। झेंग लंबे सफर के बाद यहां पहुंची थी लेकिन उन पर थकान का असर नहीं दिखा। वह पहले बीजिंग से चांगशा और फिर वहां से फ्रैंकफर्ट गई जहां से वह स्टुटगार्ट पहुंची।

बेल्जियम की एलिस मर्टेन्स ने कड़े मुकाबले में तात्याना मारिया को 6-1, 4-6, 6-0 से हराया। वह दूसरे दौर में दो बार की गत चैंपियन इगा स्वियाटेक से भिड़ेंगी। स्वियाटेक 2012-14 में मारिया शारापोवा के बाद स्टुटगार्ट में खिताबी हैट्रिक बनाने वाली पहली खिलाड़ी बनने के लिए चुनौती पेश कर रही हैं। अन्य मुकाबलों में विंबलडन चैंपियन मार्केटा वांद्रोसोवा ने डोना वेकिच को 6-4, 6-3 से हराया जबकि इटली की जैस्मिन पाओलिनी ने हमवतन सारा इरानी को 6-1, 6-0 से शिकस्त दी। चेक गणराज्य की किशोरी लिंडा नोसकोवा ने 10वें नंबर की येलेना ओस्टापेंको को 6-3, 6-1 से हराकर उलटफेर किया।

कोहली, धोनी की तरह भरोसा बरकरार रखा

कोलकाता। राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर ने आईपीएल में 'अजीब चीजें' होते देखी हैं और उन्होंने विराट कोहली तथा महेंद्र सिंह धोनी जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा लेकर यहां कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ अकेले दम पर टूर्नामेंट के इतिहास का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल करने में टीम की मदद की। बटलर ने 60 गेंदों में नाबाद 107 रन बनाए जिससे राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार रात नाइट राइडर्स को दो विकेट से हराया। बटलर को पारी के अंत में चलने में भी दिक्कत हो रही थी लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। रिकॉर्ड 224 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स का स्कोर 13वें ओवर में छह विकेट पर 121 रन था जिसके बाद बटलर ने पासा पलट दिया।

राशिफल

मेष मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में परिश्रम अधिक होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि हो सकती है।

वृष बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि होगी। किसी मित्र से रोजगार कि अवसर मिल सकते हैं। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। वाणी में सौम्यता रहेगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार की स्थिति में सुधार आएगा। शैक्षिक कार्यों के प्रति सचेत रहें। मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह माता-पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कन्या माता-पिता का साथ मिलेगा। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला बातचीत में सन्तुलित रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। भाई-बहनों का सहयोग मिलेगा।

वृश्चिक कारोबार से लाभ के अवसर मिलेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

धनु वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलन बनाकर रखें।

मकर किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में निवेश कर सकते हैं। अध्ययन में रुचि रहेगी। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों से सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

कुंभ किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित हो सकते हैं। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

मीन कारोबार में परिश्रम अधिक होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

// बिजली बंद की सूचना //

सम्मानीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पेण्डरवां में विद्युत उपकरणों की स्थापना एवं अति आवश्यक कार्य करने बाबत निम्नांकित क्षेत्रों में दिये गये समायानुसार विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। सम्मानीय उपभोक्ताओं को होने वाली असुविधा के लिये खेद प्रकट करते हुए सहयोग की अपेक्षा है ।

क्र.	दिनांक / दिन	समय	33 के.व्ही. फीडर / उपकेन्द्र का नाम	प्रभावित होने वाले क्षेत्र
1	18.04.2024 गुरूवार	सुबह 08.00 बजे से शाम 04.00 बजे तक	33 के.व्ही. उपकेन्द्र पेण्डरवां	33 के.व्ही. उपकेन्द्र पेण्डरवां से निकलने वाले 11 के.व्ही. अमलीपाली, मुक्ता, बोरसी एवं पेण्डरवां फीडरों से संबद्ध समस्त ग्राम ।

नोट :- आवश्यकतानुसार समय घटायी / बढ़ायी जा सकती है ।
"ऊर्जा की बचत करें"
"विद्युत देयकों का भुगतान कर असुविधा से बचें"

कार्यपालन यंत्री (सं./सं.) संभाग
छ.स्टे.पॉ.डि.कं.लिमि.: सक्ती

TRN Energy Private Limited
Registered Office:18 Vasant Enclave, Rao Tula Ram Marg New Delhi – 110057
Corporate Office:7th Floor, Office Tower, Ambience Mall NH – 8, Gurgaon – 122002 (Haryana) Ph: 0124–2719000; Fax: 0124–2719185
E-Mail : trnenergy@acbindia.com&info@trnenergy.com

TRN Energy Private Limited
Letter of Interest

Ref. No.:TRNEPL/ASH/2024-25/01 **Dated:** 16-04-2024

TRN Energy Pvt. Ltd. is having 2 X 300 MW Coal based thermal power plant which is located near Vill – Bhengari, Tehsil - Gharghoda, Dist. - Raigarh, Chhattisgarh. This place is well connected with road network. Nawapara (Tenda) village is on Chhal – Gharghoda road and very near to the plant. This place is around 42 KM away from Raigarh and 35 KM away from Kharsia, which are the nearest towns & railway stations. M/s TRN Energy Pvt. Ltd. invites the bids from reputed and experienced parties for **Transportation of Ash from TRNEPL Plant Raigarh, Chhattisgarh to the NHAI Road Project of Urga-Pathalgaon section of NH-130A.**

Please visit the website **https://eprocurement.mjunction.in** and refer tender no. 1008 for qualifying criteria and for further details on or before 22-04-2024 @ 14:00 Hrs.

Contact Details:- Name: - Sunil Kumar Contact No.:-9868392867
E-Mail Id: - sunil.kumar@acbindia.com

शब्द पहेली - 5485

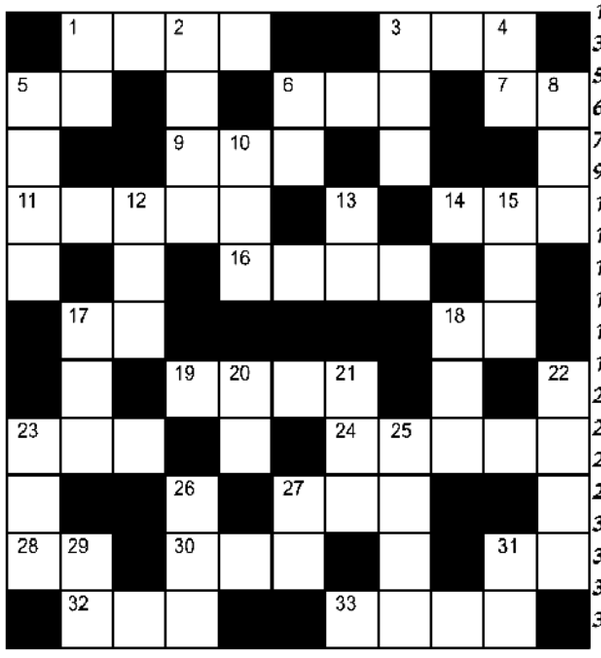

बाएँ से दाए
1. असभ्यता, मूर्खता-4
3. निर्भय, बहादुर-3
5. प्याला-2
6. सहारा, शरण-3
7. मां का भाई-2
9. साठ वर्ष की अवधि-3
11. परतंत्रता, गुलामी-5
14. दानव, दैत्य-3
16. लूटपाट-4
17. वाद्य यंत्र-2
18. परछाई, छाया-2
19. आदत, स्वभाव (उर्दू-4)
23. जंगल, वन-3
24. सेंधमार-5
27. गजल लिखने वाला-3
28. मोटा आटा, सूजी-2
30. गुलिस्तां, बाग-3
31. एक ग्रह, शनिश्चर-2
32. दबाना, कुचलना-3
33. रोब वाला, उसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1. मंत्रों का पाठ-2
2. उद्देश्यहीन-4
3. अनूठा, अनोखा-3
4. लक्ष्मी, कमला-2
5. खीजना, रोना-4
6. एक पौधा, अकुवा, आकड़ा-2
8. दक्ष, होशियार-3
10. जमीकंद, एक सब्जी-3
12. धैर्य, संयम-3
13. अस्थमा-2
15. एक गायिका-3
17. वर्षा ऋतु-3
18. महोदय-3
20. पैंदा, तला-2
21. पुत्र, बेटा-3
22. अवमानना-4
23. नास्तिक (उर्दू-3)
25. करामात-4
26. प्रतिज्ञा-3
27. ठाठ-बाट-2
29. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31. तीर, बाण-2

शब्द पहेली - 5484 का हल

सूडोकु नवताल - 5496

कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5495 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

17- APR- K&C- MAIN- Pg- 10 RAJDHANI_Layout 1 4/18/2024 1:15 AM Page 1

एनएमसी ने सभी मेडिकल कालेजों ने मांगा स्टाइपेंड दिए जाने का ब्योरा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ समेत देश के तमाम मेडिकल कालेज, चिकित्सा संस्थानों, सुपर स्पेशलिटी हास्पिटलों को संस्थान में दिए जाने वाले स्टाइपेंड का ब्योरा देना होगा। अनियमितता के संदेह और स्टाइपेंड नहीं दिए जाने संबंधी याचिका के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी कर 23 अप्रैल तक जानकारी प्रेषित करने कहा है।

जानकारी के मुताबिक एक आर्मी मेडिकल कालेज के छात्र को स्टाइपेंड नहीं दिए जाने की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग से पूरे देश के मेडिकल कालेज में चिकित्सा छात्रों को दिए जाने वाले स्टाइपेंड का ब्योरा मांगा है। इस आधार पर एनएमसी की ओर से सार्वजनिक रूप से नोटिस जारी कर 23 अप्रैल को इससे संबंधित जानकारी सभी मेडिकल कालेज, सुपर स्पेशलिटी हास्पिटल सहित चिकित्सा संस्थानों को प्रेषित करने कहा गया है। मेडिकल कालेज से संबंधित अस्पताल, चिकित्सा संस्थान तथा सुपर स्पेशलिटी हास्पिटलों में एमबीबीएस वाले इंटर्न, पीजी कोर्स वाले सीनियर, जूनियर रेजिडेंट्स तथा सुपर स्पेशलिटी हास्पिटलों में एमसीएच कोर्स वाले छात्रों को स्टाइपेंड दिया जाता है।

आबकारी घोटाले में नहीं मिला संतोषजनक जवाब, फिर रिमांड मांगेगी जांच एजेंसी

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

आबकारी के पूर्व आयुक्त सहित शराब से जुड़ी कंपनियों को नोटिस, अरविंद, अनवर, एपी त्रिपाठी की रिमांड खत्म होने के बाद आज कोर्ट में पेशी

कथित तौर पर दो हजार करोड़ से ज्यादा शराब घोटाले में किंग पीन अनवर ढेबर, एपी त्रिपाठी के साथ अरविंद सिंह की गुरुवार को ईओडब्लू की रिमांड समाप्त हो रही है। तीनों आरोपियों को ईओडब्लू गुरुवार को कोर्ट में पेश करेगी। तीनों से पूछताछ में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की वजह से जांच एजेंसी तीनों को एक बार फिर से रिमांड पर लेने कोर्ट में आवेदन पेश कर सकती है। शराब घोटाले की गुत्थी सुलझाने ईओडब्लू के अफसर तीनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ भी कर चुकी है, बावजूद इसके तीनों ने जांच एजेंसी को गोल-मोल जवाब देकर बचने की कोशिश की।

गौरतलब है, ईओडब्लू की रिमांड पर लिए गए अरविंद सिंह, अनवर ढेबर के साथ एपी त्रिपाठी से अफसरों ने शराब से जुड़े सिंडिकेट के साथ शराब आपूर्ति करने की चेन, होलोग्राम से नकली शराब खपाने को लेकर आमने-सामने बैठाकर सवाल पूछे। इस पर तीनों ने किसी भी तरह से सिंडिकेट में शामिल होने की बात से इनकार किया। नकली होलोग्राम के संबंध में पूछे गए सवाल पर तीनों ने जांच एजेंसी को कहा कि इस संबंध में वे ईडी में पूर्व में ही अपना बयान दर्ज करवा चुके हैं।

अब तक दस से ज्यादा के बयान दर्ज

सूत्रों के मुताबिक ईओडब्लू के अफसरों ने शराब घोटाला मामले में अब तक दस से ज्यादा लोगों के बयान दर्ज कर लिए हैं। इसके साथ शराब कारोबार से जुड़ी कंपनियों को पूछताछ के लिए नोटिस जारी कर रायपुर तलब किया है। जिन शराब कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है, उनमें से कई दिल्ली की कंपनियां हैं। जिन कंपनियों को नोटिस जार किया गया है, वे कंपनियां शराब की सप्लाई, परिवहन, होलोग्राम बनाने से लेकर प्लेसमेंट का काम करती हैं।

अनवर के चहेतों को लाइसेंस

ईडी के अफसरों ने राज्य की जांच एजेंसी को जो रिपोर्ट दी है, उस रिपोर्ट में शराब कंपनी किस तरह से सिंडिकेट बनाकर नेक्सेस चलाती थी, इस बारे में विस्तार से उल्लेख किया है। ईडी ने ईओडब्लू को जो रिपोर्ट दी है, उसके मुताबिक एफएल-10 ए का लाइसेंस अनवर ढेबर की तीन चहेती फर्म मेसर्स नैक्सेजेन पॉवर इंजीटेक प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स ओम साईं ब्रेवरेज प्राइवेट लिमिटेड तथा मेसर्स दीशिता वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड को दिया गया। अनवर ढेबर की चहेते कंपनियां शराब बनाने वाली कंपनियों से शराब उपलब्ध कराकर 10 प्रतिशत तक लाभ कमाते थे। उक्त लाभ में से 60 प्रतिशत सिंडिकेट तथा 40 प्रतिशत राशि लाइसेंस धारकों के पास पहुंचने का आरोप है।

सालभर में एक हजार से अधिक कार्रवाई, डेढ़ करोड़ जुर्माना वसूला फिर भी खदानें बेलगाम

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

रायपुर जिले में खनिज विभाग ने रेत, मुरुम एवं गिट्टी के अवैध उत्खनन व परिवहन से जुड़े सालभर में एक हजार से अधिक प्रकरणों पर कार्रवाई की है। इस कार्रवाई के दौरान लगभग डेढ़ करोड़ रुपये का जुर्माना भी वसूला है, बावजूद रेत, मुरुम व पत्थर खदानों पर विभाग का नियंत्रण नहीं है। इन खदानों में अवैध उत्खनन का काम लगातार चल रहा है, जिसके कारण हर महीने करोड़ों के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अप्रैल 2023 से लेकर 31 मार्च 2024 के दौरान खनिज विभाग ने जिलेभर में खनिजों के अवैध उत्खनन-परिवहन के एक हजार से अधिक प्रकरण सामने आये हैं। इन प्रकरणों में कुछेक प्रकरण में ही खदानों में अवैध व नियम विरुद्ध तरीके से उत्खनन करने के मामलों में कार्रवाई की गई है, जबकि शेष सभी प्रकरण में अवैध परिवहन में संलिप्त गाड़ियों को पकड़ा गया है। इसमें हाईवा एवं ट्रैक्टर ट्राली आदि वाहन शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार विभाग ने सालभर में एक हजार से अधिक प्रकरणों पर कार्रवाई करते हुए लगभग डेढ़ करोड़ रुपये की राशि जुर्माना के रूप में वसूल की है।

जिले में सालभर में एक हजार से अधिक प्रकरणों पर कार्रवाई की गई है। इनमें सबसे ज्यादा रेत के अवैध परिवहन के प्रकरण हैं। सूत्रों के अनुसार इनकी संख्या 7 सौ से ज्यादा है। विभाग ने इन प्रकरणों में गाड़ियों को जब्त कर वाहन मालिकों से जुर्माना राशि वसूली है। जिले में रेत के साथ मुरुम, गिट्टी व ईंट के अवैध परिवहन के मामलों में करीब 300 गाड़ियां पकड़ी हैं। इन गाड़ियों के मालिकों से भी जुर्माना वसूला गया है। विभाग ने धरसींवा, विधानसभा, माना, मंदिर हसौद, सिलियारी, तिल्दा, आरंग, खरोरा, भनपुरी, उपरवारा, राखी व अभनपुर क्षेत्र में जांच अभियान चलाकर इन प्रकरणों पर कार्रवाई की है। कई प्रकरणों में विभागीय टीम ने रात में गश्त कर गाड़ियों को पकड़ा है। सालभर में हुई कार्रवाई बताती है कि जिले की कई खदानों में रेत, पत्थर एवं मुरुम का अवैध उत्खनन का काम धड़ल्ले से जारी है। इन खदानों में अवैध उत्खनन होने के कारण ही जिले में खनिज सामग्री का अवैध परिवहन हो रहा है। हालांकि विभाग ने कार्रवाई में रायपुर के साथ दूसरे जिलों की गाड़ियों को भी पकड़ा है, जिनमें कई गाड़ी को रायपुर से दूसरे जिलों में परिवहन कर ले जाते समय पकड़ा है। इससे स्पष्ट है कि जिले में कई खदानों में अवैध उत्खनन का काम जारी होने के बावजूद इसे रोका नहीं जा रहा।

कांग्रेस की घोषणाएं महिलाओं के साथ भद्दा मजाक, केवल वोट बैंक के तौर पर किया जाता है इस्तेमाल

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुईं नेत्रियों ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने राज्य में महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त कर महिलाओं के संरक्षण के लिए कानून का सख्ती से पालन कराने और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों को गंभीरता से लेकर अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करने की बात कही थी। प्रत्येक थाने में एक महिला सेल स्थापित करने का वादा किया था, जिसमें महिला अपराधों की स्वतंत्र जांच की जाएगी। कांग्रेस के पूरे पांच साल के कार्यकाल में महिलाओं के साथ अनाचार, दुर्व्यवहार और हिंसा होती रही और कांग्रेस की सरकार आंखे मूंदे बैठी रही। आज बड़ी बड़ी घोषणाएं कर कांग्रेस एक बार फिर महिलाओं के साथ भद्दा मजाक कर रही है।

एकात्म परिसर में आयोजित पत्रकारवार्ता में कांग्रेस का दमन छोड़ भाजपा में शामिल होने वाली बिलासपुर की पूर्व महापौर वाणी राव, नगर पालिका अध्यक्ष महासमुंद अनिता रावटे, जगदलपुर महापौर सफीरा साहू और महासमुंद की जिला पंचायत अध्यक्ष ऊषा पटेल और अरुणा शुक्ला ने कांग्रेस पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के नेता जुमलेबाजी और अवांछनीय बयानबाजी करते रहे। कांग्रेस की सरकार ने हर ग्रामीण परिवार को प्रतिवर्ष 4 सिलेंडर मुफ्त देने की बात कही थी, कुल 20 सिलेंडर दिए जाने थे, लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। वाणी राव ने कहा, कांग्रेस ने सदैव महिलाओं के साथ छल करके केवल वोट बैंक के तौर पर इस्तेमाल करने का राजनीतिक चरित्र प्रदर्शित किया है।

भूपेश ने कहा- पूर्व की घटना पर दिया था बयान

भूपेश के नक्सलियों के फर्जी एनकाउंटर वाले बयान पर गृहमंत्री ने कहा-जवानों से माफी मांगनी चाहिए

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के फर्जी एनकाउंटर वाले बयान पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा, नक्सली संगठन ने अपने पत्र में भी 50 नक्सलियों से मारे जाने की बात कबूली है। ऐसे में भूपेश बघेल का बयान दुर्भाग्यजनक है। उनको अपने बयान पर जवानों से माफी मांगना चाहिए। अगर यह माफी नहीं मांगते हैं, तो जनता इसका जवाब देगी।

उप मुख्यमंत्री ने कांकेर मुठभेड़ पर जवानों को बधाई देते हुए कहा, जवानों के समर्थन, उनके कंधों की ताकत पर कल जो कुछ हुआ है, वह बड़ी सफलता है। यह आज तक की सबसे बड़ी सफलता सुरक्षा बलों को मिली है। मैं इसके लिए जवानों को बधाई देता हूं। नक्सलियों की मांद में घुसकर सर्जिकल स्ट्राइक जैसा किया है। वहीं नक्सलियों के साथ बाहरी ताकतों के शामिल होने पर उन्होंने कहा, मतलब यह है कि इंसास, एके 47 मिलता है, तो यह क्या है। कहां से आ रहा है, देश के खिलाफ बहुत बड़ा षड्यंत्र है। हमारे ही कुछ लोग मिलकर इस तरह का काम करेंगे, तो नहीं चलता है। किसी को भी अधिकार नहीं है कि देश में जनता मरती रहे और विकास को कोई बाधा करके बैठा रहे और उसका समर्थन करता रहे।

वहीं नारायणपुर में फिर एक बीजेपी कार्यकर्ता की नक्सलियों द्वारा हत्या किए जाने पर विजय शर्मा ने कहा, पंचमदास भाजपा के कार्यकर्ता थे, उपसरपंच भी थे। कायराना ढंग से उन्हें मारा गया है। नक्सलियों से सरकार हर समय चर्चा के लिए तैयार है। किसी भी माध्यम से बात करना चाहे, हम तैयार हैं। शांति बहाल होनी चाहिए। खून खराबा बंद होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सुरक्षाबलों द्वारा 29 नक्सलियों के मारे जाने की घटना को 'फर्जी' बताए जाने वाले बयान पर सफाई दी है। उन्होंने कहा, पूर्व घटित नक्सल घटना को लेकर दिए गए मेरे बयान को अभी की घटना से जोड़ कर बताया गया है। भाजपा वाले ऐसा कर रहे हैं, यह बेहद दुर्गभाग्यजनक है। उन्होंने कहा कि मैंने फर्जी मुठभेड़ की बात पूर्व घटित घटना के विषय में कही थी, जिसमें ग्रामीणों की ओर से आरोप लगाए थे। अभी 29 नक्सलियों को सुरक्षा बल के जवानों से मार गिराया है, यह बड़ी कामयाबी है। जवानों को इस सफलता के लिए बधाई देता हूं।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नक्सलियों के फर्जी एनकाउंटर वाले बयान के बाद अब पीसीसी चीफ दीपक बैज ने बस्तर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में 29 नक्सलियों के मारे जाने पर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार का दावा अगर सच है तो बड़ी उपलब्धि है, यदि निर्दोष ग्रामीण हैं, तो सरकार पर प्रश्न चिन्ह है। सत्य सामने आना चाहिए। सच में नक्सली हैं, कही निर्दोष ग्रामीण तो नहीं। चुनाव के ठीक पहले इतनी बड़ी मुठभेड़ के संयोग पर अगर पूर्व मुख्यमंत्री ने संदेह जताया है, तो सरकार को जवाब देना चाहिए।

पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुई गायत्री शक्तिपीठ में नवरात्रि

रायपुर। 9 दिन की नवरात्रि के बाद माता की हवन-पूजन और पूर्णाहुति के बाद नवरात्रि संपन्न हुई। नवमी के अवसर पर कई मंदिरों में विभिन्न प्रकार के संस्कार के साथ प्रसादी वितरण किया गया। इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ समता कॉलोनी में गायत्री परिजनों के साथ आए हुए भक्तों द्वारा यज्ञ हवन और संस्कार में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया। कार्यक्रम में विद्यारंभ संस्कार जन्मोत्सव संस्कार अन्नप्राशन संस्कार के साथ अन्य कई संस्कार कराए गए। इस अवसर पर गायत्री परिवार के परिजनों और गायत्री शक्तिपीठ पहुंचे भक्तों ने यज्ञ हवन और संस्कार में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

वृंदावन हॉल में कवि सम्मेलन 21 को, विमोचन भी

रायपुर। सिविल लाइस स्थित वृंदावन हॉल में 21 अप्रैल को कवि राजेश जैन 'राही' की व्यंग्य कृति 'नाचे आम आदमी' का विमोचन किया जाएगा। साथ ही कवि सम्मेलन और विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर कार्य करने वाली विभिन्न सामाजिक संस्थाओं को 'नवरंग समाज रत्न सम्मान' से सम्मानित किया जाएगा। यह विमोचन मुख्य अतिथि डॉ. गिरीश पंकज, डॉ. चितरंजन कर, डॉ. मृणालिका ओझा, एम राजीव एवं संजय जैन गिड़िया द्वारा किया जाएगा। इस दौरान डॉ. गिरीश पंकज, डॉ चितरंजन कर एवं डॉ. मृणालिका ओझा अपने महत्वपूर्ण विचार रखेंगे।

तापमान चालीस के पार होते ही 'लू' का अलर्ट, अस्पतालों में बने अलग वार्ड

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शहर का तापमान एक बार फिर चालीस डिग्री के पार होते ही स्वास्थ्य विभाग की ओर से लू का अलर्ट जारी कर दिया गया है। हीट-वे का शिकार होकर अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के इलाज के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं और ओआरएस कार्नर तैयार किए गए हैं। वार्डों में मरीजों को गर्मी से बचाने के लिए एसी की व्यवस्था की गई है।

पिछले तीन चार दिनों से राजधानी में गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। दोपहर होने के बाद चलने वाली गर्म हवा के असर से लू जैसी स्थिति बन रही है और इसका स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है। चिकित्सकों के अनुसार पिछले दो दिन से उनके पास ऐसे मरीज आ रहे हैं, जिन्हें डिहाईड्रेशन की शिकायत हो रही है। उन्हें गर्मी से बचाव की नसीहत के साथ आवश्यक दवा दे रहे हैं। इधर स्वास्थ्य विभाग द्वारा एक बार फिर बढ़ती गर्मी के मद्देनजर लू का अलर्ट जारी कर दिया गया है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के निर्देश पर जिला अस्पताल के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में लू का शिकार होकर आने वाले मरीजों के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं। पांच से दस बेड की इस वार्ड में मरीजों की सुविधा के लिए एसी और कूलर की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा गर्मी को देखते हुए तमाम स्वास्थ्य केंद्रों में आने वाले मरीजों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था के साथ निशुल्क ओआरएस कार्नर बनाया गया है। हीट-वे को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मैदानी अमले को इस बात की कड़ी हिदायत दी है कि ऐसे मरीजों को उपचार की तत्काल सुविधा दी जाए। इसके साथ ऐसे मरीजों की नियमित रिपोर्टिंग आईडीएसपी शाखा के पास की जाए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादकः प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com